आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 78 रांची, गुरुवार, 27 फरवरी 2025 (फाल्गुन कृष्ण अमावस्या, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

रांची के पहाड़ी मंदिर और देवघर के बाबा धाम में निकली शिव बारात, भूत-पिशाच हुए शामिल

- झांकी में शामिल हुए हजारों श्रद्धालु
- लगा रहे थे 'हर-हर महादेव' का जयकारा

प्रातः नागपुरी टीम

रांची/देवघर। महाशिवरात्रि के अवसर पर देवघर के बाबा धाम और रांची के पहाड़ी मंदिर में धूमधाम से शिव बारात निकाली गई। शिव और शक्ति के विवाह के अवसर पर निकाली गई इस अनूठी झांकी में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान श्रद्धालु हर-हर महादेव का जयकारा लगाते रहे।

बाबा नगरी देवघर में महाशिवरात्रि का जुलूस शुरू होते ही भगवान भोलेनाथ की बारात देखने के लिए सड़क पर लाखों की भीड़ उमड़ पड़ी। बारात में भूत, पिशाच, कंकाल, ऊंट, घोड़े सभी शामिल हुए। के के एन स्टेडियम से जैसे ही जुलूस शुरू हुआ हजारों की भीड़ सड़क के दोनों तरफ खड़ी नजर आई।

सीएम हेमंत शिव बारात में हुए शामिल : शिव बारात को रवाना करने के लिए सूबे के मुखिया हेमंत सोरेन खुद देवघर में थे। उनके साथ राज्य सरकार की मंत्री दीपिका पांडे और सुदिव्य कुमार भी मौजूद थे। के एन स्टेडियम में लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आने वाले समय में और भी भव्य तरीके से शिव बारात निकाली जाएगी।

शेष पेज 08 पर

कौतूहल बनी शिव बारात

पहाड़ी मंदिर से निकाली गई शिव बारात में भगवान भोले नाथ के साथ मुंडमाला धारण किए भूत-पिशाच व सांपों की फुंफकार कौतुहल का विषय रही। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार व बच्चों के साथ सड़क किनारे खड़े रहे। शाम की पूजा-अर्चना के बाद मंदिरों में विवाह उत्सव की विशेष तैयारी की गई थी। विद्युत बल्बों से सजे मंदिरों में विराजमान भगवान भोले नाथ व माता पार्वती का पारंपरिक ढंग से श्रृंगार किया गया और विशेष पूजा-अर्चना की गई। देर शाम तक चले इस विवाह उत्सव को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। गुरुवार को श्रद्धालु मंदिरों में शिव दर्शन करेंगे, जिसका सनातन धर्म में विशेष महत्व है। कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के व्रत के बाद दूसरे दिन सुबह शिव दर्शन करने का विशेष महत्व है।

संक्षिप्त खबरें

महुआ माजी घायल, सीएम हेमंत देखने पहुंचे अस्पताल

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन बुधवार को एचबी रोड स्थित आर्किड अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने सड़क दुर्घटना में घायल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की राज्यसभा सदस्य डॉ. महुआ माजी से मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बता दें कि, राज्यसभा सदस्य डॉ. महुआ माजी एवं उनके परिजन महाकुंभ स्नान कर वापस रांची लौट रहे थे। बुधवार की सुबह लातेहार जिला स्थित होटवाग गांव के समीप उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में डॉ. माजी एवं उनके परिजन घायल हो गए।

विस्तृत पेज 03 पर

जम्मू कश्मीर में आतंकी हमला, सेना की गाड़ी पर ताबड़तोड़ फायरिंग

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के सुंदरबनी इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों ने भारतीय सेना के वाहन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले के बाद सेना ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया है। जानकारी के अनुसार, यह हमला घने जंगल से किया गया और इसके बाद आतंकवादी फरार हो गए। यह इलाका पाकिस्तान से सटा हुआ है और आतंकवादियों के लिए पारंपरिक घुसपैठ का रास्ता माना जाता है। अधिकारियों के मुताबिक, सुंदरबनी सेक्टर के फाल गांव के पास हुई इस संक्षिप्त गोलीबारी में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

गवाह की उम्र नहीं होती, बच्चों की गवाही भी मान्य : सुप्रीम कोर्ट पेज 09

30 अप्रैल से शुरू होगी चारधाम यात्रा पेज 09

हजारीबाग में महाशिवरात्रि पर लाउडस्पीकर लगाने को लेकर बवाल

दो समुदाय के लोग आपस में भिड़े पथराव के बाद फूंके तीन वाहन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले में ईचाक थाना क्षेत्र के डूमैरान स्थित हिंदुस्तान चौक पर शिवरात्रि पर लाउडस्पीकर लगाने गए कुछ लोगों को विशेष समुदाय के लोगों ने रोक दिया। इसमें दोनों पक्ष के लोग आपस में उलझ गए। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी संतोष कुमार ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। मामला सुलझ ही गया था कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय डूमैरान जहां मदरसा भी है, वहां से विशेष समुदाय के लोगों के द्वारा पत्थरबाजी शुरू कर दी गई।

इसमें थाना प्रभारी और जवान बाल-बाल बच गए। इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने भी पत्थरबाजी शुरू कर दी। करीब एक घंटे तक पूरा गांव रणक्षेत्र में तब्दील हो गया।

छावनी में तब्दील हुआ इलाका : इसके बाद उपद्रवियों ने वहां खड़ी एक बोलेनो कार और दो बाइक को फूंक दिया। घटना के बाद पुलिस पूरे डूमरौन गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है।

'आरएसएस व कट्टरपंथी मानसिकता वाले फैला रहे नफरत'

वहीं, इस मामले पर झारखंड सरकार में मंत्री इरफान अंसारी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस संबंध में जानकारी मिली है। इसको लेकर उन्होंने एसपी से बात की भी है और उन्हें हजारीबाग में लोगों से समझदारी से निपटने के निर्देश दिए हैं। अंसारी ने कहा कि असामाजिक तत्व, आरएसएस मानसिकता और कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोग नफरत फैला रहे हैं। केस दर्ज होगा और दोनों पक्षों के लोग जेल जाएंगे। अंसारी ने कहा कि ऐसी घटनाओं से बीजेपी को फायदा होगा। हम उन लोगों को नहीं छोड़ेंगे जिन्होंने ऐसा किया है।

घटना के बाद वहां प्रशिक्षु आइपीएस श्रुति अग्रवाल, बीडीओ संतोष कुमार, सीओ रामजी प्रसाद गुप्ता आदि पदाधिकारी कैंप कर रहे हैं। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

किस बात पर हुआ था विवाद : विवाद की जड़ हिंदुस्तान चौक पर लगे लोहे के स्तंभ में लाउडस्पीकर लगाने को लेकर थी, जो स्कूल गेट पर बनी एक मीनार के निर्माण से जुड़ी थी। करीब डेढ़ साल पहले एक समुदाय ने स्कूल गेट पर मीनार बना दी थी, जिसे लेकर पुलिस और प्रशासन तक मामला पहुंचा था।

प्रशासन ने दोनों पक्षों में समझौता कराया, लेकिन इसके बाद भी होली, रामनवमी और नए साल पर झड़पें होती रहीं। शेष पेज 08 पर

निरंतर बड़ा आयाम लेने की तैयारी में आगे बढ़ रहा महाशिवरात्रि महोत्सवः सीएम हेमंत

देवघर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बाबा नगरी देवघर में बाबा भोलेनाथ के चरणों पर शीश नवाकर आप सभी का अभिनंदन करता हूं। आज यहां शिव बारात में सम्मिलित होने का मुझे भी अवसर मिला है। यहां हम एक ऐसे समूह के साथ खड़े हैं, जिसमें इंसान के साथ जीव-जंतु भी शामिल है। यह शिव बारात मात्र नहीं है। ऐसे महोत्सव में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना यह दर्शाता है कि इससे ऊपर और कोई ताकत नहीं है। कहीं ना कहीं दुनिया इसी की बदौलत चल रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा नगरी देवघर के केएनएन स्टेडियम में आयोजित शिव बारात महोत्सव को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य एवं आकर्षक झांकियों के साथ शिव बारात को रवाना किया।

उमंग, उत्साह, खुशी, श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का दिन : मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए उमंग, उत्साह, खुशी, श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का दिन है। महाशिवरात्रि का महापर्व सदियों से मनाते आ रहे हैं। आगे भी यह अनवरत जारी रहेगी। बाबा नगरी देवघर के लिए यह महापर्व विशेष है। यहां महाशिवरात्रि के पर्व के साथ निरंतर नया अध्याय जुड़ता जा रहा है। आप सभी के सहयोग से यह कार्यक्रम भव्य रूप ले रहा है। आज यह महोत्सव निरंतर बड़ा आयाम लेने की तैयारी में आगे बढ़ रहा है।

मंत्री-विधायक के साथ ये भी हुए शामिल : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित शिव बारात महोत्सव में मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय, मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक सुरेश पासवान, विधायक उदय शंकर सिंह, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती किरण कुमारी, संताल परगना के आयुक्त लालचंद दादेल, पुलिस महानिरीक्षक क्रांति कुमार गड़िदेशी, पुलिस उपमहानिरीक्षक अंबर लकड़ा, जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत हज़ारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

- इस महोत्सव में इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता असीम आस्था और श्रद्धा का परिचायक है

आस्था का यह केंद्र और मजबूती के साथ बढ़े आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवघर की पावन धरती असीम आस्था का केंद्र है। श्रावणी मेले के दौरान देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। इतना ही नहीं सालों भर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला चलता रहता है। इस पवित्र स्थल को और बेहतर करने के लिए सरकार मंथन करेगी। इसमें आपका सहयोग काफी मायने रखेगा। आने वाले समय में आस्था के इस केंद्र को और मजबूती के साथ आगे ले जाना है।

झारखंड-बिहार का मोस्टवांटेड इनामी नक्सली विवेक की हत्या

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड-बिहार का मोस्टवांटेड 13 लाख का इनामी नक्सली विवेक यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसकी हत्या बिहार के गया जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र के मंझौली स्थित टेकरा खुर्द गांव के समीप जंगल में की गई। हत्या के पीछे का कारण नक्सलियों की आपसी वर्चस्व की लड़ाई बताई जा रही है।

जंगल में पड़ा मिला था विवेक का शव : बताया जा रहा है कि पहाड़ी क्षेत्र में मंगलवार को लकड़हारों और चरवाहों ने एक युवक का शव पड़ा देखा। उन्होंने स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गया के मगध मेडिकल कॉलेज भेजा और उसकी पहचान में जुट गई। मंगलवार की देर शाम में मृतक की पहचान नक्सली नेता विवेक यादव के रूप में की गई।

शेष पेज 08 पर

आदिवासियों के लिए हेमंत सोरेन सरकार ने लिया बड़ा फैसला

झारखंड ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल का गठन

- अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने जारी की अधिसूचना

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। आदिवासियों की मिनी असेंबली कही जाने वाली ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) गठित की गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन टीएसी के अध्यक्ष होंगे। उनके साथ कुल 19 सदस्य इसमें सम्मिलित किए गए हैं। कौंसिल राज्य में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और उनसे संबंधित विषयों पर निर्णय लेती है। नई नियमावली के तहत पहली बार इसका गठन हुआ है। इसके पूर्व टीएसी के गठन के लिए राज्यपाल की अनुशंसा आवश्यक थी।

शेष पेज 08 पर

सीएम हेमंत कल रांची में 28,945 सरकारी शिक्षकों को सौंपेंगे टैबलेट

- झारखंड की शिक्षा व्यवस्था को ऑनलाइन जोड़ने की इस दिशा में बड़ा कदम

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 28 फरवरी को प्रोजेक्ट बिल्डिंग झारखंड मंत्रालय सभागार में राज्य के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के बीच टैब वितरित करेंगे। जिससे राज्य के सरकारी स्कूलों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा जा सके। यद्यपि यह सुविधा कक्षा 1 से 5 तक के सिर्फ उन्हीं स्कूलों के शिक्षकों को मिलेगी। जहां 30 से ज्यादा विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। इसके तहत 28945 स्कूलों का चयन किया गया है। राज्य की हेमंत सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को ऑनलाइन जोड़ने के लिए इस दिशा में काम किया जा रहा है। टैब वितरित किये जाने के बाद उपस्थिति से लेकर सभी रिपोर्टिंग कार्य डिजिटल माध्यम से होंगे।

शेष पेज 08 पर

बिहार विस चुनाव से पहले नीतीश कैबिनेट का विस्तार

भाजपा के सात विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

पटना। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने इस साल नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बुधवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। संजय सरावगी, सुनील कुमार, जिबेश मिश्रा, मोतीलाल प्रसाद और राजू कुमार सिंह समेत सात नए विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

शेष पेज 08 पर

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा एलान

43,59,53,250 रुपये दो और अमेरिका की नागरिकता पाओ

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नई 'गोल्ड कार्ड' स्कीम की घोषणा की है। जिसका मकसद प्रवासियों को अमेरिकी नागरिकता हासिल करने में सहूलियत प्रदान करना होगा। इस योजना के तहत, प्रवासी 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 43 करोड़ भारतीय रुपये) का भुगतान करके इस खास गोल्ड कार्ड को प्राप्त कर सकेंगे। यह कार्ड, ग्रीन कार्ड का एक प्रीमियम वर्जन होगा, जो न केवल ग्रीन कार्ड की सुविधाओं को प्रदान करेगा, बल्कि कुछ अतिरिक्त लाभ भी देगा।

ओवल ऑफिस में वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के साथ कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, "हम एक गोल्ड कार्ड बेचने जा रहे हैं। इस कार्ड की कीमत लगभग 5 मिलियन डॉलर होगी और यह आपको ग्रीन कार्ड की सुविधाओं के साथ-साथ अन्य लाभ भी प्रदान करेगा।" उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना की शुरुआत दो हफ्ते में हो जाएगी।

शेष पेज 08 पर

प्रयागराज महाकुंभ में टूटे कई रिकॉर्ड, 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

आखिरी दिन 1.53 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में किया स्नान

एजेंसियां

प्रयागराज। आस्था के समागम महाकुंभ में आखिरी दिन 1.53 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया। 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में अब तक 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। ये आंकड़ा अमेरिका की आबादी से दुगना है, जो अपने-आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इसके अलावा इस महाकुंभ में ऐसे कई महारिकॉर्ड बने हैं।

ऐसा पहली बार हुआ है कि 66 करोड़ से ज्यादा लोगों ने संगम में स्नान किया है। दुनिया भर से लोग संगम में डुबकी लगाने पहुंचे हैं, इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन की ओर से भी जोरदार व्यवस्थाएं की गईं थी। आइए आपको महाकुंभ के महारिकॉर्ड के बारे में बताते हैं।

आखिरी दिन 1.53 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया स्नान : उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, बुधवार को अंतिम दिन रात 8 बजे तक 1.53 करोड़ लोगों ने पवित्र डुबकी लगाई। सरकार ने कहा कि 13 जनवरी से अब तक 66.13 करोड़ लोग प्रयागराज आ चुके हैं, यह संख्या चीन और भारत को छोड़कर सभी देशों की आबादी से ज़्यादा है। महाकुंभ शुरू होने से पहले यूपी सरकार ने कुंभ में 40-45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया था।

शेष पेज 08 पर

सुखोई लड़ाकू विमानों ने दिखाए करतब

इस विशाल धार्मिक आयोजन के अंतिम दिन जहां तीर्थयात्रियों ने पवित्र स्नान किया, तो वहीं सुखोई लड़ाकू विमानों, एएन-32 परिवहन विमान और भारतीय वायु सेना के चेतक हेलीकॉप्टरों ने आसमान में रोमांचक हवाई करतब दिखाए, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

आम से लेकर खास लोगों ने लगाई डुबकी

महाकुंभ में दुनिया के दिग्गजों, आम से लेकर खास लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। कुंभ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक, नेपाल के पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा समेत कई विदेशी मेहमानों, यूपी के सीएम ने अपनी पूरी कैबिनेट के साथ स्नान किया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रियों समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी संगम में डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। वहीं, अब तक महाकुंभ में 400 से ज्यादा वीआईपी प्रोटोकॉल जारी किए गए थे।

सूडान में दुर्घटना का शिकार हुआ सैन्य विमान, 49 की मौत

नई दिल्ली। सूडान का एक सैन्य विमान ओमदुरमान शहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई। सैन्य और स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को एक संक्षिप्त बयान में बताया कि एंटोनोव विमान मंगलवार को ओमदुरमान के उत्तर में वादी सईदना एयरबेस से उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ओमदुरमान राजधानी खार्तूम की सिस्टर सिटी है।

शेष पेज 08 पर

धूमधाम से मनी महाशिवरात्रि

शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कठिन राह से गुजर कर श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

सिल्ली। महाशिवरात्रि पर बुधवार को सिल्ली के कोचों गांव स्थित कोचों पहाड़ पर स्थित शिव मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। मंदिर पर जाने के लिए सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा।

डेढ़ हजार फीट पहाड़ के ऊपर शिव मंदिर पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को उबड़ खाबड़ पत्थर एवं खड़ी चट्टान से होकर जाना पड़ता है। जाने का राह कठिन है इसके बावजूद हजारों की संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक व दर्शन पूजन किया। श्रद्धालुओं के सुरक्षा एवं सहयोग के लिए कोंचो पहाड़ पूजा समिति द्वारा मंदिर के रास्ते पहाड़ पर दर्जनों सदस्यों को तैनाती किया गया। समिति द्वारा दी जानकारी के अनुसार लगभग दस हजार श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। पहाड़ के तलहटी पर मेला एवं विशेष शिविर भी लगाया गया जहां भंडारा, पेयजल, चिकित्सा शिविर भी लगाया गया था। वहीं भजन कीर्तन का आयोजन किया गया जहां कलाकारों ने भजन प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया महोत्सव के सफल आयोजन में त्रिलोचन प्रसाद महतो, मोतीलाल महतो, बबलु कुमार महतो, रास रंजन महतो, संजीव महतो, ब्रजेश महतो, जनक लाल महतो , रमण रंजन महतो, राजकुमार महतो, उत्तम महतो, भुपेश महतो, विनोद महतो , सोमनाथ महतो, रमेश महतो, अशोक महतो, महावीर महतो समिति के सदस्य एवं ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

प्रातःनागपुरी टीम

रामगढ़। रामगढ़ जिले में महाशिवरात्रि का त्योहार बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर शिवालियों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुबह से ही शिवालयों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु कतार में लग रहे। शहर में विभिन्न स्थानों पर महाकाल की तस्वीर और प्रतिमा स्थापित कर उनकी पूजा अर्चना की गई। वहीं झंडा चौक एलआईसी ऑफिस के पास महाकाल की प्रतिमा लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। जबकि चट्टी बाजार में भगवान शंकर की प्रतिमा ने लोगों का मन मोह लिया। साथ ही नेहरू रोड शिवालय मंदिर में जलाभिषेक के लिए पूरे दिन श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कैथा प्राचीन शिवालय मंदिर में भी हजारों श्रद्धालु पहुंचे। यहां महाशिवरात्रि के मौके पर मेले का भी आयोजन हुआ। महाशिवरात्रि के मौके पर विभिन्न स्थानों पर नृत्य और संगीत का भी आयोजन किया गया। दिन में ही पूजा स्थल के पास कलाकारों ने भगवान शिव पर आधारित गीतों को बड़े आकर्षक तरीके से पेश किया। इस मौके पर आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

राहे-गोमदा में निकाली गयी शिव बारात की झांकी

राहे। महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा गया। सुबह से लेकर देर रात तक सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही ।इस अवसर पर गोमदा शिव पूजा समिति के द्वारा शिव बारात की आकर्षक झांकी निकाली गई। झांकी गोमदा मंदिर से निकलकर मुख्य मार्ग होते हुए सोलह आना शिव मंदिर तक गयी। राहे शिव मंदिर परिसर में शिव पार्वती विवाह प्रस्तुति किया गया। विवाह प्रस्तुति संपन्न होने के बाद झांकी गोमदा तक वापस आयी। शिव बारात की झांकी को देखने के लिए लोगों की काफी भीड़ जमा हुई । वृहत आयोजन को लेकर गोमदा पूजा समिति के सदस्यों के महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मंदिरों में पूजा करने के लिए श्रद्धालुओं का लगा तांता

601 भक्तों ने मुरी स्वर्णरेखा नदी से कलश में जल उठा कर शिवलिंग पर किया जलाभिषेक

सिल्ली। महाशिवरात्रि का पर्व सिल्ली मुरी समेत प्रखंड के सभी शिवालयों में बुधवार को हर्षोल्लास से मनाया गया। मौके पर इलाके के सभी शिवालयों को भव्य तरीके से सजाया गया। सबेरे से ही मंदिरों में पूजा करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सभी मंदिरों में वैदिक मंत्रोचार के साथ विधिवत भगवान शिव की पूजा अर्चना की गई। शिवरात्रि के मौके पर व्रतियों ने उपवास भी रखे। सिल्ली बाजार स्थित शिव मंदिर, सिल्लीडीह, देलबेड़ा, सिल्ली राजबाड़ी, थाना परिसर, प्रखंड परिसर, मुरी टुंगरी, आरपीएफ डेरेक परीसर, बंता, कोंचो पहाड़, पतराहातु, लोटा,किता सहित कई शिवालयों में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। वहीं 601 भक्तों ने मुरी स्वर्णरेखा नदी से कलश में जल उठा कर सिल्ली बाजार स्थित शिव मन्दिर के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। पूरा इलाका बोल बम, हर हर महादेव के नारों से गुंजायमान रहा। शिवालयों में भजन संध्या, जागरण भजन समेत भक्ति कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा वातावरण

पिठोरिया। रांची जिले के पिठोरिया एवं इसके आसपास के गांवों में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भक्तों ने भगवान शिव की आराधना की। मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की।

क्षेत्र के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। विशेष पूजा-अर्चना और रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। भक्ति में लीन श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, दूध, दही, शहद और गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया। कई जगहों पर भंडारे और कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शैव भक्त उपस्थित रहे। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस मौके पर शिव बारात का विशेष का भ्रमण पूरे पिठोरिया गांव में हुई। श्रद्धालुओं भक्तों के द्वारा व्रत रखकर रात्रि जागरण करते हुए शिव की उपासना की गई। इस अवसर पर शिवभक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक माहौल बना रहा।

शिव रात्रि मेला का आयोजन

इटकी। इटकी और आसपास के इलाकों के शिवालयों में भक्ति और अस्था की भीड उमड़ पड़ी। जलाभिषेक और पूजा अर्चना के लिए प्रातः से शिव भक्तों का शिवालय में पहुंचना शुरू हो गया था। देखते ही देखते इटकी के मुख्य शिव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में भक्तों की भीड़ लग गई। पूजा के लिए श्रदालुओं का दिनभर तांता लगा रहा। भक्तों के हर हर महादेव के जयकारा से क्षेत्र गुंजमय रहा ।इधर रुद्र महाकाल मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भक्तों ने रुद्रा अभिषेक पूजा की इसके बाद रात आठ बजे आकर्षक झांकी के साथ शिव बारात निकाली। बारात में भूत पिचास अन्य तरह के रूप धारण किये बच्चे ढोल नगाड़ा के थाप पर नृत्य कर रहे थे। शिव बारात बनिया टोली होते महाबीर मंदिर पहुंचा। जहां शिव और माता पार्वती की जयमाला कार्यक्रम संम्पन्न कराया गया। इसके बाद शिव बारात पुनः शिव मंदिर वापस लौटा। पूजा अर्चना के बाद महा आरती और प्रसाद वितरण भंडरा का आयोजन किया गया। इधर हरही गंगा जल मंदिर में 24 घण्टे की अखण्ड हरिकृतन और शिव रात्रि मेला का आयोजन किया गया। मेला में हजारों लोगों ने भाग लिया। इधर मोरो, मकुन्दा, नारी, दरहाटांड़, कुन्दी, बारीडीह, पलमा, सौका, तिलकसुती इटकी सहित दर्जणों शिवालयों हजारों की संख्या में भक्तो ने जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की।

मन्नत पूरी होने पर दी गई बकरे की बलि

सोनाहातू/राहे। प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम से महाशिवरात्रि पर्व को मनाया गया। सभी शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर शिवलिंग पर जलाभिषेक किये। राहे प्रखंड के प्रसिद्ध शिवटँगरा शिव मंदिर, विसना बाबा मंदिर, सोलह आना समिति मंदिर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। सबसे अधिक भीड़ शिवटँगरा मन्दिर पुरानानगर-महेशपुर में रही। श्रद्धालुओं ने यहां मन्नत पूरी होने पर बकरे का बलि दिया। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी मन्नत जरूर पूरी होती है। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालू बकरे की बलि देते है। मेला में कई सामाजिक कार्यकर्ताओ द्वारा भक्तों के लिए चना का वितरण किया गया। रात में बंगाल के प्रसिद्ध छऊ नृत्य मंडली द्वारा नृत्य किया गया। आयोजन को लेकर मंदिर समिति के सभी सदस्य सक्रिय रहे। समाजसेवी के द्वारा श्रद्धालुओं के लिये सेड, शर्बत, चना, गुड़ आदि की व्यवस्था किया गया था। इधर सोनाहातू प्रखंड के काला महादेव सोनाहातू, नीलकंठ धाम जामुदाग, शिव मंदिर हारिन, त्रिवेणी संगम शिव मंदिर महातीर्थ सतीघाट, शिव मंदिर पातरीपीड़ी बिरडीडीह, महादेव बेड़ा पण्डाडीह,गेडिया महादेव बाबा मारांगकिरी, शिव मंदिर बारेंदा, शिव मंदिर उलीडीह, शिव मंदिर दुलमी आदि जगहों पर लोगो की काफी भीड़ रही।

झड़प मामले के दो आरोपियों ने किया सरेंडर

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत सोसोकला गांव में सरस्वती पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान दो गुटो में हुई झड़प मामले में बुधवार को दो आरोपितों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

इसे लेकर गोला थाने में कांड संख्या 17/ 25 दर्ज किया गया था। मामले में एसपी अजय कुमार ने बताया कि सरेंडर करने वाले आरोपितों में सोसोकला गांव के ही समशुल हक उर्फ समसुल अंसारी और शमीम खान शामिल हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने इस मामले में कार्रवाई करने की मांग को लेकर 27 फरवरी से अनिश्चितकालीन धरना पर बैठने की बात कही थी। पार्टी नेताओं के ऐलान के बाद रामगढ़ पुलिस ने 26 फरवरी को ही आरोपितों की ओर से सरेंडर करने की बात कही थी। उल्लेखनीय है कि सोसोकला गांव में सरस्वती पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान एक समुदाय विशेष ने पथराव किया था और चार फरवरी को जुलूस में शामिल लोगों के साथ मारपीट भी की गयी थी।

युवती ने केरल हाईकोर्ट से सुरक्षा की लगाई गुहार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। दूसरे समुदाय के लड़के के साथ रामगढ़ से केरला गई 26 वषीर्या युवती ने केरल हाई कोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। उसने केरला हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपनी सुरक्षा की मांग की है। केरल से वापस लाने गई रामगढ़ पुलिस के साथ उसने आने से इनकार कर दिया।

इस तथ्य को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बुधवार को उन्होंने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि जिस युवती को लाने के लिए रजरप्पा थाना क्षेत्र में बवाल मचाया जा रहा है, वह लड़की यहां आना ही नहीं चाहती है। लिखित रूप से पीड़िता के द्वारा स्वयं उच्च न्यायालय, केरल में अपने बालिग होने एवं अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर एक याचिका दायर की गयी है। इस याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होने वाली है। फिलहाल लड़की को स्थानीय पुलिस के द्वारा सुरक्षा प्रदान करते हुए उसे आश्रय गृह में रखा गया है। एसपी ने बताया कि युवती के भाई ने 22 फरवरी को रजरप्पा थाने में बहन के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस प्राथमिकी में मो गालिब उर्फ राजा और उसके अन्य सहयोगियों को आरारेपित बनाया गया था। कांड सं०-38/ 2025 की पीड़िता की बरामदगी के लिए दो पुलिस पदाधिकारियों को राज्य से बाहर केरला के अलाप्पुझा जिले के कायकुलम थाना भेजा गया है। एसपी के द्वारा अलाप्पुझा जिले के एसपी से दूरभाष के माध्यम से वार्ता कर पीड़िता की बरामदगी के लिए आवश्यक पत्राचार किया गया। तत्पश्चात वहां की स्थानीय पुलिस के सहयोग से पीड़िता को थाना लाया गया है। जहां सारी स्थिति स्पष्ट हुई।

पुलिस रिमांड में विकास तिवारी ने खोले संगठन के राज

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। पांडे गिरोह के मुख्य सरगना विकास तिवारी के 48 घंटे का रिमांड पूरा हो गया है। उसे एक बार फिर हजारीबाग जेल भेज दिया गया है। लेकिन दो दिनों तक चली पूछताछ में उसने कई खुलासे किए हैं।

सबसे बड़ी बात उसने यह कही है कि निशि पांडे शुद्ध रूप से राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय है। उन्हें गिरोह से कोई सरोकार नहीं है। यहां तक कि उनके पास कोई भी गलत तरीके से आमदनी नहीं पहुंचती है। विकास तिवारी ने निशांत सिंह की भूमिका पर भी पुलिस को अपना बयान दिया है। उसने अपनी तरफ से उन दोनों को क्लीन चीट देने की कोशिश की है। पूछताछ के दौरान विकास तिवारी के बयान को कलमबद्ध किया जा रहा था। लेकिन उसने किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। यह जानकारी बुधवार को पुलिस सूत्रों ने दी है। पांडे गिरोह के मुख्य सरगना विकास तिवारी से रिमांड के दौरान स्पेशल ब्रांच, एटीएस और रामगढ़ पुलिस के द्वारा पूछताछ की गई। इस दौरान उसने गिरोह से जुड़े कई राज खोले हैं। उसने उन लोगों के नाम बताएं हैं, जो उनके संगठन के लिए काम करते हैं। कौन व्यक्ति रामगढ़ शहर में है। कौन पतरातू में और कौन किस इलाके में काम कर रहा है। सारी जानकारी उसने दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विकास तिवारी ने पूछताछ में बताया कि पतरातू प्रखंड के बहुत से पत्रकार मेरे संपर्क में है। जिसके बाद पुलिस मामले को गंभीरता से लिया है। पुलिस पत्रकार और गिरोह के सांठगांठ के भूमिका की जांच कर सकती है। जिसमें कई वरिष्ठ पत्रकार जांच के दायरे में आ सकते हैं। सूत्र बताते है कि विकास तिवारी ने यह बताया कि जेल के अंदर से ही पूरे गिरोह की कमान उसने संभाल रखी है। रामगढ़ जेल में बंद गोविंद राय और ओमप्रकाश को उसने अपना आदमी बताया है। विकास तिवारी ने यह भी कहा है की जेल के बाहर उसके संगठन का संचालन कौन कर रहा है।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साइकिल यात्री दल पहुंचे सिल्ली

हर दिन 80 किमी साइकिल चलाकर लोगों को कर रहे जागरुक

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। प्लास्टिक व कार्बन उत्सर्जन मुक्त पर्यावरण को लेकर जागरुकता के उद्देश्य से साइकिल यात्रा कर रहे एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की एक दल गुरुवार को सिल्ली पहुंचे।

जहां दल के सदस्यों ने लोगों से मुलाकात की। लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ा रहे इस दल के सभी सदस्यों से हाथ मिलाकर उनकी हौसला अफजाई की। मीडिया से बातचीत के दौरान टीम लीडर अभीक दे एवं पवन कुमार मीणा ने बताया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के निर्देशन में यह 16 सदस्यीय दल साइकिल यात्रा ऱराइड ग्रीन ब्रीद क्लिनरऱ मिशन के तहत चलाई जा रही है। 17 फरवरी को कलकत्ता एयरपोर्ट से इस यात्रा का प्रारंभ हुआ और 22 फरवरी को दुगार्पुर होते हुए 26 फरवरी को उनका यह साइकिल दल सिल्ली पहुंचा। कलकत्ता से ये दल रांची, देवघर होते 1260 किमी रस्ते का साइकिल से यात्रा करते हुए 8 मार्च को बागडोगरा पहुंच कर यात्रा समापन करेंगे। इस दौरान ये लोग प्रतिदिन 60 से 80 किलोमीटर साइकिल चला रहे हैं। बीच बीच में सड़क किनारे मिलने वाले स्कूलों में बच्चों को, स्थानीय लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते जा रहे हैं। प्लास्टिक व कार्बन उत्सर्जनमुक्त ग्रीन क्लीन वातावरण बनाने को लेकर संदेश दे रहे हैं। इस दल में भारत के विभिन्न एयरपोर्ट के अधिकारी व कर्मचारी इस पर्यावरण संरक्षण संदेश देने वाली साइकिल यात्रा में प्रतिभागी हैं। इन दल में अभीक दे, सागर आहुजा, शुकृती बंसल, तारक हेला, प्रदीप कुमार , निरज, भुपती, अजमल खान, गुंडा शरण, बसंत कुमार पान, सगीर आलम, गौरव कुमार, सुमन नाथ, पवन कुमार मिना, एस सी चौहान, रुपेंद्र धोंधीभाव देवकर आदि साइकलिस्ट शामिल हैं।

भोलेनाथ की निकली बारात, झांकी देख भक्त हुए निहाल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर की ओर से बुधवार को भव्य शिव बारात निकाली गई। शिव बारात, पहाड़ी मंदिर से निकाल कर पिस्का मोड़ स्थित विश्वनाथ मंदिर में शिव-पार्वती का शुभ विवाह के साथ संपन्न हुआ। पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर बने मंच से महासमिति के मुख्य संरक्षक सुबोधकांत सहाय, विधायक सीपी सिंह, संरक्षक कुणाल अजमानी, कुमार राजा, और अध्यक्ष राजेश ने संयुक्त रूप से शिव-पार्वती के जीवंत स्वरूप की आरती उतारी।

इस अवसर पर भगवान भोलेनाथ अपने भूत प्रेतों के साथ नजर आए जिनकी दिव्य की झांकी देख भक्त निहाल हुए। भगवान भोलेनाथ का परछन 51 महिला श्रद्धालुओं ने किया और आरती उतारी।

इस मौके पर भोलेनाथ के साथ सभी देवी देवता जैसे राम- लक्ष्मण सीता, राधे-कृष्ण, अयोध्या के राम, मां दुर्गा की सवारी महिषासुर मर्दनी के स्वरूप भी साथ चल रहे थे। वहीं भोलेनाथ के सहयोगी भूत प्रेतों की टोली अपने स्वामी के बारात जाने की खुशी में नाच रहे थे।

बारात निकलने के बाद भोलेनाथ का विवाह शनि मंदिर अपर बाजार, फिरायालाल चौक से शहीद चौक, गांधी चौक, महावीर चौक और रातू रोड होते हुए पिस्का मोड़ विश्वनाथ मंदिर में सनातनी विधि से हुआ। वहीं कई राज्यों से पहुंचे कलाकारों की प्रस्तुती ने सबका मन मोह लिया।

बारात में मुख्य संरक्षक सुबोधकांत सहाय, विधायक सीपी सिंह, संरक्षक कुणाल अजमानी, कुमार राजा, रंजन कुमार, सुमित सिंह, अध्यक्ष राजेश साहू, राजकुमार तलेजा, दीपक नंन्दा, बादल सिंह, गगन कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व

रांची । ब्रह्माकुमारीज पाठशाला झारो चट्टी द्वारा महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में भारी संख्या में बीके भाई बहनों ने भाग लिया। शोभा यात्रा में चल रहे बीके भाई बहनों के हाथ में सुविचार लिखे स्लोगन के बैनर एवं शिव ध्वज थे। इसके पूर्व भ्राता अवधेशनाथ तिवारी, भ्राता अंगद कुमार साहू, सेवाकेन्द्र संचालिका बी.के.सीमा बहन ने शिव ध्वज दिखाकर शोभा यात्रा का शुभारंभ करवाया। सभी भाई बहनों ने मिलकर शिव ध्वज भी फहराया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ने बहन सीमा ने कहा कि कलयुग के अंतिम चरण में जब मनुष्य धर्म भ्रष्ट और कर्म भ्रष्ट होकर तुच्छ बुद्धि बन जाता है। तब परमात्मा शिव संसार के कल्याण हेतु सभी मनुष्यों को दुःख-दर्द, अशान्ति एवं विकारों के चुंगल से छुड़ा कर ज्ञान की ज्योति और पवित्रता की किरण बिखेर कर सुख- शान्ति, आनन्द, संपन्नता, मनुष्य में देवताई गुणों की पुनः स्थापना करते हैं। परमात्मा शिव के दिव्य और अलौकिक जन्म की पुनीत स्मृति में ही शिवरात्रि अर्थात शिव जयंती का त्यौहार मनाया जाता है। उन्होंने शिव और शंकर में अंतर बताते हुए कहा कि शिव परमात्मा निराकार ज्योति स्वरूप है। जबकि शंकर सूक्ष्म देवधारी हैं। शिव का अर्थ कल्याणकारी है, जबकि शंकर को विनाशकारी दिखाते हैं।

घायल राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी से मिले हेमंत और कल्पना

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन 26 फरवरी को रांची के एचबी रोड स्थित ऑर्किड अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने सड़क दुर्घटना में घायल राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी से मुलाकात की। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मौके पर मुख्यमंत्री ने ऑर्किड अस्पताल के चिकित्सकों से वहां इलाजरत राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी के चिकित्सा और स्वास्थ्य सुधार से संबंधित जानकारी ली। मालूम हो कि राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी एवं उनके परिजन महाकुंभ स्नान कर वापस रांची लौट रहे थे। बुधवार के अहले सुबह लातेहार जिला स्थित होटवाग गांव के समीप पहुंचते ही उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में डॉ महुआ माजी एवं उनके परिजन घायल हो गए थे।

केंद्रीय संचार ब्यूरो ने पीआईबी के साथ मिलकर किया जागरुकता कार्यक्रम

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय अंतर्गत केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत कार्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया। इसके सम्पन्न होने पर पीआईबी के साथ संयुक्त रूप से मंगलवार को जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती कृतिका तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुई।

जागरुकता कार्यक्रम का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि एवं सीबीसी रांची के कार्यालय प्रमुख शाहिद रहमान और क्षेत्र प्रचार अधिकारी ओंकार नाथ पांडेय ने किया। इसके बाद विशिष्ट अतिथि श्रीमती कृतिका तिवारी को शाल एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

मौके पर श्रीमती कृतिका तिवारी ने कहा कि सफाई की शुरूआत सबसे पहले हमें अपने मन से करनी चाहिए। इसके बाद अपने घर से फिर अपने कार्य स्थल और समाज एवं देश के प्रति सफाई के प्रति नागरिक फर्ज को निभाना चाहिए। उन्होंने शहर में सूखे एवं गीले कचरे का अभी भी आम नागरिकों द्वारा अलग नहीं किए जाने से होने वाली परेशानियों से अवगत कराया।

इससे पूर्व विषय प्रवेश कराते हुए शाहिद रहमान ने स्वच्छता ही सेवा पर आयोजित होने वाले इस जागरुकता कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विभाग द्वारा पिछले दिनों में चलाए गए स्वच्छता अभियानों की की चर्चा की। इस अवसर पर जिन कर्मचारियों ने विशेष योगदान किया, उन्हें सम्मानित करने की विशेष पहल से भी उन्होंने सभी को रूबरू किया।

स्वागत भाषण में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी से ओंकार नाथ पांडेय ने स्वच्छता के प्रति हमारे राष्ट्रपिता श्री महात्मा गांधी के विचार को सभी के समक्ष रखा। पीआईबी एवं सीबीसी द्वारा आयोजित इस जागरूकता अभियान के लक्ष्य एवं सार्थकता के बारे में उपस्थित कर्मियों एवं अधिकारियों को जानकारी दी।

इस अवसर पर एक क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें स्वच्छता से जुड़े प्रश्नों को कर्मचारियों से पूछा गया। सही उत्तर देने वाले को डस्टबिन देकर स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए सम्मानित किया गया। साथ ही आज के कार्यक्रम में शामिल सभी कर्मियों को प्रोत्साहन स्वरूप वाटर बोतल दिया गया।

मुख्य अतिथि के संबोधन के उपरांत सभी ने स्वच्छता की शपथ ली। हर वर्ष 100 घंटे श्रमदान करने का प्रण किया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में विशिष्ट अतिथि एवं अधिकारियों द्वारा झाड़ू के साथ सफाई अभियान भी चलाया गया।

संक्षिप्त

नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की अध्यक्ष विनिता सिंघानिया के नेतृत्व में निशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने सहयोग किया। शिविर में मौजूद दिव्यांगों के बीच कृत्रिम अंग हाथ - पैर, एक ट्राइसाइकिल, चार व्हीलचेयर, तीन बैसाखी, छह कैलिपर, दो ईयर मशीन का वितरण किया गया। साथ ही लोगों के बीच भोजन का भी वितरण किया गया। कृत्रिम अंग पाकर दिव्यांग लोग काफी खुश नजर आ रहे थे। उन्होंने समर्पण शाखा द्वारा आयोजित इस शिविर की प्रशंसा की और उनके प्रति आभार प्रकट किया।

रक्षा राज्य मंत्री ने रांची की जनता को दी एक और सौगात

- ❑ राज्यपाल संतोष गंगवार ने नमो ई-लाइब्रेरी का किया लोकार्पण
- ❑ दुनिया की सभी पुस्तकों का ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन उपलब्ध होगा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल नमो ई लाइब्रेरी सह साइबर कम्युनिटी सेंटर शुरू किया गया है। इसका लोकार्पण 26 फरवरी को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया। पीएम नरेंद्र मोदी के रिसर्च और इनोवेशन के मंत्र का प्रमुख माध्यम यह केंद्र बनेगा, जहां शोध से जुड़े लोग लाभान्वित होंगे।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि संजय सेठ द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में की जा रही पहल सराहनीय है। यह केंद्र युवाओं शोधार्थियों के लिए बहुत सहयोगी साबित होगा। समाज के अधिक से अधिक युवा, शोधार्थी और महिलाएं इस केंद्र का लाभ उठाएंगे।

रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूर्ण करने में टेक्नोलॉजी का महत्वपूर्ण योगदान होगा। इसी सोच के तहत यह सेंटर काम करेगा। राजनीति समाज सेवा का बड़ा माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में सदैव मार्गदर्शन देते हैं। उन्हीं की प्रेरणा से पहले बुक बैंक, फिर टॉय बैंक और अब नमो ई लाइब्रेरी का शुभारंभ कर रांची की जनता को समर्पित कर रहा हूं। विकसित भारत में तकनीकी रूप से हमारे युवा, हमारी महिलाएं सशक्त योगदान दे सकें, इस उद्देश्य से भी नमो ई-लाइब्रेरी स्थापित की गई है।

श्री सेठ ने कहा कि साइबर पीस फाउंडेशन ने इसकी स्थापना और संचालन के लिए सकारात्मक योगदान दिया है। तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ साइबर शिक्षा के क्षेत्र में भी लोग स्किल्ड हों, रोजगार के अवसर सृजित हों, इस उद्देश्य से भी इस लाइब्रेरी का योगदान महत्वपूर्ण होगा। झारखंड में पहली बार शुरू हुई यह लाइब्रेरी हर वर्ग को समर्पित रहेगी। रांची में रह रहे झारखंड और देशभर के विद्यार्थी और युवा इससे लाभान्वित होंगे।

इस अवसर पर रांची के विधायक सीपी सिंह, हटिया के विधायक नवीन जायसवाल, साइबर पीस फाउंडेशन के प्रमुख मेजर विनीत, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, भाजपा रांची जिला अध्यक्ष वरुण साहू, भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष धीरज महतो सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ई-लाइब्रेरी की विशेषताएं

यहां पर पुस्तक, ऑडियो बुक, रिसर्च पेपर, एजुकेशनल पत्रिकाएं और जर्नल उपलब्ध होंगी। दुनिया की सभी पुस्तकों को ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन उपलब्ध होगा। इस लाइब्रेरी में साइबर स्किल और साइबर सुरक्षा से जुड़े कई कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिसमें इंडिया एआई मिशन, नेशनल क्वांटम मिशन, ड्रोन दीदी जैसे कार्यक्रम शामिल रहेंगे। महीने में एक बार परिचर्चा सत्र होगा, जहां विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण और जानकारी दी जाएगी।

बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में महाशिवरात्रि के अवसर पर निकाली गई भव्य शिवबारात

बासुकीनाथधाम में धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि का पावन पर्व

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

दुमका। महाशिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर बुधवार को अहले सुबह मंदिर का पट खुलते ही बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। शिव भक्त श्रद्धालु कतारबद्ध होकर जलार्पण के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। संपूर्ण मंदिर परिसर खचाखच श्रद्धालुओं से अटा पड़ा था। बोल बम और हर हर महादेव के नारे की गूंज सर्वत्र सुनाई दे रही थी।

भक्तों के मुख से निकले जयकारे से श्रद्धालुओं की उत्साह देखते ही बनती थी। दिनभर भक्ति की सरिता में आस्था की डुबकी लगाने का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालु अपने अभीष्ट इच्छा की पूर्ति के लिए पंडा पुरोहितों संग धार्मिक अनुष्ठान करते देखे गये। दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए मंदिर कार्यालय के समीप शीघ्र दर्शनम कूपन श्रद्धालुओं को बेचे जा रहे थे।

वहीं महाशिवरात्रि महोत्सव को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए आकर्षक तरीके से मंदिर को दुल्हन की भांति सजाया गया था। रंग बिरंगी रोशनियों से पूरा मंदिर परिसर नहाया हुआ था। देवनगरी की पवित्रता बनाए रखने के लिए स्वच्छता पर विशेष नजर रखी गई थी।

मंदिर में श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक जलार्पण कराने के लिए भारी संख्या में पुरुष और महिला पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात नजर आए। चोर उचक्कों और असामाजिक तत्वों पर सीसीटीवी कैमरा की मदद से नजर रखी जा रही थी। इस दौरान किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए डॉक्टर और एंबुलेंस के साथ फायर ब्रिगेड को मुस्तैद रखा गया था। तीर्थ नगरी की विधि व्यवस्था बहाल रखने के लिए जगह-जगह पुलिस बल के साथ दंडाधिकारी की तैनाती की गई थी। शाम को गाजे बाजे के बीच शिव बारात की आकर्षक झांकी निकाली गई। इसमें अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल थे। इस प्रकार डीसी ए दोड्डे के नेतृत्व में जिला प्रशासन महाशिवरात्रि महोत्सव को सफल बनाने की कवायद में जुटी रही।

महाशिवरात्रि पर उमड़ी भक्तों की भीड़, भंडारा का आयोजन

लोहरदगा । लोहरदगा जिला मे महाशिवरात्रि के मौके पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ विभिन्न शिवालयों में उमड़ी। महाशिवरात्रि के मौके पर बाबा भोलेनाथ के मंदिर और गर्भगृह का विशेष श्रृंगार किया गया है ।भंडरा के अखिलेश्वर धाम,लोहरदगा का खखपरता का प्राचीन शिवमंदिर सहित अन्य मंदिरों में भारी संख्या में लोगों की भीड़ देखी जा रही है। श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसे लेकर विशेष प्रबंध किए गए हैं। महिला पुरुष युवा बुजुर्ग सभी पंक्तिबद्ध होकर बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं। महाशिवरात्रि के मौके पर शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी बडी संख्या में लोगों की ओर से भगवान भोलेनाथ एवं माता पावती की पूजा अर्चना की जाती है। कई जगह अखंड कीर्तन मंडली की ओर से कीर्तन प्रारंभ कर दिया गया है। पूरा ईलाका भक्तिमय गीतों से गुंजायमान है। आस्था और भक्ति से सराबोर भक्त भगवान शिव और पार्वती के दर पर पहुंचकर अपनी मनोकामनाएं अर्पित कर रहे हैं। भक्तगण उत्साहपूर्व पूरी श्रद्धाभाव से बाबा का प्रसाद लेकर जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के भी इंतजाम किए गए हैं ।जगह जगह भंडारे का भी आयोजन किया गया है।

सतबरवा प्रखंड में धूमधाम से मनाई गई महाशिवरात्रि

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। जिले के सतबरवा प्रखंड के लगभग छह जगहों पर महाशिवरात्रि के मौके पर मंदिरों में भगवान शिव की आराधना करने के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। इस दौरान दो जगह पर मेला दुगोला का आयोजन किया गया। बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान भोले की बारात सतबरवा के बांके बिहारी मंदिर बस स्टैंड से निकाली गई।

धजवा पहाड़ पर मेला और दुगोला का उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश प्रसाद ने किया। साथ में जिला पार्षद सुधा कुमारी, विधायक प्रतिनिधि अजय उरांव, आशीष सिन्हा मुख्य रूप से मौजूद थे। संचालन मनोज कुमार भुइयां ने किया।

धजवा पहाड़ के दुगोला कार्यक्रम के दौरान सुनील छैला के गीतों पर श्रोताओं ने जमकर ठुमके लगाये। वहीं दूसरी और प्रखंड के बोहिता गांव के चमरूआ पहाड़ पर मेला-दुगोला के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता सह मुखिया प्रतिनिधि लाल बिहारी प्रसाद समेत कई गणमान्य शामिल हुए।

मौके पर अवधेश सिंह चेरो ने बताया कि बोहिता की ओर व्यास धीरज चालबाज एवं राजहारा की तरफ से राजेश रोशन के बीच दुगोला का शानदार मुकाबला हुआ। इस दौरान हजारों की संख्या में महिला पुरुष तथा संगीत प्रेमी दर्शक मौजूद थे।

वही पहाड़ पर स्थित चमरूआ शिव मंदिर में कई महिलाओं ने पूजा अर्चना करके मनोवांछित फल के लिए प्रार्थना की। दूसरी और बांके बिहारी मंदिर से निकाली गई शिव बारात शहर का भ्रमण करते हुए महावीर चौक स्थित शिव मंदिर पहुंची। वहां पर गाजे-बाजे तथा विभिन्न भगवान का रूप धारण किए हुए बारातियों का शानदार स्वागत किया गया। भंडारे का प्रसाद बारातियों के साथ कई लोगों में वितरण किया गया।

संक्षिप्त

पेड़ से टकरायी बाइक, 01 की मौत, 01 घायल

बिशुनपुर : गुरदरी थाना क्षेत्र के टुटवा मोड़ के समीप अनियंत्रित होकर बुलेट मोटरसाइकिल सखुआ का पेड़ से जा टकराया जिससे बुलेट चालक चैनपुर निवासी समीर बड़ा 30 वर्ष की मौत हो गई जबकि सवार चोटोगं पाठ निवासी बिपीन असुर 28 वर्ष का दाहिना पैर टूट गया बताया जाता है कि समीर बड़ा पिछले कुछ सालों से घाघरा में घर बना कर रह रहा था अचानक अपने दोस्त विपिन असुर का गांव जाने के लिए वे लोग बुधवार को निकले और टूटा मोड़ के समीप बुलेट से चालक नियंत्रण खो बैठा और बुलेट सड़क किनारे सखुआ का पेड़ से जा टकराया।

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल, स्थिति गम्भीर

मेदिनीनगर : पड़वा थाना क्षेत्र के कजरी गांव में सड़क दुर्घटना में बुधवार की दोपहर बनखेता गांव निवासी अजय कुमार के पुत्र रोशन कुमार उम्र 24 वर्ष और बासु गांव के प्रमोद मेहता के पुत्र राजू कुमार उम्र 22 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा उन्हें इलाज के लिए मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया ।जहां इलाज के बाद भी चिकित्सको ने दोनों युवकों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया ।वही जानकारी मिलने पर दोनों घायलों के परिजन अस्पताल पहुंचकर घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स लेकर गए।

बाल श्रमिक को नियोजित करने वाले पर करें कार्रवाई : डीसी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

मेदिनीनगर : पलामू उपायुक्त शशि रंजन आज अपने कार्यालय वेश्म में श्रम विभाग द्वारा बाल श्रम उन्मुलन एवं पुर्नवास हेतू जिला स्तरीय गठित टास्क फोर्स की बैठक की। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि जो नियोजक अपने प्रतिष्ठान में 14 वर्ष के कम उम्र के बाल श्रमिक को नियोजित करते है, उनके विरूद्ध बाल एवं अल्प व्यस्क श्रमिक (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए 20,000-20,000 रुपए प्रति बाल श्रमिक जुमार्ना के रूप वसूली किया जाय।

वहीं विमुक्त बाल श्रमिक की ट्रैकिंग तथा पुर्नवासन के लिये मानक कार्य पद्धति के अनुसार कार्य कये जाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी को विमूक्त बाल श्रमिकों को कस्तुरबा गॉधी बालिका आवासीय विघालय एवं अनुसूचित जाति एवं जनजातीय आवासीय विद्यालयों में नामांकन करवाया जाय एवं उनके माता-पिता को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जोड़ा जाय। उन्होंने समय-समय पर जिले में बाल श्रमिक के उन्मूलन हेतू गठित धावा दल द्वारा छापेमारी अभियान चलाने का सख्त निदेश दिया।श्रम अधीक्षक एतवारी महतो द्वारा बताया गया कि अल्पव्यस्क बाल श्रमिक (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अन्तर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बालक से काम लेना कानूनी अपराध है।

महावीर मंदिर कानी बाजार की 17वीं वार्षिक वर्षगांठ धूमधाम से मनी

हजारीबाग। हर साल के भांति इस साल भी बुधवार को हनुमान मंदिर कानी बाजार का वार्षिक वर्षगांठ धूमधाम से मनाया गया। सुबह में पूजा, हवन और दिन में धूमधाम से भंडारा का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों महिला, पुरुष और धर्मप्रेमी लोग शामिल हुए।

मंदिर के सचिव विवेक बरियार ने कहा कि इस तरह के आयोजन करने से लोगों का धर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। मंदिर के कोषाध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने कहा कि इस तरह के आयोजन से मन को बहुत शांति लगती है और सामाजिक समरता का माहौल बनता है। भंडारा की शुरूआत मंदिर के अध्यक्ष शंकर चंद पाठक और नगीना सिंह ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम को सफल बनाने में

मुख्य रूप से महावीर मंदिर के भंडारा प्रमुख कुलदीप वर्मा, कृष्ण किशोर प्रसाद, भैया मनोरंजन, अरुण वर्मा, मनोज ठाकुर, बालों राम,अशोक सिन्हा, ओमप्रकाश गुप्ता, प्रो नीलमणि मुखर्जी, समिति के सदस्य गोपाल गुप्ता, निरंजन यादव,सुबोध सिन्हा, सुरेंदर सिंह, बिट्ठू वर्मा, शंकर वर्मा, संजय गुप्ता ,संतोष यादव, उत्तम कुमार, राकेश गोलू, मुकुल सिन्हा, राजेश सिन्हा, रजनी रंजन सिन्हा, अविनाश सिन्हा, बबलू सिन्हा, सुरेंद्र सोनी, पिंटू सिन्हा,उमेश ठाकुर, मुन्ना ठाकुर, टुल्लू सिन्हा, संतोष गुप्ता, कमल अग्रवाल,रिंकू सिन्हा, सुभाष सिन्हा,प्रेमजीत सिंह, गोपाल पंडित, मनीष गुप्ता, सक्षम गुप्ता, मुकेश सिन्हा, मुंगेश्वर चौधरी, प्रकाश अठारह, कुमुद मोदी, एडवोकेट कुणाल कुमार, करण कुमार, संजय वर्मा, मुख्य पुजारी गोपाल कृष्ण मिश्रा गुड्डू बाबा और चिंटू बाबा मौजूद थे।

लातेहार सदर अस्पताल में 23 मरीजों का ईएनटी विशेषज्ञ ने किया इलाज

लातेहार : जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में बुधवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की उपस्थिति में सदर अस्पताल में ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. हेना शादियाह द्वारा 23 मरीजों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। रांची के संतेविटा अस्पताल की प्रतिष्ठित ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. हेना शादियाह (एमबीबीएस, एमएस-ओटोरहिनोलेरिंगोलोजी और सिर-गर्दन सर्जरी, एलर्जी, अस्थमा एवं इम्यूनोलॉजी में डीएए) ने मरीजों की विभिन्न समस्याओं की जांच की और उचित चिकित्सा परामर्श दिया। इस मौके पर उपायुक्त श्री गुप्ता ने कहा कि लातेहार जिला प्रशासन कान, नाक और गले (ईएनटी) से जुड़ी समस्याओं के उपचार और देखभाल के लिए प्रतिबद्ध है।

विधायक प्रदीप प्रसाद एक्शन में, सड़कों पर उतर फुटपाथ व्यवसाईयों की लगवाई दुकान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आए। अपने कार्यालय में फुटपाथ व्यवसायियों के प्रतिनिधियों से वार्ता करने के बाद वे स्वयं कचहरी चौक पहुंचे और व्यवसायियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने सभी को आश्वस्त करते हुए निर्देश दिया कि वे अपने-अपने स्थान पर दुकान लगा सकते हैं और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस मामले में नगर निगम के नगर आयुक्त और ट्रैफिक इंचार्ज से भी वार्ता की। उन्होंने नगर निगम प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि जब तक फुटपाथ व्यवसायियों के लिए कोई स्थायी समाधान नहीं निकल जाता, तब तक किसी भी व्यवसायी को बेवजह तंग न किया जाए। उन्होंने कहा कि फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले छोटे व्यापारी अपनी रोजी-रोटी चलाते हैं, ऐसे में उनकी समस्याओं की अनदेखी नहीं की जा सकती। वही विधायक ने ट्रैफिक प्रभारी को निर्देश दिया कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखते हुए फुटपाथ व्यवसायियों को रोजगार करने की पूरी छूट दी जाए। उन्होंने अधिकारियों से अपील की प्रशासन ऐसा समाधान निकाले जिससे न तो ट्रैफिक प्रभावित हो और न ही छोटे व्यापारियों का नुकसान हो।

- ☐ हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद का बड़ा फैसला, फुटपाथ व्यवसायियों को राहत
- ☐ मैं आपका हूं और हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ा हूं। जब तक स्थायी समाधान नहीं निकलता, फुटपाथ व्यवसायियों को कोई नहीं हटाएगा : प्रदीप प्रसाद

विधायक के इस हस्तक्षेप से फुटपाथ व्यवसायियों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने श्री प्रसाद के इस प्रयास की सराहना की और उनके प्रति आभार प्रकट किया। व्यवसायियों ने एक स्वर में कहा कि विधायक ने उनकी वर्षों पुरानी समस्या को गंभीरता से लिया है और उनके हक के लिए मजबूती से खड़े हैं।

फुटपाथ व्यवसायियों के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा, ऱ्मैं आपका हूं और हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ा हूं। जब तक आप सभी को एक स्थायी समाधान नहीं मिल जाता, तब तक मैं आपके हक के लिए लड़ता रहूंगा। इस फैसले से न केवल फुटपाथ व्यवसायियों को राहत मिली है, बल्कि हजारीबाग के बाजार क्षेत्र में संतुलित व्यवस्था बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

महाशिवरात्रि पर शिवमय हुई इस्पातनगरी

चास-बोकारो के शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु, भजन-कीर्तन से गुंजायमान रहा शहर

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं...

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। देवाधिदेव महादेव और आदिशक्ति जगदम्बा के परिणय का महोत्सव महाशिवरात्रि बुधवार को बोकारो, उपशहर चास सहित आसपास के क्षेत्रों में पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी शिवालयों में दिनभर खासी रौनक छायी रही। अहले सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा।

विशेषकर, महिलाएं बड़ी संख्या में पूजा की थाल लिये अपने घरों से मंदिर की ओर कूच करती देखी गईं। लाखों श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक के बाद बेलपत्र, धतूर व अन्य पुष्प, नैवैद्य आदि अर्पित कर उनका पूजन किया तथा सुख-समृद्धि की कामना की। नगर के सेक्टर-3 में थाना मोड़ स्थित शिवालय, सेक्टर-12 में निखिल पारदेश्वर महादेव मंदिर, शिवलिंग अनुकृति वाले शिव मंदिर, सेक्टर-2डी मिथिला काली मंदिर के शिवालय, वहीं समीप स्थित शिव मंदिर, श्रीराम मंदिर परिसर स्थित शिवालय, एलोरा हॉस्टल के शिव-दुर्गा मंदिर सहित इस्पातनगरी के सभी सेक्टरों के शिवालयों में शिवभक्तों की खासी चहल-पहल देखी गई। जबकि उपशहर चास स्थित प्राचीन बूढ़ा बाबा मंदिर, शक्ति मंदिर, लोकनाथ मंदिर आदि में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी रही। शिव मंदिरों पर मेले जैसा नजारा बना रहा। हर कोई देवाधिदेव महादेव के प्रति आस्था से नतमस्तक हो पहुंचा और उनकी पूजा-अर्चना की।

कसमार में धूमधाम से निकली भोलेनाथ की बारात

बोकारो। जिले के कसमार स्थित मंजूरा ग्राम के निवासियों एवं आसपास के लोगों ने महाशिवरात्रि का त्योहार बुधवार को धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर सुबह जहां मंदिरों में महादेव का भव्य पूजन किया गया, वहीं शाम को बाबा भोलेनाथ की बारात निकाली गई। रंग-अबीर लगाकर गाजे-बाजे के साथ पूरे उत्साह से श्रद्धालु रामलखन टुंगरी से शिव मंदिर तक बारात लेकर गए। शिव, पार्वती, विष्णु, ब्रह्मा और नारद के वेश में कलाकार झांकी में शामिल थे। रोशनी कुमारी शंकर, अष्टेला कुमारी, पार्वती, राशि कुमारी विष्णु, सपना कुमारी नारद तथा आशा कुमारी ब्रह्मा भगवान के वेश में सजी थीं। जबकि आयोजन की सफलता में मुख्य रूप से जयंत जायसवाल, प्रकाश कुमार, वासुदेव प्रजापति, संजय प्रजापति, अमित महतो, साधु महतो, पुशु घांसी, मिथिलेश महतो, संदीप प्रजापति, कृष्ण किशोर जायसवाल, अमन रंजन, शीतल महली, विजय घांसी, अमर शर्मा, संतोष हजाम, सीताराम, बाबूलाल महतो, मंटू तुरी, राजेन्द्र महतो, गौतम लहेरी, जितेन्द्र लहेरी, बनवारी प्रजापति, सुरेश प्रजापति आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा निखिल पारदेश्वर महादेव मंदिर

देवाधिदेव महादेव एवं आदिशक्ति जगदम्बा के परिणय महोत्सव महाशिवरात्रि की बुधवार को बोकारो में चौतरफा धूम रही। इसी कड़ी में नगर के सेक्टर-12डी स्थित निखिल पारदेश्वर महादेव मंदिर में पारदेश्वर महादेव का पूजन अपने-आप में सबसे विशेष रहा। सिद्धाश्रम साधक परिवार (निखिल मंत्र विज्ञान) की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में निखिल शिष्यों के साथ-साथ आसपास के श्रद्धालु भी शामिल हुए। सेक्टर-12, बियाडा कॉलोनी, झोपड़ी कालोनी सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आये शिवभक्तों ने पारदेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक संपन्न किया। परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंदजी महाराज (डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली) व वंदनीया माता भगवती की दिव्यतम छत्रछाया तथा गुरुदेव श्री नन्दकिशोर श्रीमालीजी के आशीर्वाद तले आयोजित इस अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ महादेव का रुद्राभिषेक संपन्न किया। अनवरत शिव रुद्री पाठ के बीच शिवभक्तों ने महादेव का दूध और गंगाजल से रुद्राभिषेक किया तथा जल, बिल्वपत्र, अकौन, धतूरा, भांग, कर्पूर, दूध, दही, मधु, शर्करा, अनार-रस, गन्ना-रस, अक्षत, चंदन, भस्म, रुद्राक्ष समेत अन्य पूजन सामग्री से भगवान शिव की पूजा की। इसके पूर्व, गणपति पूजन और गुरु पूजन के साथ अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया। इस क्रम में मंदिर परिसर ही नहीं, आसपास का पूरा वातावरण हर-हर महादेव और जयगुरुदेव के जयघोष से गुंजरित होता रहा। संध्या बेला में भी सांध्यकालीन पूजन के पश्चात आरती संपन्न की गई।

अत्यंत दुर्लभ और चमत्कारिक माना गया है पारद शिवलिंग

उल्लेखनीय है कि निखिल पारदेश्वर महादेव मंदिर बोकारो की प्रमुख आध्यात्मिक धरोहरों में से एक है। मंदिर में मंत्र-तंत्र व ज्योतिष के पुनरुद्धारक डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली द्वारा प्रदत्त 51 किलोग्राम वजन के पारद शिवलिंग स्थापित हैं। पारद शिवलिंग का दर्शन अत्यंत दुर्लभ, चमत्कारी और सकारात्मक फलदायक माना जाता है। इनके दर्शन मात्र से ही एक अलौकिक शांति मिलती है। जो भी सच्चे मन से यहां प्रार्थना करता है, प्रभु निखिल और महादेव उनकी मनोकामना अवश्य पूरी करते हैं। सेक्टर-12डी स्थित रणविजय कॉलेज के समीप 11 वर्ष पूर्व निखिल पारदेश्वर महादेव मन्दिर की स्थापना की गई थी। 17 अप्रैल, 2013 को राज्य के पूर्व मंत्री एवं बोकारो के तत्कालीन विधायक समरेश सिंह ने सिद्धाश्रम साधक परिवार के सदस्यों संग मिलकर इसकी आधारशिला रखी थी। वर्तमान में मंदिर के गर्भगृह में महादेव विराजमान हैं। इसके चारों तरफ जगमोहन, बरामदा सहित मंदिर के समीप ही साधना कक्ष के निर्माण का काम चल रहा है।

मंदिरों के पास बना रहा मेले जैसा नजारा

महाशिवरत्रि पर मंदिरों के बाहर फल-फूल, बेलपत्र की अस्थायी दुकानों और खिलौने बेचने वालों की मौजूदगी ने मेलानुमा वातावरण में और चार चांद लगा दिया। मंदिरों की साज-सज्जा भी देखते ही बन रही थी। दूसरी ओर, महाशिवरात्रि पर चारों ओर का वातावरण शिवमय बना रहा। भगवान शंकर के भक्तिगीत तथा वैदिक मंत्रोच्चार चहुं ओर गुंजरित होते रहे। जगह-जगह अखंड हरि कीर्तन, शोभायात्रा तथा महादेव विवाह का आयोजन कर बारातियों की झांकी भी निकाली गयी।

मिथिलावासियों ने सवा लाख पार्थिव शिवलिंग बनाकर किया भव्य पूजन

बोकारो। महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को सेक्टर-2डी स्थित काली मंदिर प्रांगण के शिव मंदिर में शिवशक्ति बोलबम समिति की ओर से शिव-पार्वती विवाहोत्सव सह बाबा अम्बिकानाथ महादेव का 15वां प्रतिष्ठापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इसके तहत सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर उनकी विधिवत पूजा-अर्चना की गई। सुबह से मैथिलानी महिलाएं गंगोट से निर्मित गंगोट (गंगा नदी के तल की मिट्टी) से पार्थिव शिवलिंग बनाने में लगी रहीं। यह सिलसिला दोपहर तक चलता रहा और बाद में देर शाम तक महादेव का पूजन का दौर चला। भजन-कीर्तन और भक्तिभाव के बीच मैथिली कला मंच, कालीपूजा ट्रस्ट के प्रांगण में आयोजित इस अनुष्ठान में भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मिथिला समाज के लोगों के अलावा आसपास के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में पहुंचे तथा देवाधिदेव महादेव की पूजा की। पुरोहितद्वय पं. योगेन्द्र मिश्र एवं पं. चंचल झा ने विधि-विधान के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण के संग पूजन संपन्न कराया। इस क्रम में मंदिर सहित आसपास का पूरा इलाका हर-हर महादेव और देवी जगदम्बा की जय-जयकार से गूंजता रहा। आयोजन की सफलता में समिति के सरदार कृष्ण चन्द्र झा, अध्यक्ष हरिवंश झा, शैलेन्द्र कुमार मिश्र, महासचिव विजय कुमार मिश्र, कोषाध्यक्ष विनय कुमार झा, कार्यकारी अध्यक्ष रबीन्द्र झा, सुशील ठाकुर, रामदेव झाङ्क विनोद कुमार झा, विद्यानन्द चौधरी, कन्हैया झा, ऋषिकेश चौधरी, रमण कुमार ठाकुर, सुनील कुमार झा, हीरा झा, विनोद कुमार झा, डॉ. यू सी झा, भूषण पाठक, विवेकानन्द झा, शशिनाथ मिश्र, दिलीप कुमार झा, अश्विनी मिश्र, संजय चौधरी, आनंद नारायण मिश्र, ललित कुमार झा, शम्भुनाथ झाङ्क वकील कान्त मिश्र, संजय कुमार मिश्र, दया शंकर मिश्रङ्क रवि शंकर मिश्रङ्क शिव शंकर झाङ्क उमंग नाथ झा, पशुपति झाङ्क ललित कुमार झा, सूर्यमोहन मिश्र व मिथिला सांस्कृतिक परिषद् के अध्यक्षङ्क जय प्रकाश चौधरीङ्क महासचिव नीरज चौधरीङ्क उपमहासचिव मिहिर कुमार झा राजू एवं अविनाश कुमार झा अवि एवं निदेशक मंडल के विजय कुमार झाङ्क राजेन्द्र कुमार सहित प्रेमचन्द्र मिश्र प्रमोद, मुकेश झा, प्रकाश झाङ्क कमलेश झाङ्क मिहिर मोहन ठाकुर, उमेश झा, गंगेश कुमार पाठकङ्क गोपाल कृष्ण झा सोनू के अलावा मैथिली कला मंच के महासचिव सुनील मोहन ठाकुर एवं मंदिर के पुजारी पं. राधेश्याम झा बाऊङ्क पं. गोविन्द झा व ट्रस्टी सदस्यगण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

शिव-पार्वती विवाहोत्सव सह बाबा अम्बिकानाथ महादेव का 15वां प्रतिष्ठापना दिवस मनाया गया

बोकारो में जयंती पर याद किए गए सहजानंद सरस्वती

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। स्वामी सहजानंद सरस्वती की 137वीं जयंती बुधवार को स्वामी सहजानंद सरस्वती सेवा समाज चास शाखा के तत्वाधान में स्वामी सहजानंद महाविद्यालय के प्रांगण में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर स्वामी सहजानंद सरस्वती के मूर्ति स्थल पर पूजन आराधना एवं हवन आरती की गई। उसके बाद उनके मूर्ति पर माल्यार्पण सेवा समाज के अध्यक्ष अरुण शर्मा, समाज के वरिष्ठ संरक्षक भागीरथ शर्मा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विपिन कुंवर, पूर्व प्राचार्य डॉ. गुणाराम माहथा एवं डॉ. विजय कुमार सहित अन्य गणमान्य लोगों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में सहजानंद महाविद्यालय के पूर्व सचिव सह समाजसेवी भागीरथ शर्मा ने स्वामी जी ने तीन स पर अपना जीवन समर्पित कर दिया। उसमें पहल स का मतलब स्नेह, दूसरा स का मतलब सेवा और तीसरे स का मतलब समर्पण रहा। स्वामीजी ने जीवनपर्यंत अपने उद्देश्यों को लेकर पूरे भारत में भ्रमण कर स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। समाज सुधारक के रूप में स्वामी जी का पहल आज हम सब के लिए पथ प्रदर्शक हैं।

सम्मेलन की तैयारी को लेकर महली समाज ने चलाया जन जागरण अभियान

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। जरीडीह व चास प्रखंड के विभिन्न महली आदिवासी गांवों में प्रमंडलीय महली जाति समाज सुधार समिति जिला कमेटी की ओर से सम्मेलन सह होली मिलन समारोह की तैयारी को लेकर केंद्रीय अध्यक्ष कारू महली के नेतृत्व में एक दिवसीय डोर टू डोर दौरा कर जाति समाज लोगों को आगामी 9 मार्च को होली मिलन समारोह में शामिल होने की अपील की गई। कार्यक्रम में जिला सम्मेलन पर चर्चा होगी, जिसमें पूर्व की कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया जाएगा। इससे पूर्व प्रखंड कमेटी का गठन होना है। बतौर मुख्य अतिथि ऑल असम महली समाज के प्रदेश महासचिव उत्पल महली ने भी दौरे में शामिल होकर बोकारो जिले के अंदर रहने वाले महली जनजाति के लोगों की हासा, भाषा रहन-सहन, परिवेश सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक मसलों एवं पारंपरिक रीति रिवाज पर लोगों पर चर्चा की। साथ ही, समिति से जुड़कर समाज को सशक्त बनाने की अपील की। मौके पर जिला महासचिव प्रह्लाद महली, लालमोहन महली, केन्द्रीय महासचिव रमेश महली, जिप सदस्या आशा देवी, करमचन्द महली, विनोद महली, हरिलाल महली, मनोज महली, दिलीप, धनंजय, विशाल आदि मौजूद रहे।

तनाव में जी रहे छात्र ने लगा ली फांसी

बोकारो। जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र के बांधडीह उत्तरी पंचायत के भुचुंगडीह मोहल्ला निवासी शिवम कुमार (17) ने अपने घर में बीती रात फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बुधवार को अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पिछले दो माह से उसके माता के अस्वस्थ होने के कारण छात्र तनाव में चल रहा था। उसने सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें लिखा है कि मैं अपने माता-पिता की सेवा नहीं कर पा रहा हूं, इसके चलते यह कदम उठा रहा हूं। बताया जाता है कि मंगलवार की रात छात्र ने अपने कमरे में फंदा लगाकर झूल गया। इसी दौरान परिजन उसके कमरे में पहुंचे। कमरा बंद पाया तो आवाज लगाई।

प्रेम-प्रसंग में बेटी बन रही थी रोड़ा, तो मां ने 8 साल की मासूम की दुष्कर्म के बाद करा दी थी हत्या

ममता कलंकित... बोकारो पुलिस ने नौ महीने बाद किया खुलासा, कुकर्मियों के साथ मां भी गिरफ्तार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। कहते हैं मां कुमाता नहीं हो सकी, लेकिन आज के इस कलियुग में मां और संतान को कलंकित करनेवाली निर्मम महिलाओं की भी कमी नहीं है। बोकारो जिले में ममता को शर्मसार और कलंकित करने का एक सनसनीखेज और झकझोर देने वाला मामला बुधवार को सामने आया।

पेटरवार में नौ माह पहले हुई आठ वर्षीय एक बच्ची की हत्या का खुलासा जब हुआ, तो चौंका देने वाला सच सामने आया। उस बच्ची की न केवल हत्या हुई, बल्कि उसका गैंगरेप भी कराया गया और इन सबके पीछे कोई और नहीं, बल्कि खुद उसकी अपनी सगी मां ही थी। जी हां, सगी मां, जिसे अपने नाजायज लव-अफेयर में अपनी बेटी रोड़ा लगी, तो उसने मासूम बच्ची को रास्ते से हटा देने का यह निर्मम षड्यंत्र रचा।

बुधवार को एक प्रेसवार्ता में जिले के पुलिस कप्तान मनोज स्वर्गियारी ने बताया कि 8 साल की बच्ची अपनी मां को उसके प्रेमी के साथ बातचीत करने व मिलने से रोक-टोक करती थी। साथ ही इसकी जानकारी पिता को भी देती थी। इस बात से नाराज मां ने प्रेमी के साथ साजिश रची और बेटी की हत्या करवा दी। इस दौरान प्रेमी ने अपने दोस्त के साथ बच्ची का सामूहिक दुष्कर्म किया और गला दबाकर हत्या कर दिया। हत्या के बाद शव को झाड़ियों में फेंक दिया और तीनों आरोपी फरार हो गए। एसपी ने बताया कि उक्त मामले में दुष्कर्मियों के साथ आरोपी मां को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों में जरीडीह के बारीडीह निवासी प्रेमी बाबू दास मुर्मू, पेटरवार के नावाडीह निवासी शिवनारायण बेसरा और रीना देवी शामिल है। गिरफ्तारी के बाद सभी को जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

पीड़ा से कराहती रही बच्ची और बेदर्द बन देखती रही मां

बताया जाता है कि 4 मई 2025 को साजिश के तहत मृतका की मां अपने प्रेमी के साथ बाइक से महलीजारा पहुंची। इनके साथ दूसरा आरोपी शिवनारायण बेसरा भी था। रिश्तेदार के घर से कुछ दूर पहले ही वह रुक गए और आरोपी शिवनारायण को बेटी को बुलाने के लिए भेजा, लेकिन बेटी उसके साथ नहीं गई। ऐसे में मां खुद आई और बेटी को बहलाकर अपने साथ ले गई। सभी बच्ची को गांव से हटकर झाड़ियों की ओर ले गए और प्रेमी बाबूदास और उसके दोस्त शिवनारायण ने मारपीट करते हुए दुष्कर्म किया। इस दौरान बेटी बार-बार मां से बचाने की गुहार लगा रही थी, लेकिन बेदर्द मां चुपचाप खड़ी रही। दुष्कर्म के बाद आरोपियों ने बच्ची का गला दबाकर हत्या कर दी और पौधों की झाड़ियों के बीच शव को फेंक दिया था। आरोपी मां की उसके प्रेमी के साथ दोस्ती सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। हत्या करने से पहले मां ने प्रेमी व उसके दोस्त को शराब पिलाई था। दूसरे दिन बच्ची का शव मिलने पर आरोपी मां भी पहुंची और रोने-धोने का नाटक किया। इससे किसी को उसके ऊपर शंका भी नहीं हुई, लेकिन पुलिस ने अपने तकनीकी जांच कोषांग के विशेष प्रयास से पूरे मामला का खुलासा कर लिया।

रिश्तेदार के यहां शादी में गई थी बच्ची

पेटरवार थाना क्षेत्र की रहनेवाली बच्ची अपने पिता और दादी के साथ जरीडीह थाना क्षेत्र के महलीजारा गांव में एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में गई थी। 4 मई 2024 को समारोह के बाद वह पिता व दादी के साथ वापस अपने घर पेटरवार लौटने वाली थी। शाम में घर जाने के लिए पिता ने बेटी को ढूंढा तो वह नहीं मिली। उसकी रात भर खोजबीन की गई, लेकिन नहीं मिली। दूसरे दिन 5 मई 2024 की सुबह ग्रामीणों ने झाड़ियों के बीच बच्ची का शव देखा। पोस्टमार्टम में उसके साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई। घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी हुए थे।

जरीडीह थाने इलाके में घटना को दिया गया था अंजाम

एसपी ने बताया कि नौ महीने पहले घटना को जरीडीह थाना क्षेत्र में अंजाम दिया गया था। मुख्य आरोपी व मृतका पेटरवार थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। ऐसे में पुलिस को अपराधियों तक पहुंचने के बाद काफी मशक्कत करनी पड़ी। छापेमारी टीम में बेरमो एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह, जरीडीह सर्किल इंस्पेक्टर मुकेश पांडेय, गोमिया सर्किल इंस्पेक्टर महेश सिंह, पेटरवार थाना प्रभारी राजू मुंडा, कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो, जरीडीह थाना प्रभारी विक्रम सिंह, तेनुघाट प्रभारी अजित गिरि के अलावा एसआई सुनील पटेल, आगस्टिन टेटे, अजय सिंह आदि शामिल थे।

बीएसएल के यातायात विभाग में हिंदी कार्यशाला आयोजित

- दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का प्रभावी उपयोग आवश्यक : मनोज

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार को नई दिशा देने तथा भारत सरकार द्वारा निर्धारित राजभाषा कार्यन्वयन लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से बुधवार को यातायात विभाग के सभागार में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य महाप्रबंधक (यातायात) मनोज कुमार हयांकी के साथ विभाग के वरीय अधिशासी तथा कर्मचारी उपस्थित थे। बी एस एल के राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि के रूप में आलोक कुमार, उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) के साथ कार्यशाला में मानस चंद्र रजवार सहायक प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) उपस्थित थे।

सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों और कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों का स्वागत करते हुये यातायात विभाग के एकेपी वर्मा ने विभाग में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में प्रगति से संबंधी संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि के रूप में आलोक कुमार, उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) ने राजभाषा नियमों और सांविधिक प्रावधानों से जुड़े भारत सरकार की नीति, वार्षिक कार्यक्रमों, निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों, विश्वपटल पर हिंदी के बढ़ते चरण तथा यूनिकोड के अधिकाधिक प्रयोग करने जैसे विषयों पर विस्तृत रूप से एक प्रस्तुतीकरण दिया और राजभाषा हिंदी का शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करना आवश्यक बताया। मुख्य महाप्रबंधक (यातायात) मनोज कुमार हयांकी ने अपने उद्बोधन में बीएसएल के यातायात विभाग की भारत सरकार के राजभाषा नीति के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई और दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु यातायात विभाग के कर्मियों का उत्साहवर्द्धन किया। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, व्याख्यान प्रतियोगिता एवं पोस्टडर/स्केच प्रतियोगिता रखी गई थी। प्रतियोगिता में चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी से मिले देव, समस्याओं से कराया अवगत

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष देव शर्मा बुधवार को अपने समर्थकों के साथ चास-बोकारो की बेरोजगारी की समस्याओं को लेकर कांग्रेस के नए झारखंड प्रभारी के. राजू से रांची में मिले। श्री शर्मा ने सबसे पहले उन्हें झारखंड कांग्रेस का नए प्रभारी बनाए जाने की बधाई दी। साथ ही, बोकारो समेत झारखंड की समस्याओं से उन्हें अवगत कराने का काम किया। देव ने बताया कि बोकारो में एशिया का सबसे बड़ा स्टील प्लांट के साथ-साथ और भी कई छोटे-बड़े कारखाने और संस्थान होने के बाद भी बोकारो के स्थानीय युवाओं में बेरोजगारी चरम पर है। यहां तक कि पढ़े-लिखे युवाओं को भी नौकरी नहीं मिल रही है। लगभग यही हाल झारखंड के सभी जिलों का है। हमारा राज्य खनिज संपदा से भरा होने के बाद भी हमारे लोग भूखमरी और बेरोजगारी से ग्रसित हैं। विवश होकर यहां के युवा अन्य राज्यो में पलायन कर रहे हैं। प्लांट स्थापना के समय सेल प्रबंधन को यह निर्देश दिया गया था कि जब तक बोकारो में यह प्लांट रहेगा, इस प्लांट में रोजगार का पहला अधिकार यहां के विस्थापित और स्थानीय लोगों का होगा।

मोदी का मोटापामुक्त भारत : स्वास्थ्य-क्रांति का आधार

ललित गर्ग

मोटापा वर्तमान युग की एक व्यापक स्वास्थ्य समस्या एवं एक दीर्घकालिक बीमारी है, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं एवं असाध्य बीमारियों का कारण बन सकती है और आपके जीवन को छोटा कर सकती है। दुनिया भर में मोटापे के शिकार एक अरब से ज्यादा लोगों में 88 करोड़ लोग वयस्क हैं जबकि 15 करोड़ 90 लाख बच्चे हैं। महिलाओं में मोटापा बढ़ने की सबसे तेज गति देखने को मिल रही है। आज मोटापा समस्या नहीं महामारी बन गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने शासन में भारतीय लोगों के स्वास्थ्य को लेकर निरन्तर कदम उठाते हुए स्वस्थ भारत निर्मित करने के उपक्रम किये हैं। विकसित भारत-नये भारत-सशक्त भारत का आधार स्वस्थ भारत ही है। मोदी युग ने स्वास्थ्य के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित करते हुए मोटापे से जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने और मोटापे को नियंत्रित पर अधिक ध्यान दिया गया। मोदी ने मोटापे के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है, जिसमें भारतीयों से अपने खाना पकाने के तेल की खपत को कम करने का आग्रह किया। मोटापा कई जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, जैसे दिल की बीमारी, टाइप 2 डायबिटीज, स्ट्रोक, सांस लेने में समस्याएं और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसे चिंता, तनाव और अवसाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी को मन की बात के 119वें एपिसोड में हेल्थ का जिक्र करते हुए कहा था, एक फिट और स्वस्थ भारत बनने के लिए हमें ओबेसिटी (मोटापा) की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक, आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। बीते सालों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है। मोटापे को नियंत्रित करने की मुहिम एक सामयिक एवं सराहनीय कदम होने के साथ स्वास्थ्य-क्रांति का आधार है। प्रधानमंत्री ने सेहत के प्रति जागरूकता लाने और इस क्रम में मोटापे से लड़ने के लिए अपने-अपने क्षेत्र के दस जाने-माने लोगों को नामांकित कर यही रेखांकित किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझने एवं समय रहते इसको नियंत्रित करने की अपेक्षा है। उन्होंने आनंद महिंद्रा, दिनेश लाल यादव निरहुआ, मनु भाकर, मीराबाई चानू, मोहनलाल, नंदन नीलेकणि, उमर अब्दुल्ला, आर. माधवन, श्रेया घोषाल, सुधा मूर्ति को नामांकित करते हुए यह अपेक्षा जताई कि ये सभी मोटापे के खिलाफ क्रांति की अलख जगाने के साथ खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने इन लब्ध प्रतिष्ठित हस्तियों से दस-दस और लोगों को इसी अभियान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नामांकित करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री की यह पहल कुछ वैसी ही है, जैसी उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान को प्रारंभ करते समय की थी। मोदी की मोटापे नियंत्रण से जुड़ी इस जनोपयोगी पहल से देश मे मोटापे के प्रति चेतना जाग्रत होगी और लोग मोटापे को नियंत्रित करने में सफल होंगे।

मोटापा वर्तमान युग की एक व्यापक स्वास्थ्य समस्या एवं एक दीर्घकालिक बीमारी है, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं एवं असाध्य बीमारियों का कारण बन सकती है और आपके जीवन को छोटा कर सकती है। दुनिया भर में मोटापे के शिकार एक अरब से ज्यादा लोगों में 88 करोड़ लोग वयस्क हैं जबकि 15 करोड़ 90 लाख बच्चे हैं। महिलाओं में मोटापा बढ़ने की सबसे तेज गति देखने को मिल रही है। आज मोटापा समस्या नहीं महामारी बन गया है। मोटापे ने महामारी का ऐसा रूप धारण किया कि इसने भुखमरी को भी पीछे छोड़ दिया है। भूखमरी से जितनी मौतें होती हैं उससे कई ज्यादा मौतों की वजह अब मोटापा बन गया है। यूएन रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 5 से 9 साल के बीच के 13.1 करोड़ बच्चे, किशोरावस्था वाले 20.7 करोड़ और 200 करोड़ वयस्क लोग मोटापे के शिकार है।

अच्छी सेहत के बिना जीवन का कोई महत्व नहीं है, सेहत ठीक नहीं होगी तो व्यक्ति दुखी, तनावग्रस्त और रोगी बना रहता है। सेहत ही सबसे बड़ा धन है। ये बात जो लोग समझते हैं, वे अपनी सेहत के लिए बहुत सतर्क रहते हैं। अच्छे स्वास्थ्य की सबसे बड़ी बाधा मोटापा है, जब कोई व्यक्ति ऊर्जा के रूप में उपयोग की जाने वाली कैलोरी से अधिक कैलोरी का उपभोग करता है, तो उसका शरीर अतिरिक्त कैलोरी को वसा के रूप में संग्रहीत कर लेता है। इसी से मोटापा पनपता है। शारीरिक श्रम की कमी पेट पर मोटापा जमा होने का एक प्रमुख कारण है। आजकल की जीवनशैली में अधिकतर लोग 9-10 घंटों तक एक जगह बैठकर काम करते हैं और शारीरिक गतिविधि न के बराबर करते हैं। इससे शरीर में जमा हुई अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में कठिनाई होती है और ये कैलोरी मोटापे के रूप में बदल जाती है। तनाव और नींद की कमी भी मोटापा बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर में कोर्टिसोल का स्तर बढ़ता है, जो पेट के आसपास चर्बी जमा करने का काम करता है। नींद की कमी से मेटाबोलिज्म पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और शरीर अधिक चर्बी जमा करने के लिए प्रेरित होता है। इसके अलावा, कुछ खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल और पेय पदार्थ-विशेषकर वे जिनमें वसा और शर्करा की मात्रा अधिक होती है-वजन बढ़ने की अधिक संभावना रखते हैं।

लोगों में मोटापा बढ़ने के कई कारण हैं, जिनमें अति भोजन, अहितकर भोजन और प्रतिकूल भोजन के अलावा व्यायाम की कमी और तनाव शामिल हैं। पोषण में सुधार, गतिविधि बढ़ाने और जीवनशैली में अन्य बदलाव करने से लोगों के मोटापे को कम करने में मदद मिल सकती है। मोदी की पहल से मोटापा नियंत्रित करने के अनुकूल परिणाम तभी सामने आ सकते है, इसमें वांछित सफलता तभी संभव है, जब आम लोग यह समझेंगे कि स्वस्थ जीवनशैली उन्नत राष्ट्र ही नहीं, उन्नत स्वास्थ्य का आधार है। आज की सुविधा एवं भौतिकतापूर्ण जीवनशैली मोटापा बढ़ाने का काम कर रही है। अब लोग उतना शारीरिक श्रम नहीं करते, जितना पहले अपनी सामान्य दिनचर्या के तहत किया करते थे। मोटापे को नियंत्रित करने में योग, ध्यान, प्रातःभ्रमण एवं व्यायाम की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। किसी विचारक ने लिखा भी है कि मनुष्य के सबसे बड़े चिकित्सक हैं- शांति, प्रसन्नता और खुराक। यह हकीकत है कि लोग यदि खानपान में संयम एवं सतर्कता बरतें, शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं और योग-व्यायाम को जीवन का हिस्सा बना लें तो मोटापे को भगा सकते हैं।

मोटापे अनेक बीमारियों का घर है, जो केवल कार्यक्षमता को कम करने का ही काम नहीं करता, बल्कि स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ाता है। जीवन को जटिल एवं अस्तव्यस्त बना देता है। निरोगी लोग किसी भी देश के लिए एक बड़ी पूंजी होते हैं। जब शरीर स्वस्थ रहता है तो लोग मानसिक एवं भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रहते हैं और वे अपना काम कहीं अधिक तत्परता एवं निपुणता से करते हैं। इसका लाभ केवल उन्हें ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और देश को भी मिलता है। यही सशक्त एवं विकसित भारत का आधार भी है। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वस्थ जीवन शैली की जरूरत को समझा, लेकिन इसके लिए जागरूकता अभियान छेड़ने के साथ ही मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री की बिक्री रोकने के लिए भी कुछ करना होगा। मोदी की यह पहल जहां स्वास्थ्य क्रांति का माध्यम बनेगी, वहीं मिलावट नियंत्रण के प्रति भी जागरूकता पैदा करेंगी। यह किसी से छिपा नहीं कि अपने देश में बड़े पैमाने पर मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री बनती एवं बिकती है। इसमें एक बड़ा हिस्सा उस खाद्य सामग्री का होता है, जो सड़क किनारे की दुकानों पर मिलती है। इस सामग्री में केवल खाद्य तेल की मात्रा ही अधिक नहीं होती, बल्कि वह मिलावटी भी होता है। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी के चलते दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री घरों में भी इस्तेमाल होती है। इनमें खाद्य तेल एवं घी प्रमुख है। आज जब बाजार का खाना खाने का चलन बढ़ रहा है, तब सरकार को यह सुनिश्चित करना ही चाहिए कि उसकी शुद्धता एवं गुणवत्ता से कोई समझौता न होने पाए। इसी अभिक्रम से भारत का जन-जन स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ भावनाओं का अखूट वैभव लिये शक्ति, स्फूर्ति, शांति, आनन्द एवं शारीरिक संतुलन से भरपूर दिव्य जीवन की यात्रा के लिये प्रस्थित हो सकता है। इससे हम मोटापा-मुक्त स्वस्थ भारत के संकल्प को हकीकत बना सकते हैं। स्वस्थ भारत का यह संकल्प ही कालांतर विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकता है।

संपादकीय

अधूरी योजनाएं

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के राज्यों से सुप्रीम कोर्ट ने कूड़ा प्रबंधन को लेकर जवाब तलब किया है। पीठ ने कहा है कि ठोस कचरा प्रबंधन 2016 के नियमों का पालन करने से देश के सभी शहर प्रभावित हुए हैं। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर तेजी से चल रहे काम पर सवाल उठाते हुए कोर्ट ने कहा कि कचरा प्रबंधन नियमों का पालन किए बगैर शहरों को स्मार्ट कैसे बनाया जा सकता है। बिजली परियोजनाओं के अधिक प्रदूषण पर भी कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त की। दिल्ली के करीबी राज्यों से पीठ ने हलफनामा दाखिल करने और कार्यदायी संस्थाओं के साथ मिल कर योजना तैयार करने को भी कहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड. से भी कोर्ट ने कचरे से बिजली बनाने वाली परियोजनाओं के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर जानकारी मांगी है। दिल्ली में प्रति दिन तीन हजार टन कूड़ा बगैर प्रतिबंधित हुए रह जाता है। राजधानी में गाजीपुर और भलस्वा में लगातार फेंके जा रहे कचरे और अवैध डंपिंग को लेकर पहले भी कोर्ट दिल्ली सरकार को सख्त निर्देश दे चुकी है। हालांकि यह समस्या देश भर की है। 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया के ऐसे शीर्ष देशों में शामिल है, जो पृथ्वी के कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। सरकारी अनदेखी का आलम यह है कि कचरे को उसके स्रोत से पृथक्करण में लापरवाही बरती जा रही है। स्मार्ट सिटी और शहर सुंदरीकरण के नाम पर नित नई योजनाओं का ऐलान करने और उनका प्रचार करने में जितनी मशक्कत की जा रही है, उसकी आधी भी कचरे के उचित प्रबंधन में की जाए तो समस्या इतनी विकराल न हो। प्रबंधनीय त्रुटियों का नतीजा है कि वायु प्रदूषण के साथ ही जल और मिट्टी का संदूषण बढ़ता ही जा रहा है जिसका सीधा असर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर नजर आ रहा है। हृदय संबंधी बीमारियां, श्वास और त्वचा रोग, कैंसर जैसी बीमारियों के बढ़ने के यही मुख्य कारण हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अकेले प्रति टन कागज की रीसाइकिलिंग से 17 पेड़. और 50प्र. जल बचाया जा सकता है। यह कहना गलत नहीं है कि अपने समाज में नागरिकों के भीतर स्वच्छता रखने या घरेलू कचरा यत्र-तत्र फेंकने पर अंकुश रखना मुश्किल है। बावजूद इसके स्थानीय निकायों और सरकारी व्यवस्था का जिम्मा है कि अपने इलाकों से निकलने वाले कचरे के प्रबंधन को लेकर गंभीर हों।

चिंतन-मनन

सत्य की खोज अनंत

सत्य का अर्थ होता है, अनंत। सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। यात्रा शुरू तो होती है, पर पूरी नहीं होती। पूरी हो ही नहीं सकती। क्योंकि अगर पूरी हो जाए यात्रा तो उसका अर्थ होगा कि सत्य भी सीमित है। तुम आ गए आखिरी सीमा पर, फिर उसके पार क्या होगा? नहीं, सत्य असीम है। यही तो हमने बार-बार अनेक-अनेक ढंग से कहा है कि परमात्मा अनंत है, असीम है, अपार है, उसका विस्तार है, विराट है। जैसे तुम सागर में उतर गये, यह तो सच है लेकिन तुमने पूरे सागर को थोड़े ही पा लिया। तुम जितना पार करते जाओ, उतना ही सागर शेष है। फिर सागर तो शायद चुक भी जाए। कोई तैरता ही रहे, तैरता ही रहे, तो दूसरा किनारा आ भी जाएगा पर परमात्मा का कोई किनारा ही नहीं है। इसीलिए इसे असीम कहते हैं। सत्य असीम है, अनंत है, इसलिए सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। अमेरिका का एक बहुत बड़ा मनीषी हुआ-जान डैबी। वह कहा करता था, जीवन रुचि का नाम है। जिस दिन वह गयी कि जीवन भी चला गया। सत्य की खोज में रुचि है। सत्य में उतना सवाल नहीं है, जितना खोज में है। मजा मंजिल का नहीं है, यात्रा का है। मजा मिलन का कम, इंतजारी का ज्यादा है। जान डैबी से उसकी नब्बेवीं वषगांठ पर बातचीत करते समय एक डाक्टर मित्र ने कहा, फिलासफी, दर्शन में रखा क्या है! डैबी ने शांतिपूर्वक कहा, दर्शन का लाभ है कि उसके अध्ययन के बाद पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है। डाक्टर ने कहा, मान लिया कि दर्शन का यही लाभ है कि पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है लेकिन एक पर चढ़ने के बाद दूसरा ऐसा ही पहाड़ दिखना आरंभ हो जाता है, जिस पर चढ़ना कठिन प्रतीत होता है। उसके पार होने पर तीसरा फिर चौथा। जब तक यह प्रम और चुनौती है, तब तक जीवन है। जिस दिन चढ़ने को शेष नहीं, आकषर्ण, चुनौती नहीं, उसी दिन मृत्यु घट जाएगी और मृत्यु नहीं है, जीवन ही है। तुम पहाड़ चढ़ते हो, इसी आशा में कि उसके पार कुछ नहीं है, पर पाते हो कि दूसरा पहाड़ प्रतीक्षा कर रहा है। इससे भी बड़ा, इससे भी विराट, इससे भी ज्यादा स्वर्णमयी। फिर तुम्हारे भीतर चुनौती उठी। तुम फिर चले। शिखर पर पहुंचते ही आगे का दिखायी पड़ता है, उसके पहले दिखायी नही पड़ता। ऐसे ही सत्य की खोज अनंत है। ऐसी यात्रा जो कभी समाप्त नहीं होती। यह शुभ भी है। समाप्त हो जाए तो जीवन समाप्त हो गया।

बलिदान दिवस : मेरा नाम आजाद है : चंद्रशेखर

हेमेन्द्र क्षीरसागर

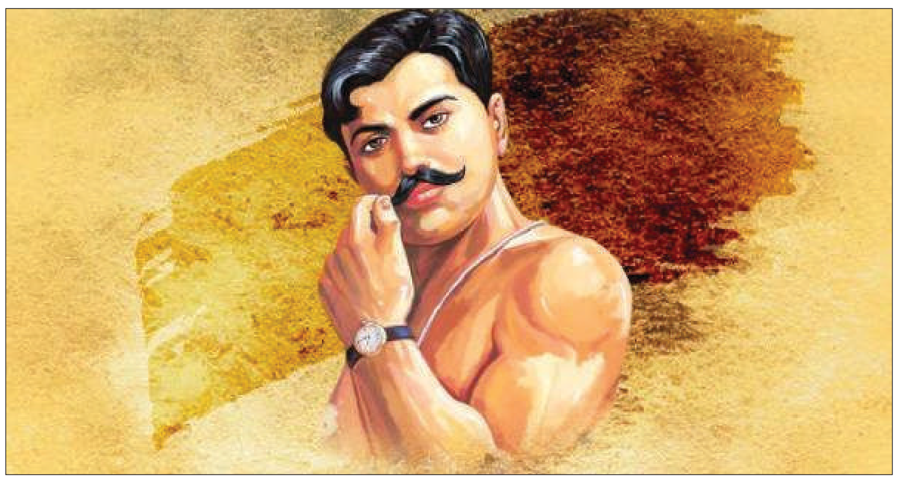

आजाद एक ऐसा शब्द है जो महान स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के साथ जुड़ा है। इन्होंने अपनी पूरी जिंदगी को आजाद रखने का वचन लिया था और उसे आखिरी सांस तक निभाया भी। ऐसे मैं हूं आजाद! आजाद थे! आजाद ही रहे! आजादी के महानायक, मां भारती के सच्चे उपासक जगदानी देवी- पंडित सीताराम तिवारी के सपूत चंद्रशेखर आजाद का अवतरण 23 जुलाई, 1906 को मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के भाबरा नामक स्थान पर हुआ था। चंद्रशेखर का बचपन आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थित भाबरा गांव में बीता था। यहां पर चंद्रशेखर ने भील बालकों के साथ खूब धनुष बाण चलाए थे। जिसके कारण उन्होंने निशानेबाजी बचपन में ही सीख ली थी।

स्तुत्य, जलियांवाला बाग कांड के समय चन्द्रशेखर बनारस में पढ़ाई कर रहे थे। जब गांधीजी ने सन 1921 में असहयोग आन्दोलन शुरू किया तो वे अपनी पढ़ाई छोड़कर सड़क पर उतर आए। इन्होंने अपना पूरा जीवन देश की आजादी की लड़ाई के लिए कुर्बान कर दिया। चंद्रशेखर बेहद कम्र उम्र में देश की आजादी की लड़ाई का हिस्सा बने थे। जब सन 1922 में चौरी चौरा की घटना के बाद गांधीजी ने अपना आंदोलन वापस ले लिया तो चंद्रशेखर का कांग्रेस से मोहभंग हो गया। इसके बाद वे पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल और शचीन्द्रनाथ सान्याल, योगेश चन्द्र चटर्जी द्वारा 1924 में गठित हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़ गए। इस एसोसिएशन के साथ जुड़ने के बाद चंद्रशेखर ने रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में काकोरी कांड 1925 में पहली बार सक्रिय रूप से भाग लिया।

कालजयी, आजाद, भगत सिंह और राजगुरु ने मिलकर 17 दिसंबर, 1928 की शाम को लाहौर में पुलिस अधीक्षक जेपी सांडर्स को मार दिया। जब सांडर्स के अंगरक्षक ने उनका पीछा किया, तो चंद्रशेखर ने अपनी गोली से उसे भी समाप्त कर दिया। इस हत्याकांड के बाद लाहौर में जगह-जगह परचे चिपका दिए गए, जिन पर लिखा था- लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला ले लिया गया है। चंद्रशेखर ने भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरु की फांसी रुकवाने के लिए दुर्गा भाभी को गांधीजी के पास भेजा था, लेकिन वहां से उन्हें कोरा जवाब मिल गया था। चंद्रशेखर ने इन तीनों की सजा कम कराने का काफी प्रयास किया था। वे पण्डित नेहरू से भी आग्रह किए थे कि तीनों की फांसी को उम्रकैद में बदलवा दिया जाए, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मंत्रमुग्ध, चंद्रशेखर को 'आजाद' नाम एक खास वजह से मिला। चंद्रशेखर जब 15 साल के थे तब उन्हें किसी केस में एक जज के सामने पेश किया गया। वहां पर जब जज ने उनका नाम पूछा तो उन्होंने ने कहा, मेरा नाम आजाद है, मेरे पिता का नाम स्वतंत्रता और मेरा घर जेल है। जज ये सुनने के बाद भड़क गए और चंद्रशेखर को 15 कोड़ों की सजा सुनाई, यही से उनका नाम आजाद पड़ गया। चंद्रशेखर पूरी जिंदगी अपने आप को आजाद रखना चाहते थे। अभिभूत चंद्रशेखर आजाद का कहना था, देश की स्वतंत्रता के लिए विपत्तियों से युद्ध करना ही मेरा राष्ट्रधर्म है।

अविनाशी, अंग्रेजों से लड़ाई करने के लिए चंद्रशेखर आजाद इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में सुखदेव और अपने एक अन्य साथियों के साथ बैठकर आगामी योजना बना रहे थे। इस बात की जानकारी अंग्रेजों को पहले से ही मिल गई थी। जिसके कारण अचानक अंग्रेज पुलिस ने उन पर हमला कर दिया। चंद्रशेखर आजाद ने अपने साथियों को वहां से भगा दिया और अकेले अंग्रेजों से लोहा लगने लगे। इस लड़ाई में पुलिस की गोलियों से आजाद बुरी तरह घायल हो गए थे। वे सैकड़ों पुलिस वालों के सामने 20 मिनट तक लड़ते रहे थे। उन्होंने संकल्प लिया था कि वे न कभी पकड़े जाएंगे और न ब्रिटिश सरकार उन्हें फांसी दे सकेगी। इसीलिए अपने संकल्प को पूरा करने के लिए अपनी पिस्तौल की आखिरी गोली खुद को मार ली और मातृभूमि के लिए महज 24 बरस की अल्पायु में 27 फरवरी 1931 को प्राणों की आहुति दे दी। इतिहास के अमर पन्नों में दर्ज यह वीरगाथा सदा-सर्वदा प्रेरणापुंज रहेगी। वंदेमातरम्!

अब चाय वाले सज्जन को उम्रकैद की सजा

राकेश अचल

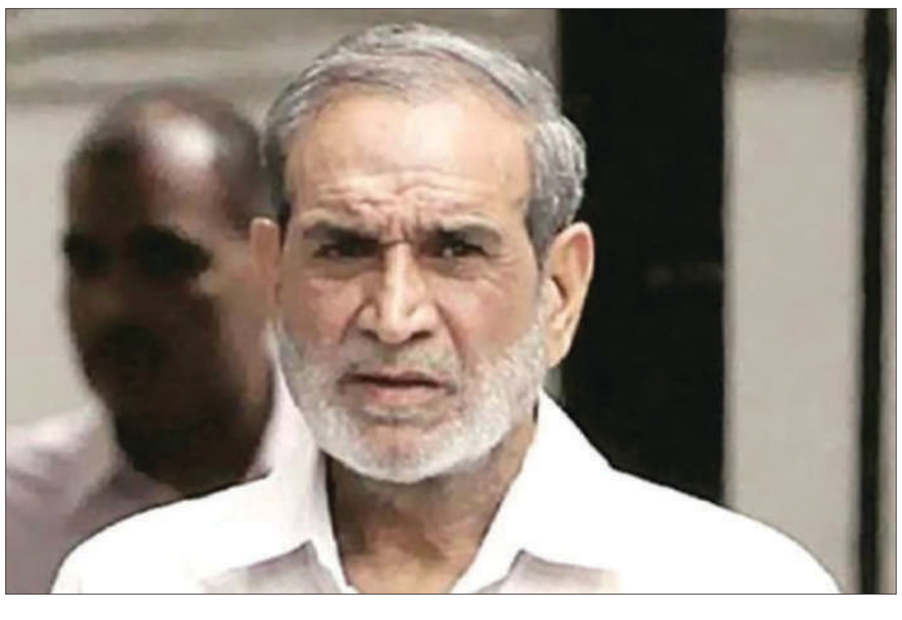

भारत में सभी चाय बेचने वालों का नसीब एक जैसा नहीं होता । यदि एक चाय वाला देश का प्रधानमंत्री बन सकता है तो दूसरा चायवाला सिख दंगों के आरोप में 80 साल की उम्र में आजीवन सजा भी पा सकता है। सवाल ये है कि एक बूढ़े आदमी को 41 साल सजा सुनाने वाली अदालत क्या सचमुच इसे एक सही फैसला मानती है। इस फैसले से न पीड़ितों को न्याय मिला और न आरोपी को सजा।

आज की अनुजवान पीढ़ी सज्जन कुमार को नहीं जानती होगी,इसलिए मैं पहले आपको सज्जन कुमार के बारे में बता देना जरूरी समझता हूँ। सज्जन कुमार एक गरीब परिवार में .80 साल पहले यानि दिल्ली में 23 सितंबर, 1945 को जन्मे थे ,उनका बचपन भी आज के प्रधानमंत्री की तरह चाय बेचकर गुजारा करने में कब बीत गया ,कोईनहीं जानता।कुमार ने सज्जन ने धीरे-धीरे कांग्रेस में अपनी घुसपैठ करनी शुरू की। 1970 के दशक में इमरजेंसी के दौर में सज्जन कुमार तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी के करीब आ गए, जिन्हें उस समय सुपर पीएम कहा जाता था. संजय गांधी के समर्थन से सज्जन कुमार ने दिल्ली नगरपालिका का चुनाव जीता. इसके बाद 1980 में लोकसभा चुनाव में सज्जन कुमार को दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे ब्रह्मप्रकाश के खिलाफ कांग्रेस ने टिकट दिया. इस चुनाव में जीतकर सांसद बनने के साथ सज्जन कुमार को रुतबा पूरे देश में जम गया था।

संजय गांधी ने अपने पांच सूत्रीय कार्यक्रम में सज्जन कुमार को अहम जिम्मेदारी दी थी. हालांकि संजय गांधी के असमय हवाई जहाज क्रैश में हुए निधन से सज्जन कुमार को झटका लगा, लेकिन इससे वे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के करीब आ गए थे। सज्जन कुमार को ही श्रीमती इंदिरा गाँधी की हत्या के बाद हुए सिख विरोधी दंगों का सिख विरोधी दंगों को अंजाम देने वाला मास्टरमाइंड माना जाता है। सज्जन कुमार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सरस्वती विहार इलाके में 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान हुई हिंसा से जुड़े केस में उम्रकैद की सजा सुनाई है. दंगों के दौरान सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह को जिंदा जला दिया गया था। सरस्वती विहार में 1 नवंबर 1984 को हुई इस हत्या में दिल्ली पुलिस ने भादंस की धारा 147, 148, 149, 302, 308, 323, 395, 397, 427, 436 और 440 के तहत सज्जन कुमार को मास्टरमाइंड बनाते हुए केस दर्ज किया था।

हत्या के इस मामले में अभियोजन की कार्रवाई बेहद लचर ढंग से हुई । पुलिस ने जिस व्यक्ति को चश्मदीद गवाह बनाया वो पूरे 16 साल पुलिस को चराता रहा । उसने 16 साल बाद सज्जन कुमार के इस हिंसा में शामिल होने की पुष्टि की थी. हालांकि सज्जन कुमार के वकील ने इसका ही आधार बनाते हुए अपने मुवक्किल को निर्दोष बताया था। सज्जन कुमार ने भी 1 नवंबर 2023 को कोर्ट में इस मामले में गवाही में खुद को निर्दोष बताया था.

इस मामले में अभियोजन की तरफ से कोर्ट में दी गई दलीलों में इसे निर्भया केस से भी ज्यादा संगीन मामला बताया गया था, जिसमें समुदाय विशेष के लोगों को टारगेट करके किलिंग की गई थी. सिख विरोधी हिंसा को मानवता के खिलाफ अपराध बताते हुए अभियोजन ने इस मामले में सज्जन कुमार को फांसी की सजा सुनाए जाने की मांग की थी। सवाल ये है कि हमारे देश की न्याय-व्यवस्था हत्या जैसे मामले में यदि आरोपी को सजा सुनाने में 41 साल लग जाते हैं तो हम अपनी न्याय व्यवस्था के प्रति आस्था कैसे रख सकते हैं। 80 साल की उम्र में यदि सज्जन कुमार जेल वापस लौटते भी हैं तो मृतक में परिजनों को कैसे संतोष मिलेगा?

सज्जन कुमार के संगी-साथी अब उनके साथ नहीं है। वे कांग्रेस के साथ नहीं है और वे कांग्रेस के साथ नहीं है। सज्जन कुमार के प्रति मेरी सहानुभूति है। वे हत्यारे थे या नहीं देश की जनता जानती है। इस फैसले के बढ़ आप कह सकते हाँ की -हमारे यहां देर हैं लेकिन अंधेर नहीं है। हकीकत क्या है इसे दोनों चाय वाले समझते हैं ,सवाल ये भी है की ये चाय वाले ही दंगों के आरोपी क्यों होते हैं ,की काफी शाप वला क्यों नहीं होता? याद रखिये की सिख दंगों की जाँच ले लिए बने नानावटी आयोग के मुताबिक, 1984 के दंगों के संबंध में दिल्ली में कुल 587 एफआईआर दर्ज की गई थीं, जिसमें 2,733 लोग मारे गए थे।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

PLANNING
RESOURCES
CONTROL
INPUT OUTPUT
OPERATIONS MANAGEMENT
COST
OVERSEEING
REQUIREMENT
STRATEGY

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में बनाएं करियर

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- बीमा क्षेत्र
- वित्तीय संस्थाए
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

लाइब्रेरी साइंस में क्या है करियर स्कोप

स्कूल कॉलेज हों या फिर सरकारी व प्राइवेट संस्थान हर जगह डॉक्यूमेंट्स को संभालने व संरक्षण करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग होता है। इस लाइब्रेरी में किताबों की देखभाल करने वाले को लाइब्रेरियन कहा जाता है।

अगर आपको भी किताबों से प्यार है और ज्ञान के भंडार के बीच अपना समय बीताना चाहते हैं, तो लाइग्ररियन बन सकते हैं, इसके लिए आपको लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करना पड़ेगा, जिसके बाद आप लाइब्रेरी अटेंडेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट, जूनियर लाइब्रेरियन और लाइब्रेरियन जैसे पदों पर रहकर अच्छा करियर बना सकते हैं।

क्या है लाइब्रेरी साइंस का कोर्स

लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा है, आज के समय यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है। इसलिए इसमें करियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं। इस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इस क्षेत्र में अगर आप करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होना जरूरी है। क्योंकि आजकल सारे डेटा और रिकॉर्ड कंप्यूटर पर ही रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स

अगर आप लाइब्रेरी साइंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। वहीं बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस या बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के लिए आपको किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना होगा। बैचलर करने के बाद आम मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस भी कर सकते हैं। इसके बाद आप एमफिल या पीएचडी कर रिसर्च या टीचिंग के सेक्टर में भी जा सकते हैं।

करियर स्कोप क्या है

लाइब्रेरी साइंस में इस समय जॉब्स की कमी नहीं है, लाइब्रेरी साइंस में ग्रेजुएट होने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। जिस तरह से दिन- प्रतिदिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज की संख्या बढ़ रहा है, ठीक उसी प्रकार इस सेक्टर में जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आप किसी भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, प्राइवेट संस्थान, प्राइवेट लाइब्रेरी, म्यूजियम आदि में लाइब्रेरियन के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूजपेपर और न्यूज चैनल्स में भी लाइब्रेरियन की नियुक्ति की जाती हैं। अब तो कॉरपोरेट कंपनियों में भी लाइब्रेरी को प्रमोट किया जाता है, ऐसे में यहां पर भी अच्छी सैलेरी के साथ जॉब मिल सकती है। अब जमाना डिजिटल हो चुका है, इसलिए अब ऑनलाइन लाइब्रेरी या कंप्यूटर लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ा है।

करियर ऑप्शन क्या है

अब लाइब्रेरी साइंस काफी विकसित सेक्टर के रूप में जाना जाता है। जिसकी जरूरत हर जगह पर पड़ती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के अनेक ऑप्शन हैं। आप कोर्स पूरा कर निम्न पदों पर रहकर करियर बना सकते हैं। जिसमें जूनियर लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन, लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट, पुस्तकालय सहायक, शोधकर्ता व वैज्ञानिक, सलाहकार, तकनीकी सहायक, अभिलेख प्रबंधक, सूचना केंद्र का प्रमुख, वरिष्ठ सूचना विशलेषक, कानून लाइब्रेरियन, इंडेक्सर, सूचना वास्तुकार, पुरालेखपाल शामिल है।

कितनी मिलती है सैलरी

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स करने के बाद आप प्रेशर के तौर पर 20 से 30 हजार रूपए कमा सकते हैं, इसके बाद जिस तरह से आपका अनुभ्व बढ़ेगा, उसी के अनुसार आपका पद और वेतन भी बढ़ेगा। वहीं अगर आपकी जॉब गवर्नमेंट सेक्टर में लग गया तो आप हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आईआईटी में एडमिशन दिलाएंगी ये टिप्स

देश में इंजीनियर बनने की चाह रखने वाले हर स्टूडेंट की चाहत होती है कि वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) से इंजीनियरिंग करे। आईआईटी में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को जेईई मेन एवं जेईई एडवांस परीक्षा पास करनी होती है। यहां हम आपको तैयारी के लिए कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं।

बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले सिलेबस के अनुसार अपना स्टडी प्लान बनाएं। जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों के सिलेबस लगभग समान होते हैं।

सेट करें वीकली और डेली टारगेट

स्टडी के लिए न्यूनतम घंटे तय करें। इसके साथ ही डेली या वीकली टारगेट सेट करें।

एनसीईआरटी की लें मदद

बेसिक तैयारी के लिए एनसीईआरटी बुक्स बहुत अच्छी मानी जाती हैं। इस कारण 11वीं से ही इन बुक्स से तैयारी करें।

क्लियर करें कॉन्सेप्ट

जेईई परीक्षा में आपके बेसिक्स की जांच होती है। पहले बेसिक कॉन्सेप्ट को समझें और इसके लिए थ्योरी पार्ट को पढ़ें।

स्मार्ट स्टडी

हार्ड वर्क के साथ ही स्मार्ट वर्क करें। इसके लिए नोट्स बनाएं, इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स, फॉर्मूला, शॉर्टकट, रिएक्शन आदि के साथ स्मार्ट स्टडी करें।

मॉक टेस्ट पेपर

अपनी स्पीड, लर्निंग एक्यूरेसी और टाइम मैनेजमेंट स्किल को परखने के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट पेपर सॉल्व करें।

कर सकते हैं कोचिंग

टफ और डाउट वाले प्रश्नों को आसानी से समझने के लिए आप कोचिंग भी ज्वॉइन कर सकते हैं।

12वीं में पीसीएम लेने के मतलब सिर्फ इंजीनियर बनना ही नहीं

छात्रों के बीच एक आम धारणा है कि 12वीं में मैथ्य लेने का मतलब है इंजीनियरिंग करना और साइंस लेने का मतलब है डॉक्टर बनना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर बच्चा सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना चाहता है। कई बच्चे ऐसे भी हैं जो अलग फील्ड में जाना चाहते हैं।

बन सकते हैं पायलेट

अगर आप बचपन से उड़ते हुए प्लेन को देख कर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप पायलट पाठ्यक्रम भी चुन सकते है। इसका कोर्स प्राइवेट कॉलेज भी करवाते है। हवाई यात्रा सस्ती होने के साथ, विमान उद्योग तेज गति उन्नति कर रहा है और वाणिज्यिक पायलटों की आवश्यकता भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। यदि आप आकाश में उड़ना चाहते हैं और पायलट बनना कहते है तो यह कोर्स आपके लिए परफेक्ट है।

मर्चेंट नेवी

यह कोर्स आज के समय में बेहतर ऑप्शंस है। इसमें आप मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस, शिप मेंटेनेंस आदि कोर्स कर सकते हैं। यह देश में सबसे अधिक सैलरी देने वाले कोर्सेज में से एक है। इसमें आपको कई देशों का सफर करने का मौका मिलता है तथा देश की सेवा करने का भी मौका मिलता है। काफी युवा छात्र मर्चेंट नेवी को अपना करियर बनाते है यह छात्रों की एक मनपसंद फील्ड है।

एनीमेशन का फील्ड

अगर आप क्रिएटिव हैं तो एनीमेशन के फील्ड में जा सकते हैं। 12वीं के बाद एनीमेशन की फील्ड में करियर बनाने का सपना काफी छात्रों का होता है। एनीमेशन की फील्ड काफी ज्यादा क्रिएटिव और मनोरंजक फील्ड है। इसमें छात्रों को कुछ नया करने को मिलता है। आज कल के समय में एनिमेटेड मूवीज, कार्टून्स काफी ज्यादा लोकप्रिय है ऐसे में एनीमेशन की फील्ड में बहुत कुछ कर दिखने का मौका है। कुछ साल पहले तक, केवल निजी संस्थान थे जो एनीमेशन के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते थे, परन्तु अब काफी इंस्टीटूट्स खुल गए है जो एनीमेशन का कोर्स करवाते है तथा नौकरी भी दिलाते है।

वीडियो गेम

कोरोना के बाद वीडियो गेम उद्योग बूस्ट पर चल रहा है। भारत में आज कई इंटरनेशन व नेशनल कंपनियां इस फील्ड में काम कर रही हैं। इस फील्ड में आपको कंप्यूटर लैंग्वेज पढ़ाई जाएगी और ग्राफिक डिजाइनिंग के बारे सिखाया जाता है। इस फील्ड में भी बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरुरत है। इस फील्ड में वेतन भी बहुत अच्छा है तथा भविष्य भी बहुत बढ़िया है।

एप डेवलपर

इस समय डिजिटल दुनिया में सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है ऐसे में एप डेवलपर का भविष्य बहुत ही अच्छा है। आप एप डेवलपिंग का कोर्स ज्वाइन कर के अपना करियर इस फील्ड में बना सकते है। इसमें वेतन भी बहुत ज्यादा मिलता है। आजकल सभी लोग अपना व्यवसाय ऑनलाइन करते जा रहे है ऐसे में सभी अपना एप बनवाते है और अपने बिजनेस को या प्रोडक्ट तो प्रमोट करते है इसलिए यह भी एक बहुत अच्छा करियर ऑप्शन है।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

आज के समय में यहां सैकड़ों आईटी फर्म हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। और ये आईटी फर्म एक बढ़िया 7 फिगर सैलरी देती है अपने सॉफ्टवेयर डेवलपर को। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल ये सभी कम्पनीज सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर करती है और अच्छा वेतन देती है। आजकल तो सभी बैंक्स भी ऑनलाइन हो गए है और लगभग सभी ऑफिसेस भी अपना सॉफ्टवेयर डेवेलप करवाते है। ऐसे में ये एक ऐसा करियर है जिसमे कभी पीछे नहीं मुड़ना पड़ेगा। सभी आईटी फर्म्स सॉफ्टवेयर डेवलपर को रखती है और अच्छा वेतन देती है।

बीसीए भी है ऑप्शन

अगर आप 12 वीं के बाद करियर ऑप्शन देख रहे हैं तो आपके लिए बीसीए एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है। अगर आपको कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो बीसीए आपके लिए बढ़िया चुनाव रहेगा। बीसीए करने के बाद आप किसी अच्छी आईटी कंपनी में जॉब कर सकते है और अगर आप बीसीए के बाद पोस्ट ग्रेजुएट एमसीए भी कर लेंगे तो कंप्यूटर की फील्ड में एक अच्छा करियर बना सकते है तथा उच्च वेतन की नौकरी भी मिल सकती है।

आप पेटिंग या ड्राइंग के साथ अपना स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पेटिंग डिपार्टमेंट से आप म्यूरल के लिए भी जा सकते हैं।

पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में बनाएं करियर

बदलते समय के साथ लोगों की सोच भी बदल रही है, खास कर ऐसे माता- पिता की जो अपने बच्चों पर बचपन से ही डॉक्टर-इंजीनियर बनने का दबाव डालते और इसे ही करियर के लिए सबसे बेहतर मानते थे। आज के समय में करियर के कई विकल्प खुल गए हैं। अब सिर्फ कॉमर्स या साइंस जैसे स्ट्रीम ही करियर की संभावना नहीं रह गया है। यही कारण है की मां-बाप अपने बच्चों को पसंद के अनुसार अपना करियर बनाने का मौका दे रहे हैं। इस समय फैशन एक ऐसा क्षेत्र है जो युवाओं को खुलकर जीने का मौका दे रहा है, जिससे आज युवा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपनी प्रतिभा निखारने के साथ अपना करियर बना रहे हैं।

क्या है बैचलर ऑफ फाइन आर्ट

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का स्वरूप बहुत बड़ा है। इसमें छात्रों को नृत्य, चित्र, फोटोग्राफी, फिल्म, वास्तुकला, आदि की शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं, ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार सालों का कोर्स होता है। शुरूआती सालों में आपको विजुअल आर्ट के सभी विषयों की जानकारी दी जाती है लेकिन अंतिम साल में आपको स्पेशलाइजेशन के रूप में एक विषय चुनना होता है।

जरूरी स्किल

अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते है तो आपको कला की अच्छी समझ होनीं चाहिए। इसके लिए आपमें कल्पनाशीलता और क्रिएटिविटी जैसी स्किल की बेसिक जानकारी जरूरी है। इसके अलावा थिंकिंग पावर और ड्राइंग, पेंटिंग, स्कैचिंग की अच्छी समझ होना जरूरी है। वहीं इस फील्ड के लिए आप नए- नए एक्सपेरिमेंट करते रहना जरूरी है, जिससे आपकी कला का और विकास हो सके। एक पेंटर के रूप में, एक उम्मीदवार विभिन्न कलाकृतियां बना सकता है जैसे कि वाटर कलर पेंटिंग, ऑइल पेंटिंग, इंक वॉश पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पेस्टल कलर पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, एनकॉस्टिक पेंटिंग आदि। एक पेंटर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करता है या उसका प्रदर्शन करता है।

करियर

यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर छात्रों को बीएफए कोर्स करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। आज कल बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स में काफी बच्चों को दिलचस्पी होती है। बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स एडवरटाइजिंग कम्पनीज, आर्ट स्टूडियोज, बाउटिकेस आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं। आज के समय में बैचलर ऑफ फाइन आर्टस का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं अच्छी पेंटिग्स भी लाखों- करोड़ो रुपए में बिक रही हैं, जिससे कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। अगर आप चाहें तो आप इसमें एमए करके रिसर्च के लिए जा सकते हैं और इसके बाद आप किसी प्राइवेट संस्थान या किसी सरकारी कॉलेज में पढ़ा सकते हैं। वैसे तो कोर्स पूरा होने के पहले ही अगर आपने मेहनत की तो आपको सफलता मिलनी शुरू हो जाती है, ज्यादातर को प्राइवेट संस्थानों में, घरों और ऑफिसों, सरकार की तरफ से दीवारों को सजाने या उनपर पेंट, पोर्ट्रेट बनाने जैसे काम मिलने शुरू हो जाते हैं। फ्रीलांस आर्टिस्ट के तौर पर भी आप कार्य कर सकते हैं।

क्या होती है जॉब प्रोफाइल

एक पेंटर बनने के लिए आपको बीए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, बीएफए पेंटिंग, बीए इन पेंटिंग, बीए इन विजुअल आर्ट्स, बीएफए एप्लाइड आर्ट्स, एमएफए, एमए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, डिप्लोमा इन पेंटिंग का कोर्स करना पड़ेगा। जिसके बाद आप पेंटर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, विजुअलाइजेशन प्रोफेशनल, इलेस्ट्रेटेर, डिजिटल डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, आर्ट प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, आर्ट कंजरवेटरआर्ट, डनेपनउ, आर्ट रेस्टोरेशन स्पेसलिस्ट, मुरलिस्ट पेंटर, कॉमिक आर्टिस्ट, एंटीरियर डिजाइनर से जॉब प्रोफाइल पर कार्य कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

सर्च ऑपरेशन में मिला 27 किलो विस्फोट

खैरा (जमुई)। एसएसबी के ए समवाय पारसी कंपनी ने सर्च ऑपरेशन के दौरान 27 किलोग्राम बारूद बरामद किया है। एसएसबी के कमांडेंट अनिल कुमार पठानिया ने बताया कि सूचना मिली कि गंभीरा पहाड़ी क्षेत्र में कुछ नक्सलियों का जमावड़ा लगा हुआ है। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान छैनिया पखल पहाड़ जंगल से एक चट्टान के दरार में चार बोरियां में 27 किलो विस्फोटक बरामद हुआ।

मामूली विवाद में चाचा को मारी गोली, रेफर

गोगरी (खगड़िया)। थाना क्षेत्र के मुश्कीपुर वार्ड संख्या 32 में मामूली विवाद में भतीजे ने चाचा को गोली मार दिया। चाचा को जख्मी हालत में लोगों ने इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक प्राथमिक उपचार बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। बताया जाता है कि मुश्कीपुर वार्ड संख्या 32 निवासी स्व। भूटो मंडल के पुत्र कृष्णदेव मंडल को गोली लगी है।

घर में लगी आग, जिंदा जल गयी लड़की

सौरबाजार (सहरसा)। घर में आग लगने से घर में सो रही एक 12 वर्षीय बालिका की झुलस कर मौत हो गयी है। घटना सौरबाजार थाना क्षेत्र के कांप पश्चिमी पंचायत स्थित वार्ड नंबर 11 में मंगलवार देर रात घटित हुई है। मिली जानकारी के अनुसार कांप पश्चिमी गांव में रंजीत ठाकुर मंगलवार की रात खाना खाने के बाद सपरिवार सो रहे थे और बगल में मवेशी बंधा हुआ था। जिसके मच्छर भगाने के लिए अलाव जल रहा था। देर रात अलाव से आग घर में लग गयी और पूरे घर को आग ने अपनी आगोश में ले लिया।

संदेहास्पद स्थिति में महिला सिंगर की मौत

जदिया (सुपौल)। थाना क्षेत्र की जदिया पंचायत के वार्ड नंबर पांच में स्टेज सिंगर महिला की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई। घटना बुधवार के सुबह की है। चांदनी देवी के भाई करजाइन थाना क्षेत्र के गोसपुर गांव निवासी जितेन्द्र कुमार ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। ससुराल पक्ष का कहना है कि वह लंबे दिनों से बीमार थी। बुधवार की सुबह अचानक मौत हो गयी।

धड़ से सिर अलग कर महिला का शव फेंका

मधुबन (पूचं)। राजेपुर थाना क्षेत्र के बूढ़ी गंडक के बायें तटबंध के गालिमपुर गांव के समीप मक्के के खेत में एक महिला का फेंका गया शव मिला है। 35-40 साल की महिला का सर व धड़ दोनों अलग-अलग था। महिला की पहचान नहीं हो पायी है। ग्रामीणों ने सुबह आठ बजे शव को बांध के किनारे देखा। इसके बाद पुलिस ने पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू की। यह स्थान मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर व पूर्वी चंपारण के राजेपुर थाने का सीमावर्ती इलाका है। मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बसपा नेता को पितृ शोक

मढ़ौरा(सारण)। बहुजन समाज पार्टी के राज्यसभा सदस्य ई. रामजी गौतम, बसपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष शंकर महतो, उपाध्यक्ष कुणाल किशोर विवेक एवं सारण जिला अध्यक्ष मनोज राम ने सामाजिक कार्यकर्ता वीर आदित्य को पितृ शोक की दुखद समाचार पर उनके घर असोइयां पहुंचें। सोमवार को नगर क्षेत्र के वार्ड सदस्य निर्मला देवी के आवास पर बसपा नेताओं ने मिलकर अपनी संवेदना प्रकट किया। वीर आदित्य के शोकाकुल माता से बातचीत कर सांत्वना दिया। मालूम को वीर आदित्य के पिता की 19 फरवरी को इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान पटना में इलाज के क्रम में मृत्यु हो गई। जिनका अन्तिम दाह संस्कार सेमरिया घाट पर परिजनों द्वारा की गई। जिसके बाद दुःखद समाचार सुन कर वीर आदित्य के आवास पर बसपा नेताओं ने अपनी संवेदना प्रकट किया। साथ में दरौदा विधानसभा से पूर्व में प्रत्याशी रहे रामा गणेश श्याम, एडवोकेट संतोष वालानकर, एडवोकेट दीपक शर्मा, विशाल मेहरा, शिक्षक बिनोद विद्यार्थी, अभिमन्यु मेहरा, दीपक महतो, धर्मबीर कुमार आर्य हरिचरण राम, अमित मेहरा अन्य साथी उपस्थित रहे।

नवादा में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प, सात गिरफ्तार

नवादा। नवादा में आपसी विवाद में बुधवार को दो समुदायों के बीच झड़प हो गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर हालात पर काबू पाया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों समुदाय के 7 लोगों को गिरफ्तार किया है।

ये घटना हिसुआ थाना क्षेत्र के मटुक बीघा और नरहट थाना क्षेत्र के बभनौर गांव की बताई जाती है, जहां आपसी विवाद को लेकर दोनों समुदाय के लोगों के बीच कहासुनी हुई, जो मारपीट में बदल गई। देखते ही देखते दोनों समुदायों के दर्जनों लोग मौके पर इकट्ठा हो गये। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों समुदायों के बीच रोड़ेबाजी शुरू हो गई। इस दौरान असामाजिक तत्वों ने जमकर तोड़फोड़ भी की है। सिराज नगर बाजार में स्थित एक दर्जन से अधिक दुकान के आगे लगे बिजली मीटर को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। वहीं, सड़क किनारे लगी चौकियों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। हालांकि, पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर किसी तरह विवाद को शांत कराया। साथ ही पुलिस ने माहौल बिगाड़ने वाले दोनों समुदायों से सात लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया।

इस विवाद में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। हिसुआ थाना के थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि इलाके में फिलहाल शांति है। पुलिस सतर्कता बरत रही है। मामला एक मामूली विवाद से शुरू हुआ लेकिन पुलिस की मुस्तैदी ने स्थिति को काबू कर लिया। माहौल बिगाड़ने और कानून को अपने हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद क्षेत्र के स्थानीय लोग डरे हुए है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है।

इन्हें किया गया गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों में हिसुआ थाना क्षेत्र के निवासी नरेश यादव का पुत्र राकेश कुमार, मधुसूदन शर्मा का पुत्र दीपक कुमार, नरेश कुमार निराला का पुत्र उज्ज्वल कुमार, छोटन यादव का पुत्र मुकेश कुमार, नरहट थाना क्षेत्र के बभनौर गांव के निवासी स्व. इदरीश का पुत्र मोहम्मद मूसा, मोहम्मद कलीम का पुत्र मोहम्मद नसीम और मोहम्मद कलीम का पुत्र मोहम्मद महफूज शामिल है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सीएम ने सेपक टाकरा वर्ल्ड कप-2025 के 'लोगो' व 'शुभंकर' का किया अनावरण

श्री नीतीश कुमार
द्वारा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज देर शाम बिहार में आयोजित होने वाले सेपक टाकरा वर्ल्ड कप-2025 के लोगो एवं शुभंकर का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने 'शुभंकर' एवं 'लोगो' का अनावरण आधुनिक थ्री डी होलोग्राम प्रोजेक्टर के माध्यम से किया, जो बिहार में पहली बार हुआ है। सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का 'लोगो' बिहार की संस्कृति, खेल भावना और भविष्य की ऊर्जा को एक साथ समेटे हुए है। इस खेल का 'शुभंकर' बिहार की ताकत और गौरव का प्रतीक है।

बिहार पहली बार सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी करने जा रहा है। सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन 20 से 25 मार्च 2025 तक पाटलिपुत्र खेल परिसर, पटना में आयोजित किया जाएगा जिसमें 25 से अधिक देशों के खिलाडी अपनी ताकत, कौशल और जुनून का प्रदर्शन करेंगे। सेपक टाकरा खेल मलेशिया का राष्ट्रीय खेल है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 38वें राष्ट्रीय खेल में बिहार के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। 38वां राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किया गया था जिसमें बिहार ने विभिन्न खेल विधाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक तथा 5 कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक अपने नाम किए जो राज्य के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बिहार के खिलाड़ियों ने लॉन बॉल्स में स्वर्ण पदक और तीरंदाजी, वुशू, तलवारबाजी, लॉन बॉल्स, योगा एवं रग्बी में रजत पदक तथा वुशू, लॉन बॉल्स, तलवारबाजी एवं मॉर्डन पेंटाथलॉन में कांस्य पदक जीता।

कार्यक्रम के दौरान सेपक टाकरा गेम्स एवं खेलो इंडिया यूथ पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ बी राजेन्दर ने हरित पौधा तथा इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह दहिया ने प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

बेगूसराय में युवक की हत्या कर शव को गेहूं के खेत में फेंका

मटिहानी (बेगूसराय)। मटिहानी थाना क्षेत्र की रामदीरी-एक पंचायत के चकवल्ली बहियार में एक 20 वर्षीय युवक का शव बुधवार को मटिहानी थाने की पुलिस ने बरामद किया है। शव की पहचान वीरपुर थाना क्षेत्र के सहुरी निवासी मो जुवेर के 20 वर्षीय पुत्र मो आजाद के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बेगूसराय लाया गया, मृतक के गले में एल्यूमीनियम का तार लपटा हुआ था। थानाध्यक्ष के अनुसार हत्या क्यों और किसने की यह अनुसंधान के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा।

घायल स्कूटी सवार को जज ने पहुंचाया हॉस्पिटल

कल्याणपुर (समस्तीपुर)। समस्तीपुर-दरभंगा मुख्य मार्ग पर बघमारा पुल के पास ट्रक से ओवरटेक करने के क्रम में स्कूटी चालक कार से टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्कूटी पर तीन छोटे बच्चे भी थे। वह भी घायल हो गये। कार पर एक जज सवार थे। उन्होंने स्थानीय पुलिस के सहयोग से सभी को सीएचसी पहुंचाया। घायलों की पहचान सिहिया गुलाब टोला के अरुण पासवान के पुत्र रिशु कुमार, शिबू कुमार व सोनू कुमार, स्वाति कुमारी के रूप में बतायी गयी है।

मढ़ौरा में मनाया गया स्वामी सहजानंद सरस्वती का जन्मदिवस समारोह

मढ़ौरा(सारण)। महान स्वतंत्रता सेनानी किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती का 137 वां जन्मदिवस समारोहपूर्वक प्रखंड के बहुआरापट्टी गांव में मनाया गया। स्वामी सहजानंद अमर रहें, संप्रदायवाद हो बर्बाद , हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सब आपस में भाई भाई, किसानों का कर्जा माफ हो, किसानों को पेंशन दो, आदि नारो से किसान नेता को श्रद्धांजलि दी गई। समारोह का शुभारंभ स्वामी जी के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। समारोह की अध्यक्षता समसुद्दीन साहब ने किया। मुख्य अतिथि की हैसियत से रामबाबू सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज भारत सरकार की किसान विरोधी नीति के चलते किसानों के आंदोलन को दबाया जा रहा है और उनके बीच सांप्रदायिक बीजारोपण कर उनकी एकता को खंडित किया जा रहा है । ऐसे में सरकार की किसान विरोधी नीति का विरोध करना ही स्वामी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।

1.45 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोपित पंकज सिंह गिरफ्तार

मुंगेर। सीबीआइ गोवा की टीम बुधवार को मुंगेर पहुंची और तारापुर थाना क्षेत्र के लौना परसा गांव में छापेमारी कर सिकंदर प्रसाद सिंह के पुत्र पंकज सिंह को गिरफ्तार किया। जिस पर इलाहाबाद बैंक गोवा शाखा में वर्ष 2018 में 1।45 करोड़ रुपये धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। जिसकी जांच सीबीआइ टीम कर रही थी। गिरफ्तार आरोपी को मुंगेर कोर्ट में उपस्थापन के उपरांत टीम आरोपी को अपने साथ लेकर गोवा चली गयी। बताया जाता है कि इलाहाबाद बैंक गोवा शाखा में वर्ष 2018 में 1।45 करोड़ का धोखाधड़ी हुआ था। इसको लेकर सीबीआइ की मापूसा एडीजे स्पेशल कोर्ट में केस संख्या 1/24 दर्ज है। इसमें आइपीसी की धारा 120बी, 420, 467, 468, 471 लगा हुआ है। जिसका प्राथमिक अभियुक्त पंकज सिंह है। इस केस की जांच सीबीआई कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार जांच के दौरान अभियुक्त की संलिप्तता मिलने पर सीबीआई गोवा से दो सदस्यीय टीम बुधवार को मुंगेर पहुंची और तारापुर थाना क्षेत्र के लौना परसा गांव में छापेमारी कर धोखाधड़ी के आरोपित पंकज सिंह को उसके घर से गिरफ्तार किया। टीम ने इसकी सूचना तारापुर थाना देते हुए उसे जिला मुख्यालय ले आया। जिसका सदर अस्पताल में मेडिकल जांच कराया गया। जहां से उसे मुंगेर कोर्ट के एसीजेएम प्रथम के न्यायालय में उपस्थापन कराया।

लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला धराया

लखीसराय। साइबर थाना की पुलिस लगातार साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में साइबर थाना लखीसराय की पुलिस ने डीएसपी सह साइबर थानाध्यक्ष सुचित्रा कुमारी के नेतृत्व में शहर के टाउन थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्मरायचक मुहल्ले में छापेमारी कर दो अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार युवक शेखपुरा जिला के निवासी हैं तथा धर्मरायचक मुहल्ले में किराये पर कमरा लेकर रहा करते थे। इस संबंध में डीएसपी सह साइबर थानाध्यक्ष सुचित्रा कुमारी ने अपने कार्यालय में बुधवार को एक प्रेस वार्ता कर बताया कि साइबर थाना लखीसराय को विगत कुछ समय से साइबर अपराधियों की सूचना केंद्रीकृत पोर्टल एनसीआरपी एवं प्रतिबिंब पोर्टल पर मोबाइल नबर 8670565269 के विरूद्ध शिकायत प्राप्त हो रही थी। जिसमें लोगों को रिलायंस फाइनेंस से लोन दिलाने के नाम पर ठगी किया जाता है। जिसके बाद उनके द्वारा साइबर थाना लखीसराय के तकनीकी टीम को इसकी जांच का आदेश दिया है।

पेज एक का शेष

रांची के पहाड़ी मंदिर...

पहाड़ी मंदिर से निकाली गई शिव बारात : रांची पहाड़ी मंदिर परिसर से शिव बारात निकाले जाने से पहले श्रद्धालुओं ने पहाड़ी मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना की, जिसमें राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश समेत कई राजनेता शामिल हुए। शिव बारात आयोजन समिति के बैनर तले पहाड़ी मंदिर से निकाली गई यह झांकी रातू रोड कचहरी चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक तक गई, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

दो समुदाय के लोग...

इस बार शिवरात्रि के मौके पर एक पक्ष ने चौक पर लाउडस्पीकर लगाने की कोशिश की, जिसका दूसरा पक्ष विरोध करने लगा। थाना प्रभारी संतोष कुमार दोनों पक्षों को समझाने पहुंचे, लेकिन तभी एक समुदाय के लोगों ने अचानक पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे स्थिति बेकाबू हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच हिंसा तेज हो गई और चौक पर भगदड़ मच गई।

झारखंड-बिहार का...

प्रेमिका से आया था मिलने : बताया जा रहा है कि विवेक यादव अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए आया था। इसी दौरान उसके साथियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। हत्या को क्यों अंजाम दिया गया, ये फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन आशंका जताई जा रही है कि पुलिस से पकड़े जाने के डर से विवेक के साथियों ने उसकी हत्या की है।

झारखंड में कई नक्सली घटनाओं में था शामिल : बता दें कि, झारखंड पुलिस ने विवेक पर दस लाख का इनाम रखा था। जबकि बिहार पुलिस ने उस पर तीन लाख का इनाम घोषित कर रखा था। विवेक बिहार झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी और मध्य बिहार जोनल कमेटी में शीर्ष नक्सली लीडर में शामिल था और कई सालों से वह सक्रिय था। विवेक झारखंड में कई नक्सली घटनाओं में शामिल था।

नक्सली नेता संदीप की मौत के बाद संभाली थी कमान : नक्सली नेता संदीप की मौत के बाद विवेक यादव ने ही माओवादी संगठन की कमान संभाल रखी थी।

झारखंड ट्राइबल...

नवगठित टीएसी में पदेन उपाध्यक्ष विभागीय मंत्री चमरा लिंडा होंगे। इसके अलावा कमेटी में विभिन्न दलों के विधायकों को मिलाकर कुल 15 विधायक हैं। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन भी बतौर सदस्य शामिल हैं। इसके अलावा अनुसूचित जनजाति वर्ग से दो सदस्यों का भी मनोनयन किया गया है। पूर्व में टीएसी गठन को लेकर विवाद भी हो चुका है।

नवगठित टीएसी : पदेन अध्यक्ष : हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री, पदेन उपाध्यक्षः चमरा लिंडा, विभागीय मंत्री, पदेन उपाध्यक्ष, सदस्यः विधायक स्टीफन मरांडी, विधायक आलोक कुमार सोरेन, विधायक लुइस मरांडी, विधायक संजीव सरदार, विधायक चंपई सोरेन, विधायक सोनाराम सिंकू, विधायक जगत मांझी, विधायक दशरथ गगराई, विधायक सुदीप गुड़िया, विधायक राम सूर्य मुंडा, विधायक राजेश कच्छप, विधायक जिगा सुसारन होरो, विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, विधायक रामचंद्र सिंह, विधायक बाबूलाल मरांडी, मनोनीत सदस्य : जोसाई मार्डी, भुटका, पोटका, पूर्वी सिंहभूम, नारायण उरांव, रोल गांव, रांची।

सीएम हेमंत कल...

ताकि, एक क्लिक में पूरी जानकारी उपलब्ध हो सके।

जिन शिक्षकों को टैब दिया जायेगा, उनके लिए झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से सूची जारी कर दी गई है। इसमें वे शिक्षक शामिल होंगे, जो ई-विद्यावाहिनी पर बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करते हैं। टैबलेट की सप्लाई के लिए मेसर्स एसआईबीआईएन लर्निंग कार्ट प्राइवेट लिमिटेड के साथ करार किया गया है। कंपनी द्वारा आपूर्ति के बाद एक साल तक टैब का देखभाल भी किया जायेगा। रांची को छोड़कर अन्य जिलों के 6-6 प्रिंसिपल इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं पश्चिमी सिंहभूम के 1772 शिक्षक शामिल होंगे।

भाजपा के सात...

इससे पहले, बिहार के राजस्व मंत्री और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने पार्टी की "एक व्यक्ति, एक पद" नीति का हवाला देते हुए अपने मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। जायसवाल ने कहा, "मैं राजस्व मंत्री के पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। 'एक व्यक्ति, एक पद' वह सिद्धांत है, जिस पर पार्टी काम करती है। मैं आभारी हूं कि केंद्रीय नेतृत्व ने मुझे पार्टी की राज्य इकाई की जिम्मेदारी दी है।" बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि हमारी राज्य इकाई की बैठक 4 मार्च को होगी, जिसमें हमारी पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।'

अब बीजेपी के मंत्रियों की संख्या 21 हो गयी : इस वक्त नीतीश कैबिनेट में मंत्रियों की संख्या 29 है। सात पद खाली थे। इस समय भारतीय जनता पार्टी से 14, जेडीयू से 13, हम से 1 और एक निर्दलीय कोर्ट से मंत्री हैं। अब सात नए चेहरे बीजेपी के कोटे से शामिल हो गए। ऐसे में अब बीजेपी कोटे से मंत्रियों की संख्या 21 हो गयी।

43,59,53,250 रुपये...

EB-5 कार्यक्रम का अंत : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह गोल्ड कार्ड पहल मौजूदा EB-5 कार्यक्रम की जगह ले सकती है। EB-5 कार्यक्रम के तहत प्रवासी निवेशक अमेरिकी व्यवसायों में निवेश करके ग्रीन कार्ड प्राप्त करते थे। वाणिज्य सचिव लुटनिक ने बताया कि 'गोल्ड कार्ड' के लिए धन सीधे अमेरिकी सरकार को जाएगा और EB-5 कार्यक्रम को समाप्त कर दिया जाएगा।

कैसे मिलेगा गोल्ड कार्ड : ट्रंप ने कहा कि इस योजना के तहत अमीर लोग गोल्ड कार्ड खरीदकर अमेरिका में आएंगे। वे सफल और संपन्न होंगे, और इससे न केवल देश को टैक्स के रूप में आय प्राप्त होगी, बल्कि वे रोजगार भी सृजित करेंगे। हालांकि, इस कार्यक्रम को कैसे लागू किया जाएगा, इस पर अभी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अमेरिकी व्यवसायों को फायदा हो सकता है, जबकि कुछ ने इसके सामाजिक और नैतिक पहलुओं पर सवाल उठाए हैं।

सूडान में दुर्घटना..

सैन्यकर्मी और नागरिक मारे गए : सेना के बयान के मुताबिक, दुर्घटना में सैन्यकर्मी और नागरिक मारे गए हैं। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि अब तक कितने लोगों के मारे जाने की सूचना है। इसमें यह भी नहीं बताया गया कि दुर्घटना किस कारण से हुई।

दो छोटे भाई-बहनों समेत पांच घायल नागरिक भी भर्ती : इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कम से कम 46 लोग मारे गए, जिनके शवों को ओमदुरमान के नाउ में स्थानांतरित कर दिया गया है। अस्पताल में दो छोटे भाई-बहनों सहित पांच घायल नागरिक भी भर्ती थे।

सूडान में 2023 से गृहयुद्ध की स्थिति : सूडान 2023 से गृहयुद्ध की स्थिति में है, जब सेना और एक कुख्यात अर्धसैनिक समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच तनाव खुले युद्ध में बदल गया। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय अधिकार समूहों के अनुसार, लड़ाई ने शहरी इलाकों को तबाह कर दिया है। हाल के महीनों में युद्ध तेज हो गया है, क्योंकि सेना खार्तूम और देश के अन्य हिस्सों में आरएसएफ के खिलाफ लगातार आगे बढ़ रही है।

आखिरी दिन 1.53 करोड़...

साल 2019 में अर्धकुंभ में 24 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई थी। लेकिन ये रिकॉर्ड 2025 में टूट गया। इस आंकड़े की मानें तो महाकुंभ में हर रोज 1.5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में डुबकी लगाई। हालांकि, सरकार ने कहा कि हमने महाकुंभ में 100 करोड़ लोगों के हिसाब से व्यवस्था की है।

144 साल बाद अद्भुत संयोग : इस बार का महाकुंभ कई मायनों में खास रहा, 144 साल बाद ऐसा अद्भुत संयोग आया था कि हर शख्स संगम में पवित्र डुबकी लगा लेने को लेकर उत्साहित था। प्रयागराज तक पहुंचने के लिए लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन संगम में डुबकी लगाने के बाद सबके चेहरे पर एक अलग तरह का संतोष भी दिखा। वैसे महाकुंभ में क्या आम क्या खास हर वर्ग के लोग आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंचे और करीब-करीब देश की आधी आबादी ने तो महाकुंभ में स्नान कर ही लिया है।

इस बार महाकुंभ में 9 लाख साधु-संत और 10 लाख कल्पवासी भी मेला क्षेत्र में रहे। मेला क्षेत्र में 4 लाख से ज्यादा तंबू लगाए और 1.5 लाख ज्यादा टॉयलेट बनाए गए थे, जिसमें 350 मोबाइल टॉयलेट्स भी शामिल थे। इसके अलावा अखाड़ों और साधु-संतों के लिए कई बड़े पंडाल और 50 हजार से ज्यादा अस्थायी आश्रम बनाए गए थे।

ट्रेन से महाकुंभ पहुंचे 30 करोड़ श्रद्धालु : अखाड़े के संतों ने कुल छह 'स्नानों' में से तीन में भाग लिया, जिन्हें अमृत स्नान के रूप में जाना जाता है - मकर संक्रांति (14 जनवरी), मौनी अमावस्या (29 जनवरी) और बसंत पंचमी (3 फरवरी)। हालांकि, यह अमृत स्नान नहीं था, लेकिन महाशिवरात्रि स्नान कुल छह 'स्नानों' में से आखिरी था, अन्य दो पौष पूर्णिमा (13 जनवरी) और माघी पूर्णिमा (11-12 फरवरी) थे। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि संगम में डुबकी लगाने के लिए 30 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु ट्रेन से महाकुंभ पहुंचे। इसके साथ-साथ 73 देशों के डेलीगेट्स और 50 लाख विदेशी नागरिक भी महाकुंभ में डुबकी लगाई।

30 श्रद्धालुओं की मौत : 29 जनवरी को दूसरे अमृत स्नान के वक्त अव्यवस्था और त्रासदी की स्थिति पैदा हो गई, जिससे संगम तट भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में कथित तौर पर 30 लोगों की मौत हो गई।

सबसे बड़े स्टेडियम से 160 गुना बड़ा था मेला क्षेत्र : महाकुंभ क्षेत्र 4 हजार हेक्टेयर में था, ये दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम का 160 गुना बड़ा था। महाकुंभ मेला क्षेत्र में रिकॉर्ड 25 सेक्टर बनाए गए थे। 13 किलोमीटर के दायरे में 42 घाट बनाए गए थे। 42 घाटों में दस पक्के घाट भी थे। गंगा-यमुना को पार करने के लिए 30 पांटून पुल भी तैयार किए गए। महाकुंभ मेले के लिए 56 थाने और 144 चौकियां बनाई गईं 2 साइबर थाने अलग से बनाए गए कुल 50 हजार सुरक्षाकर्मी मेला क्षेत्र में तैनात रहे।

राज्य के अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए महाकुंभ में 37,000 पुलिस कर्मियों और 14,000 होमगार्डों को तैनात किया गया है, जबकि 2,750 एआई आधारित सीसीटीवी, तीन जल पुलिस स्टेशन, 18 जल पुलिस नियंत्रण कक्ष और 50 वॉच टावर लगाए गए।

विविध

धनबाद में बाइक सवार अपराधियों ने की फायरिंग, दो मजदूरों को लगी गोली

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद जिले के महुदा थाना क्षेत्र में महुदा कोल वाशरी से सटे मुरलीडीह रेलवे फाटक के समीप श्री तिरुपति बालाजी इंटरप्राइजेज द्वारा एलएचएस अंडरपास बनाया जा रहा है। मंगलवार की रात मजदूरों पर बाइक पर आए दो अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें दो मजदूरों को गोली लगी है। दोनों मजदूर घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल मजदूर बिहार के बेगूसराय के रहने वाले हैं। इनके नाम लाला साहनी और झूलो चौधरी है। फायरिंग से इलाके में दहशत है। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

घटनास्थल से एक मैगजीन और आठ खोखे बरामद : मजदूर लाला साहनी को एक गोली जांघ में लगी है, जबकि एक पेट में लगी है। झूलो चौधरी की जांघ में एक गोली लगी है। दोनों मजदूरों को समुचित इलाज के लिए धनबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धनबाद की महुदा पुलिस ने घटनास्थल से एक मैगजीन और आठ खोखे बरामद किए हैं।

भोजन करने के दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग : बिहार के छह लोग अंडरपास के निर्माण कार्य में लगे हैं। काम कर वे यहां रात का भोजन बनाकर खाना खाने बैठे थे। तभी रात लगभग 9 बजे बाइक पर सवार दो अपराधी वहां पहुंचे और उन पर ताबड़तोड़ गोली चलाने लगे। इसमें दो मजदूरों को गोली लगी। सभी चिल्लाते हुए जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। दोनों घायल भी उसी हालत में वहां से भागते हुए महुदा कोल वाशरी की ओर चले गए। इसके बाद घटना की जानकारी महुदा पुलिस को दी गयी। सूचना पाकर महुदा इंस्पेक्टर ममता कुमारी और महुदा थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भेजकर छानबीन शुरू कर दी।

ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने मजदूरों से की पूछताछ : धनबाद के ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी भी सूचना मिलते घटनास्थल पहुंचे और मजदूरों से पूछताछ की। इस संबंध में ग्रामीण एसपी ने कहा कि यहां अज्ञात बाइक सवार दो अपराधियों द्वारा मजदूरों पर फायरिंग की गयी है। ये जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

मणिपुर में लोगों ने 87 हथियार पुलिस को सौंपे

इंफाल। मणिपुर के सात जिले में लोगों ने सुरक्षा बलों को कुल 87 हथियार और गोला-बारूद सौंपे। सबसे अधिक हथियार इंफाल पश्चिम जिले में सौंपे गए। इनमें 12 कार्बाइन मशीन गन और मैगजीन, .303 की दो राइफल के साथ मैगजीन, दो एसएलआर राइफल और उसकी मैगजीन, 12 बोर 'सिंगल बैरल की चार गन और एक आईईडी शामिल है। पुलिस ने बुधवार को बताया, जिरीबाम जिले में सौंपे गए हथियारों में 12 बोर की पांच डबल बैरल बंदूक, नौ कार्बाइन के साथ मैगजीन और एक ग्रेनेड शामिल है। कांगपोकपी जिले में दो मैगजीन के साथ एके-47 राइफल, .303 राइफल, एक स्मिथ एंड वेसन रिवॉल्वर, मैगजीन के साथ .22 पिस्तौल, एक 'सिंगल बैरल' राइफल और ग्रेनेड समेत हथियार सौंपे गए।

भारत विरोधी नारे लगाने वाले कबाड़ियों के खिलाफ चला देवेंद्र भाऊ का बुलडोजर

-स्थानीय लोगों ने बाप-बेटे को पुलिस के हवाले किया

मुंबई। महाराष्ट्र के मालवण में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के बाद भारत विरोधी नारे लगाने वाले कबाड़ियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज करा दिया है। नारेबाजी करने वालों के खिलाफ हिंदू समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर जय छत्रपति शिवाजी महाराज, जय भवानी, जय शिवाजी, हर हर महादेव जैसे नारे लगाए। बीजेपी विधायक नीलेश राणे ने मामले में आक्रामक रुख दिखाकर नगर पालिका प्रशासन को पत्र सौंपकर भारत विरोधी नारे लगाने वाले व्यक्ति के अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया था, इस पर संज्ञान लेकर नगरपालिका ने अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। दरअसल भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान और भारत की जीत के बाद कबाड़ व्यापारियों ने भारत के खिलाफ नारे लगाए थे। जब शहर के लोगों ने नारे लगाने वाले लड़के से इस बारे में पूछा तब वहां भाग गया। बाद में वह लड़का हनुमान मंदिर में मिला। दुबारा पूछताछ करने पर लड़के ने कहा कि वह अपने पिता से मिलना चाहता है। जब लड़के पिता को इस बारे में बताया, तब उन्होंने भी देश के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी की। जैसे ही खबर सब जगह फैली, घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने नारे लगाने वालों को मालवण पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की गंभीरता को देखकर मालवण में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

बाघिन ने दो ग्रामीणों पर किया हमला, फिर गांववालों ने पीट-पीटकर मार डाला

लखीमपुर खीरी । लखीमपुर खीरी में दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन के एक गांव में भटककर पहुंची बाघिन ने दो स्थानीय ग्रामीणों पर हमला किया था। गुस्साए स्थानीय लोगों ने दो साल की बाघिन को बुधवार को कथित तौर पर मार डाला। दुधवा बफर जोन के उपनिदेशक ने बताया कि वन अधिकारियों ने पलिया तहसील के गांव से बाघिन के शव को बरामद कर रेंज मुख्यालय भेज दिया है। उन्होंने बताया कि वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत पलिया पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घायल गांवों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत स्थिर है। अधिकारी ने कहा कि जानवर का पोस्टमार्टम राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया और विसरा को विस्तृत विश्लेषण के लिए आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली भेजा गया है।

खालिस्तान मुर्दाबाद का चैलेंज देने वाले सोशल मीडिया यूजर के खिलाफ हरभजन सिंह ने दर्ज कराया केस

चंडीगढ़ । पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी के नेता हरभजन सिंह ने एक एक्स यूजर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करावा दी है। दरअसल शख्स ने हरभजन सिंह की इंस्टाग्राम स्टोरी का स्क्रीनशॉट ट्विटर पर शेयर कर उन्हें चैलेंज दिया था कि क्या वे खालिस्तान मुर्दाबाद लिख सकते हैं। इस पर हरभजन ने तीखा ट्वीट कर आरोप लगाने वाले शख्स को मानसिक रूप से बीमार करार दिया। भज्जी को चैलेंज देकर लिखा गया था, 100 बात की 1 बात, अगर भज्जी सच्चा देशभक्त हैं, तब एक बार खालिस्तान मुर्दाबाद ट्वीट कर दे, मैं उससे माफी मांग लूंगा। इस पर भज्जी ने पुलिस में केस भी दर्ज कराया है। भज्जी ने खुद को खालिस्तान मुर्दाबाद कहने का चैलेंज देने वाले अकाउंट की एक पुरानी पोस्ट को निकालकर शेयर किया। उन्होंने लिखा, तू किस तरफ का है? जो हमारे अयोध्या के हिन्दू भाईओं को गलत बोल रहा है। मुझे तेरी दिमागी हालत से ज्यादा तेरे देशद्रोही होने पर शक है। दरअसल संबंधित एक्स अकाउंट से अयोध्या के हिंदुओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। यूजर ने हरभजन पर फिर से आरोप लगाया कि वे पाकिस्तान का समर्थन करते हैं और वह यदि गलत साबित करना चाहते हैं, तब खालिस्तान मुर्दाबाद कहें। अब हरभजन की ओर से कहा गया है कि उन्होंने एक्स अकाउंट यूजर के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है। वहीं पता चला हैं कि खालिस्तान मुर्दाबाद कहने का चैलेंज देने वाले शख्स की पहचान अभिषेक के नाम से हुई है। वह करीब 50 हजार रुपये तक की नौकरी कर रहे थे, जिनसे उन्होंने पिछले दिनों ही छोड़ दिया था। वे फिलहाल राजनीतिक टिप्पणियां ही सोशल मीडिया पर करते रहते हैं।

36 लाख रुद्राक्ष से निर्मित 36 फूट ऊंचे शिवलिंग ने स्थापित किया विश्व कीर्तिमान

वलसाड। जिले के वांकल गांव में शिवभक्तों ने महाशिवरात्रि महोत्सव पर 36 फूट ऊंचे शिवलिंग का निर्माण कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है7 36 लाख रुद्राक्ष से निर्मित विशाल शिवलिंग भक्तों को आकर्षित कर रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि रुद्राक्ष को भगवान शिव की आंख से गिरे आंसू के रूप में शिव का एक रूप माना जाता है और रूद्राक्ष शिवलिंग का अभिषेक करने से कई गुना पुण्य प्राप्त होता है। लगातार चार बार लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा चुका धर्मपुर के बटुक महाराज का रुद्राक्ष शिवलिंग शिवरात्रि महोत्सव में लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस साल भी 36 लाख रुद्राक्षों से बना विशाल शिवलिंग भक्तों को आकर्षित कर रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि रुद्राक्ष को भगवान शिव की आंख से गिरे आंसू के रूप में शिव का रूप माना जाता है और रुद्राक्ष शिवलिंग का अभिषेक करने से कई गुना पुण्य प्राप्त होता है। हिंदू धर्मग्रंथों में शिवलिंग पूजा का अत्यधिक महत्व है और शास्त्रों में रुद्राक्ष शिवलिंग का धार्मिक महत्व है। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार कहा जाता है कि जहां शिवजी की पूजा होती है, रुद्राक्ष का शिवलिंग भक्तों के लिए भी आकर्षण और आस्था का केंद्र बन जाता है। हिंदू धर्मग्रंथों में शिवलिंग पूजा का अत्यधिक महत्व है और शास्त्रों में रुद्राक्ष शिवलिंग का धार्मिक महत्व है। पुराण शास्त्र के अनुसार कहा जाता है कि जहां शिवजी की पूजा होती है, वहां रुद्राक्ष अवश्य होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर दक्षिण गुजरात की धरमपुर तहसील के वांकल गांव में 36 लाख रुद्राक्ष से 36 फीट ऊंचा शिवलिंग बनाया गया है। महाशिवलिंग का निर्माण धरमपुर के खारवेल निवासी बटुक महाराज ने कराया है।

फिक्सरों की नियुक्ति रोकने पर संजय राउत ने की फडणवीस की तारीफ

पीएम मोदी-शरद पवार की तस्वीर पर महाराष्ट्र में सियासी चर्चाओं का बाजार गर्म

मुंबई (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी और एनसीपी(एसपी) प्रमुख शरद पवार की दिल्ली में हुई मुलाकात की तस्वीर की चर्चाएं महाराष्ट्र में खूब हो रही हैं। इस बीच महाराष्ट्र की सियासत में दो बड़े अपडेट देखे जा रहे हैं। पहला शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत के सुर बदल गए हैं। उन्होंने सरकार के फैसलों पर सीएम देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की है। वहीं दूसरी ओर शरद पवार की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद पाटिल के राजनीतिक रुख पर अटकलें तेज हो गई हैं।

बता दें दिल्ली में 21 फरवरी को 98वां अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि पीएम मोदी पहुंचे थे। शरद पवार कार्यक्रम के आयोजक मंडल में शामिल थे। पीएम मोदी जब दीप प्रज्ज्वलन करने पहुंचे तो उन्होंने शरद पवार से आगे आने का अनुरोध किया। उसके बाद जब पवार अपना संबोधन खत्म करके सीट की तरफ लौट रहे थे तो पीएम मोदी ने सीट पर बैठने में मदद की और उनको पानी का गिलास भरकर दिया। सोशल मीडिया पर इस वीडियो की खूब तारीफ हो रही है।

इस बीच अब खबर आ रही है कि महाराष्ट्र एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष जयंत पाटिल और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले में बैठक की है। हालांकि, पाटिल ने सफाई में कहा कि मुंबई में बैठक के दौरान राजनीति पर चर्चा नहीं हुई। पाटिल ने कहा कि हमने सांगली जिले में अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित कार्यों को लेकर बावनकुले से मुलाकात की। पूर्व मंत्री पाटिल को शरद पवार का बेहद करीबी माना जाता है। पाटिल ने कहा कि हां, मैं बावनकुले से मिला था। मैंने अपने क्षेत्र से संबंधित काम के लिए उनसे मुलाकात की। मेरे साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी था और 25 मिनट की बैठक में कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। हमने सिर्फ स्थानीय मुद्दों पर बातचीत की।

पाटिल ने बैठक में सांगली जिले के मुद्दों से संबंधित कम से कम एक दर्जन मांगें रखीं और भूमि रिकॉर्ड की ऑनलाइन प्रोसेसिंग के संबंध में बात की। पाटिल ने कहा कि यह एक अहम मुद्दा है, जिसे मैंने बावनकुले के ध्यान में लाया। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित कई मामलों को हल करने की जरूरत है। बावनकुले ने कहा कि राज्यमंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल भी बैठक में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि करीब 400 से 500 लोग भी मौजूद थे। बैठक में कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। पाटिल ने हाल ही में एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद नितिन गडकरी के साथ मंच साझा किया था।

वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने फिक्सर को मंत्रियों का ओएसडी या पीएस नहीं बनने देने के लिए सीएम फडणवीस की तारीफ की है। राउत ने कहा कि जिन लोगों को पदों के लिए नजरअंदाज किया गया, उनमें से अधिकांश शिवसेना (शिंदे) के मंत्री थे। उन्होंने दावा किया कि कैबिनेट मंत्रियों के 16 निजी सचिवों या विशेष कर्तव्य अधिकारियों (ओएसडी) की नियुक्ति को फडणवीस ने मंजूरी नहीं दी, उनमें से 13 शिवसेना के मंत्री थे।

राउत ने फिक्सरों की नियुक्ति को रोकने के लिए फडणवीस की तारीफ की। राउत ने कहा, मेरे पास 16 पीएस के नाम हैं, जिनमें से 13 शिंदे के हैं और बाकी अजित पवार खेमे के हैं। वह फडणवीस सख्त फैसले ले रहे हैं। हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हम राज्य के हित में लिए गए फैसलों का समर्थन करते हैं।

उन्होंने कहा कि फडणवीस ने महाराष्ट्र के खजाने की लूट रोक दी है। राउत का कहना था कि जब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे और जिन परियोजनाओं की लागत बढ़ा दी गई थी, उन स्वीकृत प्रोजेक्ट पर काम सस्पेंड करके फडणवीस ने राज्य की लूट को रोक दिया है। बता दें फडणवीस ने कहा था हमने पीएस या ओएसडी के रूप में नियुक्ति के लिए कैबिनेट मंत्रियों द्वारा भेजे गए 125 नामों में से 109 को मंजूरी दे दी, लेकिन अन्य को मंजूरी नहीं दी क्योंकि वे या तो पूछताछ का सामना कर रहे हैं या फिक्सर के रूप में जाने जाते हैं।

केंद्र पांच साल में असम में जलमार्ग विकास पर 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगा : सोनोवाल

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार अगले पांच साल में असम में जलमार्ग और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास पर 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री यहां 'एडवांटेज असम 2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन' के दौरान राज्य की सड़क, रेलवे और नदी अवसंरचना पर आयोजित सत्र में यह बात कही। सोनोवाल ने कहा, '' मैं घोषणा करना चाहता हूं कि अगले पांच साल में मेरा मंत्रालय असम में 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगा।'' यह राशि जहाज मरम्मत सुविधा, बंदरगाहों के लिए वैकल्पिक सड़कों के निर्माण तथा टर्मिनल के विकास जैसे विभिन्न कार्यों पर खर्च की जाएगी। सोनोवाल ने कहा कि राज्य में समुद्री शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया जाएगा, जिसमें पोत परिवहन उद्योग के लिए सालाना 5,000 कुशल युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने आर्थिक वृद्धि में जलमार्गों के महत्व का उल्लेख किया और कहा कि 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के सत्ता में आने के बाद से इस क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा, '' भारत का लक्ष्य 2030 तक समुद्री क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र और शीर्ष पांच जहाज विनिर्माण देशों में से एक बनना है।

पीएम मोदी मई में जा सकते हैं रुस, विजय दिवस परेड में होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी 9 मई को मास्को के रेड स्क्वायर में आयोजित होने वाले विजय दिवस परेड में शामिल हो सकते हैं। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में रुसी सैन्य सूत्रों के हवाले से जानकारी दी कि इस यात्रा के दौरान भारतीय सेना की एक टुकड़ी भी परेड में शामिल हो सकती है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच बातचीत चल रही है। पीएम मोदी पहले भी रूस और यूक्रेन दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मिलकर शांति की अपील कर चुके हैं।

रिपोर्ट में सैन्य सूत्र ने बताया कि रेड स्क्वायर पर होने वाले परेड में भारतीय सशस्त्र बलों की एक औपचारिक टुकड़ी की भागीदारी पर भी काम किया जा रहा है, जिसे रिहर्सल के लिए कम से कम एक महीने पहुंचना चाहिए। सूत्र ने यह भी बताया कि भारतीय सैन्यकर्मियों को रूस भेजने से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा चल रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक रूसी विदेश मंत्री ने पहले ही कहा था कि कई आमंत्रित देशों ने 9 मई को मास्को में होने वाले कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। यह कार्यक्रम द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की जा रही है।

पीएम मोदी पिछले साल अक्टूबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस गए थे। यह शिखर सम्मेलन रूस की अध्यक्षता में कजान में आयोजित हुआ था। यह यात्रा ऐसे समय में और भी अहम हो जाती है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच बातचीत चल रही है। इस महीने की शुरुआत में रियाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। पीएम मोदी ने अपनी पिछली यात्राओं में रूसी राष्ट्रपति और यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की से मुलाकात करके शांति की पुरजोर अपील की थी।

गवाह की कोई उम्र नहीं होती, बच्चों की गवाही भी मान्य: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया कि गवाह के लिए कोई न्यूनतम उम्र नहीं होती और बच्ची के बयान को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि वह 7 साल की है। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की हत्या का दोषी ठहराया और उम्रकैद की सजा सुनाई। यह मामला खास इसलिए है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 7 साल की बच्ची की गवाही को आधार बनाया, जिसने अपनी मां की हत्या होते देखी थी।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने एमपी हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाईकोर्ट ने बच्ची के बयान को खारिज कर दिया था और आरोपी को बरी कर दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एविडेंस एक्ट में गवाह की न्यूनतम उम्र तय नहीं है। इसलिए, बच्ची की गवाही को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर बच्चा गवाही देने के लिए सक्षम है, तो उसकी गवाही किसी अन्य गवाह की तरह ही मानी जाएगी। लेकिन, अदालत को बच्चे के बयान की जांच बहुत ध्यान से करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे जल्दी बहकावे में आ सकते हैं।सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए। इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई।यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा। ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

30 अप्रैल से शुरू होगी चारधाम यात्रा, जानें कब खुलेंगे केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के कपाट

नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा जल्द ही शुरू होने वाली है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनेत्री यात्रा 30 अप्रैल से शुरू होगी। इस यात्रा के लिए पंजीकरण 11 मार्च से शुरू होगा। हर बार की तरह इस बार भी यात्रा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को आधार कार्ड से जोड़ने की तैयारी चल रही है। इससे चारीधाम यात्रा के दौरान सुरक्षा में मदद मिलेगी। इस साल गंगोत्री और यमुनेत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल से खुलेंगे। यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 11 मार्च से शुरू होगा। केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को सुबह 7 बजे खुलेंगे। वहीं, बद्रीनाथ धाम 4 मई को खोला जाएगा।

पिछले साल 46 लाख से ज्यादा लोग चारीधाम यात्रा पर गए थे. पिछली बार यात्रा शुरू होने से पहले रजिस्ट्रेशन में दिक्कत आई थी. वहीं बिना रजिस्ट्रेशन के जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसलिए इस बार 60 फीसदी ऑनलाइन और 40 फीसदी ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन होगा। यात्रा शुरू होने से 10 दिन पहले ऑफलाइन पंजीकरण किया जाएगा। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 11 मार्च से शुरू होगा। ऑनलाइन पंजीकरण उत्तराखंड सरकार की आधिकारिक वेबसाइट registrationandtouristcare.uk.gov.in पर किया जाएगा।

पंजीकरण के लिए हरिद्वार और ऋषिकेश में 20-20 और विकासनगर में 15 ऑफलाइन पंजीकरण काउंटर खोले जाएंगे। यात्रा से एक महीने पहले किसी भी वीआईपी दर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी श्रद्धालुओं को सामान्य प्रक्रिया से ही दर्शन करने होंगे। यात्रा मार्ग को छोटे-छोटे सेक्टरों में बांटा जाएगा और हर 10 किलोमीटर पर पुलिस पोस्ट होंगी। अतिरिक्त पुलिस बल के जरिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर से भी निगरानी की जाएगी. आवश्यक यात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन एवं आवास की व्यवस्था भी की जायेगी।

महाराष्ट्र में 11 बीजेपी विधायकों को मिली अहम विधान समितियों की जिम्मेदारी

-शिवसेना-एनसीपी का कब खत्म होगा इंतजार

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा की समिति के विभाजन की घोषणा कर दी गई है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 11 विधायकों को विभिन्न समितियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। हालांकि, महायुति के सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के विधायकों को अब तक समितियों में स्थान नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक रणधीर सावरकर के नेतृत्व में इन विधायकों को इन समितियों में नियुक्त किया गया है।

समितियों में जगह पाए 11 बीजेपी विधायकों में - सार्वजनिक उपक्रम समिति - राहुल कुल, पंचायत राज समिति - संतोष दानवे-पाटिल, आश्वासन समिति - रवि राणा, अनुसूचित जाति कल्याण समिति - नारायण कुचे, अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति - राजेश पाडवी, महिला अधिकार और कल्याण समिति - मोनिका राजले, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति - किसन कथोरे, मराठी भाषा समिति - अतुल भातखलकर, विशेष अधिकार समिति - राम कदम, धर्मादाय निजी अस्पताल जांच समिति - नमिता मुंदडा एवं विधायक निवास व्यवस्था समिति - सचिन कल्याणशेट्टी हैं।

इस कदम को भाजपा विधायकों के लिए राजनीतिक रूप से पुनर्वास के अवसर के रूप में देखा जा रहा है, विशेष रूप से उन विधायकों के लिए जो मंत्री पद से वंचित रह गए थे। हालांकि, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी के नेता अभी भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महायुति के हर सहयोगी दल को विधायी समितियों में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सत्ता के वितरण को लेकर किसी भी प्रकार की रस्साकसी नहीं हो रही है।

शिवसेना और एनसीपी के पास 9-9 समितियां

महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 29 विधायी समितियां हैं, जिनमें से भाजपा ने पहले ही 11 महत्वपूर्ण समितियों पर दबदबा कायम कर लिया है। वहीं, शिवसेना और एनसीपी के पास 9-9 समितियां हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने शिवसेना और एनसीपी को उनके समिति सदस्यों के नाम प्रस्तुत करने के लिए कहा है, लेकिन अब तक उन्होंने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

सूडान में युद्ध निर्णायक मोड़ पर, सेना ने रणनीतिक क्षेत्रों में बनाई बढ़त

खार्तूम। सूडान में पिछले दो वर्षों से जारी भीषण युद्ध अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। इस संघर्ष में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करोड़ों लोग विस्थापित हो चुके हैं। हाल ही में, सूडानी सेना (एसएएफ ने युद्ध में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करते हुए अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के कब्जे वाले कई प्रमुख क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है।

अप्रैल 2023 में सूडानी सेना और आरएसएफ के बीच सत्ता संघर्ष ने खूनी रूप ले लिया। दोनों सेनाएं 2019 के जनविरोध के बाद लोकतांत्रिक बदलाव की प्रक्रिया का हिस्सा थीं लेकिन नागरिक शासन को रोकने के लिए एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी हो गईं। इसके बाद पूरा देश हिंसा और अराजकता के दौर में चला गया।

हाल के हफ्तों में सूडानी सेना ने राजधानी खार्तूम और उसके आसपास के इलाकों में बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। सेना ने व्हाइट नाइल, गजीरा और उत्तर कोर्डोफान प्रांतों में भी कब्जा कर लिया है। यह पहला मौका है जब सेना ने आरएसएफ की बढ़त को पीछे धकेलते हुए कई इलाकों में मजबूत स्थिति बनाई है।

बता दें कि इस संघर्ष के कारण 14 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं और कई इलाकों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा संगठन डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स को जमजम शिविर में सहायता कार्य रोकना पड़ा, जहां 5 लाख से अधिक लोग भोजन और दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं।

सेना प्रमुख जनरल अब्देल-फतह अल-बुरहान और आरएसएफ के प्रमुख जनरल मोहम्मद हमदान डागालो के बीच अब तक शांति वार्ता की कोई पहल नहीं हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि यदि सेना खार्तूम पर कब्जा कर लेती है, तो उसके अंदर भी विभाजन गहरा सकता है, जिससे संघर्ष और लंबा खिंच सकता है।

क्या राजनीति के लिए तैयार नहीं रेखा गुप्ता, आते ही कर दी ये गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राजनीति में सिबंल राजनीति की शुरुआत करने वाली भारतीय जनता पार्टी रही है। 2014 के बाद पार्टी ने अपनी इसी रणनीति के द्वारा कई पार्टियों को पीछे छोड़ दिया। लेकिन, दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने पूर्ववर्ती सरकार की गलती सुधारने के प्रयास में एक बड़ी गलती कर दी है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय से डॉ. भीमराव आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटाकर महात्मा गांधी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरें लगा दी हैं।

मुख्यमंत्री रेखा ने इन आरोपों का खंडन नहीं किया, बल्कि इन आरोपों को आप द्वारा सीएजी रिपोर्ट से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि आप भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए इस तरह के विवाद खड़े कर रही है। हालांकि, आप को बैठे-बिठाए एक बड़ा मुद्दा मिल गया। आप नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने इस मामले पर बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता एक बार फिर सामने आई है। अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री कार्यालय में बाबा साहेब और भगत सिंह की तस्वीरें लगाई थीं, जिन्हें अब हटा दिया गया है। पूर्व सीएम केजरीवाल ने भी मुद्दे को उठाते हुए कहा कि यह लाखों अनुयायियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम है।

दरअसल रेखा पहली बार विधायक बनी हैं और सीधे मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंची हैं। संघ का समर्थन प्राप्त होने के बावजूद, उन्होंने दलित प्रतीक आंबेडकर की तस्वीर की जगह बदलने का निर्णय लिया, जो एक राजनीतिक गलती साबित हो सकता है। हालांकि, प्रशासनिक दृष्टि से यह सही हो सकता है, लेकिन राजनीति में संवेदनशीलता को समझना भी जरूरी होता है। देश में आमतौर पर सीएम हाउस में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीरें लगाई जाती हैं। इस लिहाज से गुप्ता का फैसला गलत नहीं था, लेकिन आप सरकार की गलती सुधारते हुए उन्हें आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटाने के बजाय अन्य तस्वीरें जोड़नी चाहिए थीं।

क्या सचमुच आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटाई गई हैं?

आप के आरोपों के जवाब में सीएम रेखा ने कहा कि सरकार के प्रमुखों की तस्वीरें लगाना गलत नहीं है। दिल्ली बीजेपी ने सीएम ऑफिस की एक तस्वीर जारी की, जिसमें आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें दाईं दीवार पर दिख रही हैं। इससे स्पष्ट होता है कि तस्वीरें हटाई नहीं गईं, बल्कि उनकी जगह बदली गई है। हालांकि, तर्क की दृष्टि से यह फैसला सही हो सकता है, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से यह भाजपा के लिए घातक साबित हो सकता है।

रणजी फाइनल

दानिश मालेवार का शतक, विदर्भ मजबूत स्थिति में

नागपुर (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज दानिश मालेवार के नाबाद शतक की मदद से 2 बार के चैंपियन विदर्भ ने खराब शुरुआत से उबर कर केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन बुधवार को यहां चाय के विश्राम तक 3 विकेट पर 170 रन बनाए। मालेवार 104 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने अनुभवी करुण नायर (नाबाद 47) के साथ चौथे विकेट के लिए अभी तक 146 रन जोड़ लिए हैं। इन दोनों ने तब जिम्मेदारी संभाली जब विदर्भ तीन विकेट पर 24 रन के स्कोर पर संकट में दिख रहा था।

इससे पहले केरल ने टॉस जीत कर विदर्भ को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और शुरू में ही उसे तीन झटके दिए। केरल की तेज गेंदबाजी के अगुआ एमडी निधिश ने दो विकेट लिए जबकि नई गेंद के उनके जोड़ीदार ईडन एप्पल टॉम ने एक विकेट लिया। निधिश ने मैच की दूसरी ही गेंद पर पार्थ रेखाडे (00) को आउट कर दिया लेकिन इसका श्रेय कप्तान सचिन बेबी को जाता है, जिन्होंने मैदानी अंपायर द्वारा पगबाधा की जोरदार अपील को ठुकराने के बाद रिव्यू लेने का फैसला किया। दर्शन नालकंडे (01) ने खराब शॉट खेल कर निधिश को अपना विकेट इनाम में दिया जबकि ईडन एप्पल टॉम ने ध्रुव शोरे (16) को विकेट के पीछे कैच कराकर केरल को बड़ी सफलता दिलाई।

इतने केले तो बंदर नहीं खाते... वसीम अकरम ने किया पाकिस्तानी खिलाड़ियों को ट्रोल

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के खिलाफ हालिया हार मिलने से पाकिस्तानी समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही है। न्यूजीलैंड ने जब बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया तो पाकिस्तान आईसीसी प्रतियोगिता से भी बाहर हो गया। पाकिस्तान की आखिरी बड़ी ट्रॉफी 2017 में आई थी जब उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत को हराया था। यह आखिरी वनडे मैच भी है जो पाकिस्तान ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ जीता था। वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी में जब एक बार फिर से पाकिस्तान की टीम ने भारत से मैच गंवाया तो पूर्व कप्तान और तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भारत के खिलाफ मैच में लिए आहार के कारण आलोचना की।

अकरम ने मैच के बाद एक शो में कहा कि मुझे लगता है कि यह पहला या दूसरा ड्रिंक्स ब्रेक था और खिलाड़ियों के लिए केले से भरी प्लेट थी। इतने केले तो बंदर भी नहीं खाते। और यह उनका खाना है। अगर हमारे कप्तान इमरान खान होते, तो वह मुझे इस पर डांट देते। अकरम ने पाकिस्तान टीम पर पुरातन क्रिकेट खेलने का भी आरोप लगाया। दुबई में भारत से अपनी टीम की हार के बाद वसीम अकरम ने कहा कि कठोर कदमों की जरूरत है। हम सदियों से सफेद गेंद में पुरानी क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसे बदलने की जरूरत है। निडर क्रिकेटरों, युवा खिलाड़ियों को टीम में लाओ। अगर आपको पांच-छह बदलाव करने हैं तो कृपया करिए। अगले छह महीने तक आप हारते रहेंगे। यह ठीक है, लेकिन अभी से विश्व टी20 2026 के लिए टीम बनाना शुरू कर दें।

अकरम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार विफलताओं के लिए पाकिस्तान की गेंदबाजी इकाई की आलोचना करते हुए कुछ चौंकाने वाले आंकड़े बताए। उन्होंने कहा कि बहुत हो गया। आपने उन्हें स्टार बना दिया है। पिछले पांच वनडे मैचों में पाकिस्तान के गेंदबाज 60 की औसत से 24 विकेट लेने में सफल रहे हैं। यानी प्रति विकेट 60 रन। हमारा औसत ओमान और अमेरिका से भी खराब है।

शतक लगा कोहली ने लगायी छलांग, गिल अभी भी नंबर एक

आईसीसी रैंकिंग

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली मौजूदा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 5 में फिर से शामिल हो गए हैं। कोहली ने दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। जिसका उन्हें आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ है। इसके साथ, भारत के अब शीर्ष 5 में 3 बल्लेबाज शामिल हो गए हैं, क्योंकि सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (प्रथम) और कप्तान रोहित शर्मा (तीसरे) शीर्ष पर अपना स्थान बनाए हुए हैं। गिल ने विशेष रूप से नंबर 1 रैंकिंग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, जिससे पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम पर उनकी बढ़त 47 रेटिंग अंकों की हो गई है, जो चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक कमजोर प्रदर्शन के बावजूद दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

न्यूजीलैंड के विल यंग ने बड़ी छलांग लगाई है। वह अपने हालिया प्रदर्शन के बाद 8 पायदान चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि इंग्लैंड के बेन डकेट (27 पायदान ऊपर संयुक्त 17वें स्थान पर) और न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी रचिन रवींद्र (18 पायदान ऊपर 24वें स्थान पर) टूर्नामेंट में अपने प्रभावशाली शतकों के बाद आगे बढ़ गए हैं।

भारत के केएल राहुल (दो पायदान ऊपर 15वें) और दक्षिण अफ्रीका के रासी वान डेर डुसेन (तीन पायदान ऊपर 16वें) भी शीर्ष 10 के करीब पहुंच गए हैं। गेंदबाजी विभाग में, श्रीलंका के महेश थीक्षाना ने चैंपियंस ट्रॉफी में श्रीलंका की अनुपस्थिति के बावजूद नंबर 1 रैंकिंग बरकरार रखी है। दूसरे स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी बने हुए हैं।

इस बीच, दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (एक स्थान ऊपर चौथे स्थान पर), न्यूजीलैंड के मैट हेनरी (दो स्थान ऊपर छठे स्थान पर), और ऑस्ट्रेलिया के एडम ज़म्पा (दो स्थान ऊपर 10वें) सभी ने अपनी स्थिति में सुधार किया है। तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा (चार पायदान ऊपर 16वें स्थान पर) और न्यूजीलैंड के माइकल ब्रेसवेल (31 पायदान ऊपर 26वें स्थान पर) सबसे अधिक लाभ पाने वालों में से हैं। ब्रेसवेल के हालिया प्रदर्शन ने उन्हें हरफनमौला खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी आगे बढ़ाया है और रावलपिंडी में बांग्लादेश के खिलाफ चार विकेट लेने के बाद वह 26 स्थान की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके साथी रवींद्र (छह स्थान ऊपर 15वें) को भी इस श्रेणी में फायदा हुआ है। अफगानिस्तान के अनुभवी मोहम्मद नबी वनडे ऑलराउंडरों में शीर्ष स्थान पर कायम हैं।

मेरे अंदर अब भी वह भूख है कि मैं और बेहतर कर सकती हूं : सिंधू

मुंबई (एजेंसी)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने मंगलवार को खिलाड़ियों के लिए कड़ी मेहनत और निराशाओं से जल्दी आगे बढ़ने पर जोर दिया और साथ ही कहा कि उनमें अब भी उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख है। सिंधू ने कहा कि भले ही निराशा और थकान के कई दिन हों लेकिन एक खिलाड़ी को अनुशासन नहीं खोना चाहिए क्योंकि कोई नहीं जानता कि मैदान पर यह कब उसके काम आ जाए।

सिंधू ने मंगलवार को कहा कि आपको यह उम्मीद रखनी चाहिए कि आपको वहां टिके रहना है और आपको इसे हर एक दिन करते रहना है और यह एक दिन सामने आएगा। उन्होंने कहा कि लोग कह सकते हैं कि आपके पास सब कुछ है, आपको और क्या चाहिए? लेकिन मुझे लगता है कि खेल के प्रति जुनून और मेरे अंदर अब भी वह भूख है कि हां, मैं और बेहतर कर सकती हूं।

सिंधू ने कहा कि ये जीत मुझे बहुत आत्मविश्वास देती हैं और अगले स्तर पर जाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं इसलिए मैं कहती हूं कि हर दिन एक नया दिन है और हर दिन एक प्रक्रिया है। भले ही कुछ बुरे दिन हों लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि आप उन्हें जाने दें तथा और भी अधिक मजबूत होकर वापस आएं। सिंधू ने कहा कि ट्रेनिंग की कठोरता, निराशा के साथ-साथ सफलता का सामना करना एक सतत प्रक्रिया है और एक खिलाड़ी को इससे जुड़े रहना चाहिए।

निर्मम है यह भारतीय टीम, उसे चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी ही चाहिए : लालचंद राजपूत

शारजाह (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज और कोच लालचंद राजपूत ने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम को निर्मम करार देते हुए कहा कि उसे चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी चाहिए। भारत ने 2007 में राजपूत के कोच रहते हुए ही पहले टी20 विश्व कप में जीत हासिल की थी और उसके 18 साल बाद इस 63 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर को लगता है कि भारत को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं आनी चाहिए।

राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम निर्मम नजर आ रही है। वह हर मैच में दबदबा बना कर जीत हासिल करना चाहती है। वह विरोधी टीम को मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं देना चाहते हैं। यही सही रवैया है। भारतीय टीम जिस तरह से खेल रही है उससे मुझे लगता है कि उसे आसानी से चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी चाहिए। वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात की टीम के मुख्य कोच राजपूत ने कहा कि विराट कोहली पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाकर फॉर्म में लौट आए हैं और अब कप्तान रोहित शर्मा से बड़े शतक की दरकार है।

उन्होंने कहा कि विराट शतक लगा चुके हैं और अब भारत का हर विभाग मजबूत हो चुका है। अब केवल रोहित से बड़े शतक की दरकार है। राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम के इरादे स्पष्ट है। वह अपनी विरोधी टीम को चारों खाने चित करना चाहती है। हमने हमेशा से देखा है कि भारत बड़ी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करता है।

आईसीसी अवार्ड पर बोले बुमराह

बचपन में मैं अपने नायकों को यह पुरस्कार जीतते देखता था

दुबई (एजेंसी)। दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच बड़े मुकाबले से पहले आईसीसी पुरस्कार बांटे गए। इस दौरान 2024 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सभी प्रारूपों में भारत के लिए अपने ऐतिहासिक प्रदर्शन और आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर सम्मान हासिल किया। सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी जीतने पर बुमराह ने कहा कि यह सम्मान अर्जित करना अवास्तविक लगता है। यह वो सम्मान है जिसे बचपन में अपने नायकों द्वारा जीतता देखता था। बुमराह को आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर, आईसीसी पुरुष टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर नामित किया गया और उन्हें आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम ऑफ द ईयर और आईसीसी टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल किया गया।

आईसीसी से बात करते हुए बुमराह ने कहा कि यह सचमुच अच्छा लगता है। एक बच्चे के रूप में, मैंने अपने बचपन के कुछ नायकों को यह (सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी) पुरस्कार जीतते देखा था। जब आपको ऐसा सम्मान मिलता है तो यह हमेशा सौभाग्य की बात होती है। बता दें कि 2024 में बुमराह ने टेस्ट में विकेट लेने के चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया और वेस्ट इंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में पुरुष टी 20 विश्व कप में भारत को खिताब दिलाया। उन्होंने सबसे लंबे प्रारूप में प्रभावशाली गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 14.92 की औसत से 71 विकेट लिए - जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ वापसी है। वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 19 विकेट अधिक है।

बुमराह का असाधारण प्रदर्शन टेस्ट से आगे बढ़कर भारत के पुरुष टी20 विश्व कप अभियान तक भी पहुंचा, जिसमें उन्होंने सिर्फ 8.26 की औसत से 15 विकेट लिए और सिर्फ 4.17 की समान रूप से प्रभावशाली इकॉनमी रेट हासिल की।

बीते साल को याद करते हुए बुमराह ने कहा कि टी20 विश्व कप, जो हमने जीता, वह हमेशा खास रहेगा और मेरे दिमाग में रहेगा। जाहिर है, इस साल मेरे दिमाग में भी बहुत कुछ सीखने को मिला। हमने काफी टेस्ट क्रिकेट खेला; हमें कई अलग-अलग अनुभवों का पता चला, इसलिए हां, मैं बहुत खुश हूं और उम्मीद है कि बेहतर चीजें होंगी।

आईएमएल-20

सचिन-गुरकीरत की आतिशी पारी, इंडिया मास्टर्स 9 विकेट से जीती

मुंबई (एजेंसी)। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 में इंडिया मास्टर्स ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी है। मंगलवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले गए मुकाबले में इंडिया मास्टर्स ने सचिन तेंदुलकर और गुरकीरत सिंह मान की उम्दा पारियों की बदौलत इंग्लैंड मास्टर्स को 9 विकेट से हरा दिया। इस दौरान दर्शकों को युवराज सिंह के भी कुछ आतिशी शॉट देखने को मिले। इंग्लैंड की टीम पहले खेलते हुए एब्रोस के 23, मेड्डी के 25 रनों की बदौलत 132 रन ही बना पाई थी। जवाब में भारत की ओर से सचिन, गुरकीरत और युवराज ने 11.4 ओवर में अपनी टीम को जीत दिला दी। यह लीग में इंडिया मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत है।

इंग्लैंड मास्टर्स : 132/8 (20 ओवर)

कप्तान इयोन मोर्गन (14) और फिल मस्टर्ड (8) ओपनिंग के लिए आए लेकिन बड़ा स्कोर नहीं बना पाए। इसके बाद आए एंब्रेस 22 गेंदों पर 23 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मेडी ने 24 गेंदों पर 25 रनों का योगदान दिया। ब्रेसनेन ने 19 गेंदों पर 2 चौकोंकी मदद से 16 रन बनाए। स्कोफील्ड ने 8 गेंदों पर 18 तो क्रिस ट्रेमलेट ने 8 गेंदों पर 16 रन बनाकर टीम का स्कोर 132 तक पहुंचाया। भारत की ओर से धवल कुलकर्णी ने 21 रन देकर 3, मिथुन ने 27 रन देकर दो तो नेगी ने 16 रन देकर 2 विकेट लिए।

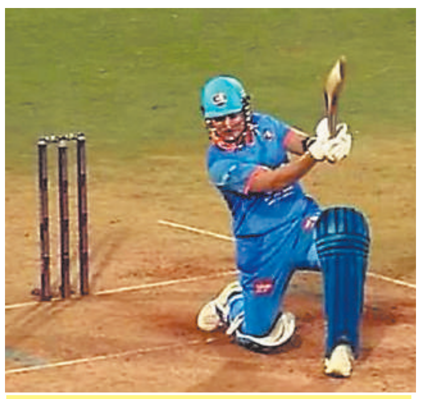

इंडिया मास्टर्स : 133/1 (11.4 ओवर)

133 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया मास्टर्स को ओपनर गुरकीरत सिंह मान और सचिन तेंदुलकर ने तेजतर्रार शुरूआत दी। गुरकीरत ने जब पहले ही ओवर में साइडबॉथम को लपेटा तो सचिन ने अगले ओवर में टिम ब्रेसनेन पर बड़े शॉट लगाए। सचिन अलग ही लय में नजर आ रहे थे। उन्होंने जमकर पल और सुपला शॉट लगाए। वह 8वें ओवर में 21 गेंदों पर 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आऊट हुए। इसके बाद क्रीज पर आए युवराज सिंह ने 14 गेंदों पर 27 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। गुरकीरत इस दौरान 34 गेंदों पर 10 चौके और 1 छक्के की मदद से 62 रन बनाने में सफल रहे।

मास्टर लीग में छाया सचिन का सुपला शॉट, लगाए खूबसूरत शॉट्स

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 के दौरान नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में धमाल मचा दिया। इंग्लैंड मास्टर्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में जब इंडिया मास्टर्स 133 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो सचिन ने शुरूआती ओवरों में ही इंग्लैंड के गेंदबाजों की खबर ले ली। सचिन ने क्रिस टेम्लेट और टिम ब्रेसनेन की गेंदों पर आकर्षक शॉट लगाए और दर्शकों का मनोरंजन किया। इस दौरान ब्रेसनेन की गेंद पर लगाया गया उनका सुपला शॉट सबसे ज्यादा चर्चा बटोर कर ले गया।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

इंडिया मास्टर्स -अंबाती रायडू (विकेटकीपर), सचिन तेंदुलकर (कप्तान), गुरकीरत सिंह मान, स्टुअर्ट बिन्नी, युवराज सिंह, यूसुफ पठान, इरफान पठान, पवन नेगी, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी, अभिमन्यु मिथुन

इंग्लैंड मास्टर्स - फिल मस्टर्ड (विकेटकीपर), टिम एम्ब्रोज़, इयोन मोर्गन (कप्तान), टिम ब्रेसनन, डैरेन मैडी, दिमित्री मैस्करेनहास, मोंटी पनेसर, क्रिस ट्रेमलेट, स्टीवन फिन, क्रिस स्कोफील्ड, रयान जे साइडबॉटम

रावलपिंडी में पाकिस्तान के लिए नाक की लड़ाई

आखिरी लीग मैच में पाकिस्तान की टक्कर बांग्लादेश के साथ

रावलपिंडी (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का 9वां मुकाबला मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम के मैदान पर उतरेगी। मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश के लिए यह मुकाबला अब महज एक औपचारिकता मात्र रह गई है, क्योंकि ये दोनों टीमें ग्रुप ए में सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुकी है। ऐसे में पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों टीमों की कोशिश होगी कि वह जीत के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के अपने अभियान का अंत करे।

रावलपिंडी के मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी में पिछला मुकाबला बारिश के कारण धुल गया था। इस कारण पिच का मिजाज पढ़ पाना दोनों ही टीमों के लिए आसान नहीं रहने वाला है। हालांकि, इस मैदान पर माना जाता है कि खूब रन बनते हैं। यही वजह है कि अगर मुकाबला होता है तो एक हाई स्कोरिंग टक्कर देखने को मिल सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं इस मैच के लिए कैसी होगी पिच।

क्या रहता है रावलपिंडी के पिच का मिजाज - पाकिस्तान के रावलपिंडी के मैदान के पिच को बैटिंग फ्रेंडली माना जाता है। इस मैदान पर कुल 27 वनडे मैच खेले जा चुके हैं जिसमें से 15 बार दूसरी पारी में बैटिंग करने वाली टीम ने जीत हासिल की है। वहीं 11 मैचों में पहले खेलने वाली टीम को सफलता मिली है। ऐसे में इस पिच पर टॉस की भूमिका काफी अहम हो जाएगी। क्योंकि टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद करेगी। दूसरी पारी में ओस कारण गेंदबाजी करना काफी मुश्किल हो जाता है। इस मैदान के कुछ आंकड़ों को देखें तो पहली पारी में यहां का औसत स्कोर 242 रन का है जबकि दूसरी पारी में यह 214 रन है।

दीपक हुड्डा से इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा ले रहीं तलाक, कहा

पति नहीं कसाई, सांस रुकने तक पीटता है... 'दहेज लोभी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब मन होता है पीट देता है, सांस रुकने तक मारता है, कई दिनों तक घर में बंद कर देता है, दहेज में उसे एक करोड़ और फॉर्च्यूनर चाहिए, जिसके लिए उसने सब कुछ छोड़ा वो पति असल में कसाई निकला... यह आरोप या यूं कहे लें आप बीती किसी और की नहीं, बल्कि भारत की शान इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा की है। वह कबड्डी खिलाड़ी पति दीपक हुड्डा से अलग हो रही हैं। स्वीटी बूरा के एक बेहद करीब फैमिली मेंबर ने नवभारत टाइम्स से बातचीत करते हुए बॉक्सर पर बीते जुल्मों की कहानी बयां की। स्वीटी पर दीपक के अत्याचारों को बताते हुए उनके भी आंखों में आंसू आ गए।

स्वीटी के करीबी ने मीडिया से बातचीत में कहा- हां, खबर सही है वे अलग हो रहे हैं। बेचारी का रो-रोकर बुरा हाल है। दीपक उसे पीटता था। बुरी तरह से टॉर्चर करता था। यह शादी उसके लिए जिंदगी बर्बाद करने वाली साबित हुई। इंटरनेशनल बॉक्सर है। इनकम टैक्स ऑफिसर है। उसे भले किस बात की कमी है, लेकिन इसके बावजूद दीपक की सनक अलग है। वह दहेज के लिए भी परेशान करता था। उसे एक करोड़ रुपये और फॉर्च्यूनर चाहिए। बता दें कि 7 जुलाई, 2022 को स्वीटी और दीपक ने शादी की थी।

दीपक हुड्डा खुद भारत के लिए खेल चुके हैं। वह कबड्डी की दुनिया में बड़े नामों में शामिल हैं। वह भारत की विश्व विजेता टीम का भी हिस्सा थे। उनके बीच लंबा अफेयर चला था, जो शादी पर खत्म हुआ। स्वीटी के करीबी ने साथ ही बताया कि जब दीपक गरीबी में था उनके पास घर तक नहीं था तो स्वीटी और हमने सपोर्ट किया। वह कच्चे घर में रहता था। हमने उसे अपनाया। इसके बाद वह बड़े नाम बना। और देखिए, अब हमारी ही बेटी पर ज्यादती कर रहा है।

मीडिया सूत्रों के अनुसार, स्वीटी ने दीपक की रोज-रोज की मारपीट और प्रताड़ना से तंग आकर 11 फरवरी को हिसार में तलाक का केस फाइल किया है। वह सिर्फ दीपक से अलग रहना चाहती है, लेकिन दीपक की ऐसी मंशा नहीं है। वह क्यों एक अमीर लड़की को छोड़ेगा? वह तो सिर्फ पैसा चाहता है। साथ ही उन्होंने बताया कि शादी से चार दिन पहले तक सब कुछ ठीक था, लेकिन उसके बाद दीपक ने ड्रामा शुरू किया। उसने एक बड़ी गाड़ी फॉर्च्यूनर और एक करोड़ रुपये की मांग की। इस पर स्वीटी ने शादी से इनकार कर दिया। फिर इज्जत जाती देख दीपक के पिता ने उसे समझाया और समझौता कराया।

कई बार हो चुकी है पंचायत, दीपक आदत से बाज नहीं आता - स्वीटी के रिलेटिव ने बताया- शादी के कुछ दिन बात तक सब कुछ ठीक था, लेकिन फिर उसने मारना-पीटना शुरू कर दिया।

25000 रुपये तक निकाल सकेंगे न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के जमाकर्ता

आरबीआई ने बताई तारीख और शर्त

न्यु इंडिया को-ऑपरेटिव्ह बँक लि
new india co-op bank ltd
SCHEDULED BANK

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते दिनों न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई के निदेशक मंडल को 12 महीने के लिए भंग कर दिया गया। आरबीआई ने मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पैसे निकालने, जमा करने, लोन देने और किसी प्रकार के लिए लेनदेन पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके अधिकांश ब्रांच मुंबई और ठाणे में हैं। तीन लाख से अधिक ग्राहकों वाले इस बैंक से जुड़ी परेशानी में तात्कालिक राहत मिलने के संकेत हैं। आरबीआई ने ग्राहकों को पैसे निकालने की सशर्त अनुमति दी है।

प्रशासक के सलाहकारों की समिति का पुनर्गठन- जमाकर्ता इस निकासी के लिए बैंक की शाखा के साथ-साथ एटीएम चैनल का भी उपयोग कर सकते हैं, हालांकि, निकाली जा सकने वाली कुल राशि प्रति जमाकर्ता 25,000 रुपये या उनके खाते में उपलब्ध शेष राशि जो भी कम हो, होगी। समीक्षा के आधार पर रिजर्व बैंक ने 25 फरवरी, 2025 से प्रशासक के सलाहकारों की समिति (सीओए) का भी पुनर्गठन किया है।

- **एक बार में अधिकतम कितने पैसे निकाल सकेंगे ग्राहक**- दरअसल, सोमवार को मुंबई के न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के खाताधारकों के लिए एक अच्छी खबर सामाने आई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्रशासक के साथ बातचीत करके बैंक की तरलता स्थिति की समीक्षा करने के बाद 27 फरवरी, 2025 से प्रति जमाकर्ता 25,000 रुपये (केवल पच्चीस हजार रुपये) तक की जमा निकासी की अनुमति देने का निर्णय लिया है। उपरोक्त छूट के साथ कुल जमाकर्ताओं में से 50 प्रतिशत से अधिक अपनी पूरी शेष राशि निकाल सकेंगे और शेष जमाकर्ता अपने जमा खातों से 25,000 रुपये तक निकाल सकेंगे।

ग्लोब टेक्सटाइल्स कंपनी का साथ शानदार प्रदर्शन

अहमदाबाद। टेक्सटाइल उद्योग में अग्रणी कंपनियों में से एक ग्लोब टेक्सटाइल्स ने थर्ड क्वार्टर और नौ महीनों के फायनान्शियल रीजल्ट्स की घोषणा की है। कंपनी ने रेवेन्यू और प्रोफिट में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है, जो कंपनी की बिज़नेस स्ट्रेटेजी और ओपरेशन्स की सफलता दर्शाती है। 31 दिसंबर 2024 को खत्म हुए क्वार्टर के लिए रेवेन्यू 46.2 प्रतिशत 15,159.21 लाख हो गया जबकि पिछले वर्ष की इसी समयावधि में यह 10,367.19 लाख था। कंपनी का नेट प्रोफिट 53.7 प्रतिशत बढ़कर 291.42 लाख हो गया जो पहले 189.55 लाख था।

31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, रेवेन्यू 20.8 प्रतिशत बढ़कर 42,397.79 लाख हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 35,095.74 लाख था। नेट प्रोफिट में 56.6 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई और यह 943.55 लाख हो गया, जो कंपनी का सतत ग्रोथ दर्शाता है। ग्लोब टेक्सटाइल्स के 4,504 लाख के राइट्स इश्यू को अपेक्षा से अधिक रीस्पोन्स मिला, जिससे निवेशकों का कंपनी के ग्रोथ और फायनान्शियल स्टेबिलिटी में मजबूत विश्वास झलकता है।

10 टुकड़ों में बंटने जा रहा है आरडीबी रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर का शेयर, एक साल में पैसा किया डबल

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक आरडीबी रिएल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी अपने शेयरों को 10 हिस्सों में बांटने जा रही है। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी ने रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है।

इसी महीने है रिकॉर्ड डेट- आरडीबी रिएल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का बंटावारा 10 हिस्सों में किया जाएगा। कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। बता दें, आरडीबी रिएल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर 28 फरवरी की तारीख को स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट तय किया है। अगर आप इस शेयरों के बंटवारे का फायदा लेना चाहते हैं तो एक कारोबारी दिन यानी 27 फरवरी को कंपनी के शेयर खरीद लेने होंगे।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा- सोमवार को कंपनी के शेयर 551.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 27 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में स्टॉक का भाव 200 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 612.65 रुपये और 52 वीक लो लेवल 115.88 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 959 करोड़ रुपये का है।

2 साल में यह मल्टीबैगर स्टॉक 1300 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। वहीं, 3 साल में शेयरों का भाव 1600 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। बता दें, 5 साल में 2500 प्रतिशत की तेजी आरडीबी रिएल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में देखने को मिला है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

कंपनी के शेयरों में काफी लम्बे समय के बाद कोई बड़ी हलचल देखने को मिलने जा रही है। 2013 से 2015 तक कंपनी ने हर एक शेयर पर एक-एक रुपये का डिविडेंड दिया था। उसके कंपनी ने ना तो डिविडेंड दिया ना ही बोनस शेयर का कोई ऐलान किया।

भारत में अमेजन प्राइम सदस्यों को सबसे तेज़ डिलीवरी स्पीड मिली

मुंबई। हर साल, अमेज़न ग्राहक सिर्फ प्राइम सदस्यता लेकर बड़ी बचत कर रहे हैं। 2024 में, प्राइम सदस्यों को अब तक की सबसे तेज डिलीवरी मिली और उन्होंने पहले से कहीं अधिक बचत की। 2024 में अमेजन इंडिया ने प्राइम सदस्यों के लिए अब तक की सबसे तेज डिलीवरी की और 41 करोड़ से ज्यादा आइटम उसी दिन या अगले दिन पहुंचाए, जिससे ग्राहकों को उनकी जरूरत का सामान समय पर मिला। सिर्फ समय ही नहीं, बल्कि प्राइम सदस्यों ने तेज और मुफ्त डिलीवरी पर पिछले साल औसतन 3300 रुपये से अधिक की बचत भी की है, जो वार्षिक प्राइम सदस्यता शुल्क से दोगुनी से भी ज्यादा है। दुनियाभर में, अमेजन प्राइम ने पिछले साल 9 अरब से ज्यादा उत्पाद उसी दिन या अगले दिन डिलीवर किए और प्राइम सदस्यों ने तेज और मुफ्त डिलीवरी पर करीब 95 अरब डॉलर की बचत की है। स्पीड और विशाल चयन ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण हैं, इसे समझते हुए अमेजन ने लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी क्षमताओं में लगातार इन्वेस्ट किया है। सबसे बड़ा उत्पाद चयन सबसे तेज स्पीड से डिलीवर करने के लिए, अमेजन प्राइम ने 2024 में सेम-डे/नेक्स्ट-डे डिलीवरी के तहत सेवा वाले पिन कोड की संख्या 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ा दी, जिससे भारत के विभिन्न शहरों और कस्बों में और भी ज्यादा ग्राहकों को प्राइम सुविधाओं का लाभ मिलने लगा। आज, प्राइम सदस्यों को 10 लाख से ज्यादा आइटम्स पर मुफ्त, अनलिमिटेड सेम-डे डिलीवरी और 40 लाख से अधिक आइटम्स पर नेक्स्ट-डे डिलीवरी mazon.in पर मिल रही है। यही नहीं, सब-सेम डे डिलीवरी के तहत, प्राइम सदस्यों को mazon.in पर 20,000 से अधिक बेस्टसेलिंग आइटम्स सिर्फ 4 घंटे में डिलीवरी के लिए उपलब्ध हैं।

बंधन ने नया बंधन क्रिसिल-आईबीएक्स 10:90 गिल्ट + एसडीएल इंडेक्स दिसंबर 2029 फंड लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। बंधन म्यूचुअल फंड ने अपना नया बंधन क्रिसिल-आईबीएक्स 10 :90 गिल्ट + एसडीएल इंडेक्स - दिसंबर 2029 फंड लॉन्च करने की घोषणा की है, जो एक ओपन-एंडेड टारगेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड है जो निवेशकों को एक स्ट्रक्चर्ड और सॉवरेन-समर्थित निवेश का मौका प्रदान करता है। यह फंड 90ল स्टेट डेवलपमेंट लोन्स (एसडीएल) और 10ল सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) वाले पोर्टफोलियो में निवेश करने के लिए डिजाइन किया गया है। दिसंबर 2029 में निर्धारित मैच्योरिटी के साथ, यह फंड निवेशकों को निवेश अवधि और रिटर्न क्षमता पर स्पष्टता के साथ विकसित ब्याज दर साइक्लि में भाग लेने की सुविधा देता है। न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 25 फरवरी, 2025 को निवेश के लिए खुलेगा और 05 मार्च, 2025 को बंद होगा। नए फंड के लॉन्च के मौके पर, विशाल कपूर, सीईओ, बंधन एएमसी ने कहा कि फिक्सड-इनकम लैंडस्कैप तेजी से डेवलप हो रहा है, जिससे निवेशकों के लिए बाजार की बदलती परिस्थितियों को नेविगेट करने के लिए सही इंस्ट्रूमेंट्स का चयन करना आवश्यक हो गया है। एक निर्धारित मैच्योरिटी तारीख वाले फंड में निवेश करने से निवेशकों को हाई क्वालिटी इस्ट्रूमेंट्स तक पहुंच मिलती है जो स्कीम्स की मैच्योरिटी तक रखने पर रिटर्न की उचित मौजूदगी के साथ आसान तरलता प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, अभी, 4-5 वर्षों में मैच्योर होने वाले एसडीएल की उच्च मांग होने की उम्मीद है क्योंकि हम दरों में कटौती वाले दौर में प्रवेश कर रहे हैं। बंधन क्रिसिल-आईबीएक्स 10 :90 गिल्ट + एसडीएल इंडेक्स - दिसंबर 2029 फंड को निवेशकों को अधिकतम अवधि और उचित एक्चुअर्ल्स के साथ एक सॉवरेन समर्थित पोर्टफोलियो की पेशकश करके इन डायनेमिक्स का लाभ उठाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

एसआरएम के चांसलर को आईसीडी से प्राप्त हुआ ऑनररी फैलोशिप का सम्मान

चेन्नई, एजेंसी। इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री सेक्शन वीआई (भारत, श्रीलंका और नेपाल) ने एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के फाउंडर चांसलर डॉ. टी.आर. पारीवेंधर को ऑनररी फैलोशिप प्रदान करते हुए सम्मानित किया है। नॉन-डेंटिस्ट/नॉन-मेडिकल क्षेत्र मेंयह डिस्टिंक्शनशायद ही कभी किसी को मिलती है, परंतु डॉ पारीवेंधर जी को यह प्रतिष्ठित फेलोशिप प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह फेलोशिप शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा वितरण के क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मानित करता है। कट्टनकुलथुर स्थित एसआरएम आइएसटी में एसआरएम कट्टनकुलथुर डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित आईसीडी की वार्षिक बैठक एवं दीक्षांत समारोह के दौरान डॉ. पारीवेंधर को इन दोनों क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदान के लिए पहचाना गया था।

आईसीडी के ग्लोबल प्रेसिडेंट डॉ. आयन एम. डॉयल एवं आईसीडी सेक्शन वीआई की प्रेसिडेंट डॉ. मीरा वर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों नेउन्हें ऑनररी फैलोशिप से नवाज़ा।

अपने स्वीकृति भाषण में, डॉ. पारिवेंधर ने दंत चिकित्सा के विशेष महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कियह लोगों को सीधे चलने, साफ-साफ बोलने और आत्मविश्वास के साथ हंसने में सहायता करने के साथ-साथएक महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाता है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के योग्य समझकर फेलोशिप प्रदान करने पर उन्होंने आईसीडी के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया, जबकि वे एक नॉन-मेडिकल प्रोफेशनल हैं।

सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट का समेकित शुद्ध लाभ एच1 एफवाय25 में 195 प्रतिशत बढ़ा प्रतिशत

पुणे, एजेंसी। सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड, जो फैसिलिटी मैनेजमेंट क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक है, ने वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही (एच1 एफवाय25) के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड के सीईओ, अमोल शिंगाटे ने टिप्पणी करते हुए कहा, वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में हमारी मजबूत वित्तीय प्रदर्शन हमारी परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विभिन्न उद्योगों में हमारी एकीकृत सेवा पेशकशों की बढ़ती स्वीकृति हमें फैसिलिटी मैनेजमेंट और समर्थन सेवाओं में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में मजबूत बनाती है।

18 दिसंबर 2024 को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर हमारी सफल लिस्टिंग के साथ, हम अब अपनी सेवा क्षमताओं का विस्तार करने, प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों को बढ़ाने और अपने बाजार की स्थिति को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें नवाचार को बढ़ावा देना और उद्योग की बदलती मांगों को पूरा करना शामिल है।

हमारे वित्तीय परिणामों के बाद, हमने कोमोरैबी टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में एक महत्वपूर्ण अनुबंध हासिल किया है, जिसका उद्देश्य मुंबई महानगरीय क्षेत्र में बस सेवाओं को बेहतर बनाना है। इस पहल के तहत सिटीफ्लो प्लेटफॉर्म के तहत आधुनिक बसों के बेड़े की शुरुआत की जाएगी, जिससे निर्बाध और विश्वसनीय परिवहन सुनिश्चित किया जा सके। यह अनुबंध सतत शहरी गतिशीलता समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

आगे देखते हुए, हम अपने पदचिह्न का विस्तार करने, अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाने और अपनी सेवा पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एकीकृत सुविधा प्रबंधन और विशिष्ट समर्थन सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, हमें सतत विकास को आगे बढ़ाने की अपनी क्षमता पर पूरा विश्वास है।

मध्य प्रदेश में आईईएसए की भूमिका और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भागीदारी

- आईईएसए ने सेमीकंडक्टर सेक्टर से संबंधित मध्य प्रदेश सरकार की नीति की सराहना की
- बीते साल हुए साझे एमओयू के बाद यह एक बड़ा कदम

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा भोपाल में मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया गया। आईईएसए (जिसका प्रतिनिधित्व इसके अध्यक्ष, अशोक चांडक और कई सदस्य करते हैं) के लिए इस उद्घाटन समारोह में शामिल होना और उसका गवाह बनना बहुत प्रेरणादायक अवसर रहा। यह महत्वपूर्ण अवसर मध्य प्रदेश की आर्थिक वृद्धि और विकास की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आईईएसए पिछले कई वर्षों से इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर में पहल करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार के साथ सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डैवलपवमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) ने लगातार आईईएसए विज़न समिट और अन्य प्रमुख उद्योग पहलों में हिस्सा लिया है। पिछले साल, आईईएसए ने मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एमपीएसईडीसी के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे राज्य की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स नीति विकास में सहयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता को बल मिला। मध्य प्रदेश की सेमीकंडक्टर नीति को सफलतापूर्वक तैयार किया गया और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा की गई थी, जो कि एमओयू के ऐक्शन प्लान की कामयाबी का परिचायक है। यह सेमीकंडक्टर पॉलिसी मध्य प्रदेश में ईएसडीएम ईकोसिस्टम के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईईएसए के अध्यक्ष श्री अशोक चांडक ने 24 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लिया और सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स पर एक पैनल चर्चा का संचालन किया। चर्चा के दौरान, उन्होंने पीसीबी मैन्युफैक्चरिंग, फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन, प्रोडक्ट डैवलपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर असैम्बली व टैस्टिंग और सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन सहित सेमीकंडक्टर व इलेक्ट्रॉनिक्स ईकोसिस्टम के विभिन्न सैगमेंट्स को विकसित करने हेतु मध्य प्रदेश के लिए प्रमुख रणनीतियों पर प्रकाश डाला। उद्योग जगत की मजबूत भागीदारी और मध्य प्रदेश राज्य के सक्रिय दृष्टिकोण के साथ, इस पहल से महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित होने, रोजगार के अवसर पैदा होने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था दोनों में योगदान मिलने की उम्मीद है। आईईएसए मध्य प्रदेश सरकार, एमपीएसईडीसी, अधिकारियों और इंडस्ट्री स्टेकहोल्डरों को इस जीआईएस व सेमीकंडक्टर पॉलिसी की उपलब्धि पर बधाई देता है और राज्य में ईएसडीएम क्षेत्र की वृद्धि और विकास को देखने के लिए तत्पर है।

DESH
URING
INVES
MADHYA PRA
PANEL DISCUSSIO
ESTABLISHING MADHY
AS A DESTINATIO
SEMICONDUCTOR MANU
INVEST

कलर्स के सेलेब्स ने महाशिवरात्रि के अपने रिवाज़ों और मान्यताओं के बारे में खुलकर बात की

मुंबई, एजेंसी। कलर्स के 'राम भवन' में ओम का किरदार निभा रहे मिश्कत वर्मा कहते हैं, मुझे महादेव का दर्शन बेहद प्रासंगिक लगता है- अतीत की बातों को भूलकर, वर्तमान में यकीन करो, और आगे की सफर के प्रति पूर्ण समर्पण करो। इन मान्यताओं ने मुझे एक इंसान के तौर पर बेहतर बनाया है, जिससे मुझे अपनी ज़िंदगी और अपने क्राफ्ट में शांति और स्पष्टता मिली है। इससे भी खास बात यह है कि राम भवन में मेरा किरदार, ओम, इन्हीं आदर्शों का प्रतीक है- दृढ़ता, सच्चाई, और नियति पर अटूट विश्वास- ये आदर्श महादेव की शिक्षा के मूल में हैं। मैं महा शिवरात्रि के अवसर पर शिव मंदिर जाऊंगा और कुछ समय ध्यान करूंगा। यह पवित्र रात हमें याद दिलाती है कि धैर्य, यकीन, और ईश्वर की कृपा पर विश्वास हमें सबसे कठिन तूफानों से भी निकाल सकता है। मेरी कामना है कि हम सभी को भगवान शिव के आशीर्वाद से बीती बातों को भूलकर आगे बढ़ने और वास्तविकता को स्वीकार करने का ज्ञान मिले। हर हर महादेव! कलर्स के 'शिव शक्ति-तप त्याग तांडव' में मीनाक्षी की भूमिका निभा रहीं सुभा राजपूत कहती हैं, शिव शक्ति-तप त्याग तांडव का हिस्सा बनना ऐसा आशीर्वाद है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है।

हाईफन फूड्स ने भारत में आलू की खेती में डिजिटल क्रांति लाने के लिए यू.के. की हार्वेस्टआई के साथ साझेदारी की

यह साझेदारी आलू किसानों की उत्पादकता और लाभ बढ़ाने में मदद करेगी

नई तकनीक के जरिए आकार, उपज और गुणवत्ता पर सटीक डेटा मिलेगा।

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रमुख आलू प्रोसेसिंग कंपनी और फ्रोजन आलू प्रोडक्ट्स की सबसे बड़ी निर्माता, हाईफन फूड्स ने यू.के. की मशहूर फसल इनसाइट्स कंपनी, हार्वेस्टआई के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा करी। इस साझेदारी के तहत हाईफन फूड्स भारत में उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी लेकर आएगी। यह साझेदारी किसानों को बेमिसाल टेक्नोलॉजी मुहैया कराएगी जिससे वह उनकी फसल की पूरी क्षमता का लाभ उठा सकेंगे। हाईफन ग्रुप के एमडी और ग्रुप सीईओ, हरेश करमचंदानी ने कहा, यह रणनीतिक साझेदारी हमारे विजन के अनुरूप है, जो ताजा उपज से जुड़े खाद्य उद्योग में क्रांति लाने पर केंद्रित है। हाईफन ग्रुप की एग्रीबिजनेस यूनिट, हाईफार्म के जरिए हम आलू खेती में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी ला रहे हैं।

HyFun
HyFun
HarvestEye

हाईफार्म हमेशा नई डिजिटल टेक्नोलॉजी और प्रिसिजन कृषि उपकरणों को अपनाने पर जोर देता है, ताकि आलू की फसल की उत्पादकता, लाभ और गुणवत्ता में सुधार हो सके। यह आलू मूल्य श्रृंखला को बेहतर बनाता है, और फसल के नुकसान को कम करने में मदद करता है। हार्वेस्टआई, उन्नत मशीन लर्निंग (एएमएल) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित विजन सिस्टम का इस्तेमाल करेगा, जो आलू की फसल का आकार, संख्या और वजन जैसी जानकारियां साथ के साथ देगा। यह साझेदारी हार्वेस्टआई को हाईफार्म के अग्रणी किसान-कनेक्ट डिजिटल इकोसिस्टम फार्मोजी से जोड़ने में भी सक्षम बनाती है। आज फार्मोजी ने आलू खेती में क्रांति ला दी है, जहां किसान फसल सलाह, मिट्टी की सेहत जांच, जल दक्षता मार्गदर्शन, मौसम और रोग अलर्ट, ड्रोन स्प्रे और मशीनीकरण जैसी कई सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 88,100 रुपये से लेकर 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,760 रुपये से लेकर 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में आज 100 रुपये की कमजोरी दर्ज की गई है। इस कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 88,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

बाबाधाम में महासिबरात्रि कर धूम निकललक सिब बारात, देखू फोटो

देवघर। बाबाधाम में धूमधाम से महासिबरात्रि मनाल गेलक। ई अवसर में सिब कर बारात निकालल गेलक। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन महासिबरात्रि महोत्सव-2025 कर उद्‌घाटन करलयं। ऊ कहलयं कि ई खली सिब कर बारात मात्र नखे, ई अइसन आयोजन आहे जेकर केऊ दायरा नखे। महासिबरात्रि कर मौका में बाबा बैद्यनाथ धाम में भी बिहाने से हे श्रद्धालुमन कर तांता उमड़ल रहे। ई अवसर में बाबा मंदिर में भिनसरिये से निरंतर श्रद्धालुमन के सुगम आउर सुरछित जलार्पन कराल गेलक, ताकि श्रद्धालु एगो बेहतर अनुभूति कर संगे आपन गंतव्य कर दने प्रस्थान करयं। महासिबरात्रि के लेइ के अहले बिहाने रुटलाइन आउर मंदिर कर आस-पास कर छेतर कर निरीछन कर बिधि-बेबस्था कर संगे श्रद्धालुमन कर सुबिधा कर जायजा डीसी लेलयं। सुलभ तरीका से बिहाने 4:30 बजे से श्रद्धालुमन बाबा बैद्यनाथ कर जलार्पन करलयं। महारासिबरात्रि में दुल्हन कर लखे सजलक बाबा नगरी। सांझ के बाबा कर भब्य बारात निकालल गेलक।

स्वचालित रासायनिक एजेंट पहचान आउर चेतावनी प्रनाली कर खरीद ले अनुबंध

नई दिल्ली। भारतीय सेना भारतीय खरीद (स्वदेश में ही डिजाइन, विकसित और निर्मित-आईडीडीएम) श्रेनी कर अंतर्गत 80.43 करोड़ रुपया कर लागत से 223 स्वचालित रासायनिक एजेंट पहचान आउर चेतावनी (एसीएडीए) प्रनाली कर क्रय ले 25 फरवरी, 2025 के मेसर्स एलएंडटी लिमिटेड कर संगे अनुबंध उपरे हस्ताछर कइर हयं। इकर से भारत सरकार कर आत्मनिर्भरता अभियान के काफी बढ़ावा मिली। काले उपकरन कर 80% से बेसी घटकमन आउर उप-प्रनालीमन कर कर खरीद स्थानीय अस्तर में करल जाई।

स्वचालित रासायनिक एजेंट पहचान आउर चेतावनी (एसीएडीए) प्रनाली के रक्षा अनुसंधान आउर विकास संगठन (डीआरडीओ) कर रछा अनुसंधान आउर विकास प्रतिष्ठान, ग्वालियर डिजाइन आउर बिकसित करल जाए हे। ई रासायनिक, जैविक, रेडियोधर्मी बिकिरन वाला पदार्थों आउर आण्विक हमला से सुरछा ले स्वदेसी उपकरन कर उपजोग ले रास्ट्र कर पहल कर दिसा में एगो महत्वपूर्न मील कर पत्थर आहे।

स्वचालित रासायनिक एजेंट पहचान आउर चेतावनी (एसीएडीए) प्रनाली कर उपजोग पर्याबरन से बायु कर नमूना लेइ के रासायनिक जुद्ध ले उपजोग में लानल जायेक वाला एजेंट (सीडब्यूस ए) आउर उकर ले तैयार करल गेल बिसैला औद्योगिक रसायन (टीआईसी) कर पता लगायेक में करल जायेला। ई आयन मोबिलिटी स्पेक्ट्रोमेट्री (आईएमएस) कर सिद्धांत में काम करेला। इकर में हानिकारक आउर बिसैला पदार्थ कर निरंतर पता लगायेक आउर संगे निगरानी ले दू गो अत्यधिक संबेदनसील आयन मोबिलिटी स्पेक्ट्रोमेट्री (आईएमएस) सेल होवेला।

फील्ड यूनिट में स्वचालित रासायनिक एजेंट पहचान आउर चेतावनी (एसीएडीए) प्रनाली के सामिल करेक से ई छेतर में भारतीय सेना कर रछात्मक छमता में काफी वृद्धि होवी। संगे, सांति काल में, बिसेस रूप से औद्योगिक दुर्घटना से संबंधित आपदा राहत से जुड़ल परिस्थिति में प्रतिक्रिया ले भी इनकर उपजोग करल जाए सके।

सिब बारात में झूमलयं श्रद्धालु, एक-दूसर के लगालयं गुलाल

◻ मंईयां सम्मान योजना उपरे आधारित झांकी रहलक आकर्सन कर केंद्र

रांची। श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर (मुध द्वार) 26 फरवरी के दूपहर 1.45 बजे सहर कर पहिल सिब बारात निकलालक। सिब बारात पहाड़ी मंदिर कर मुध द्वार में आरती कर संगे सुरु होलक, जे हुवां से हरमू रोड शनि मंदिर, बकरी बाजार, कोर्ट सराय रोड, कोतवाली थाना रोड, शहीद चौक, अल्बर्ट एक्का चौक से वापिस घूमते शहीद चौक, गांधी चौक, महावीर चौक, ग्वाल टोली, न्यू मार्केट चौक, दुर्गा मंदिर रातु रोड होते पिस्का मोड़ इस्थित विश्वनाथ मंदिर पहुंचलक। हियां विश्वनाथ मंदिर समिति कर द्वारा बारातीमन कर सोवागत करल गेलक। भगवान सिब आउर माता पार्वती कर स्वरूप कर बिधिवत बिहा राइत कर आठ बजे संपन्न होलक।

समिति कर मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा बतालयं कि सिब बारात में मईया सम्मान योजना उपरे आधारित झांकी सहरवासीमन ले बिसेस आकरसन कर केंद्र रहे। इकर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कर हमसक्ल शिवलिंग कर पूजा करते नजइर आलयं। मईया सम्मान योजना कर तीन गो लाभुक जनीमन भी झांकी में प्रतीकात्मक रूप में मौजूद रहयं। इकर अलावा आउर झांकी में एगो ट्रेलर में चाइर गो अघोरी आउर जिंदा सांप आउर दूसर गाड़ी में शंकर हांथ में डमरू आउर त्रिसूल लेइ के पार्वती संगे नृत्य करते, राधा कृष्ण कर जीवंत स्वरूप, मां काली कर तांडव नृत्य आउर बाहुबली बजरंगबली दू गो वानर कर संगे नजइर आलयं। इकर अलावा सिब बारात में ढोल, नगाड़ा आउर तासा पार्टी भी सामिल होलक। गोटा रास्ता श्रद्धालु नाचते गाते रहयं। बारात कर रूट में सड़क कर दुईयों दने श्रद्धालु झांकी देखेक ले पहिलेहे से ठड़ा रहयं।

समिति कर मुध संस्थापक नंद किशोर सिंह चंदेल बतालयं कि सिब बारात कर शनि मंदिर कमेटी हरमू रोड, भारतीय नवयुवक संघ, रंगरेज गली दुकानदार संघ, भाजपा रांची महानगर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, शास्त्री मार्केट एसोसिएशन, पंजाबी हिंदू बिरादरी, पुस्तक विक्रेता संघ, थोक वस्त्र विक्रेता संघ, रांची होजियरी आउर रेडीमेड एसोसिएशन, गांधी चौक दुकानदार संघ, रविदास सभा, प्यादा टोली दुकानदार संघ, स्व. किशोरी यादव परिवार संगे आउर संगठनमन झांकी में पुष्प बरसा कइर के आउर फल, सॉफ्ट ड्रिंक आउर मिष्ठान्न प्रसाद बांइट के श्रद्धाभाव से सोवागत करलयं।

सिब बारात में नन्द किशोर सिंह चंदेल, शैलेश्वर दयाल सिंह, गुलशन मिड्ढा, जीतू अरोड़ा, राजू काठपाल, नरेश मक्कड़, जय सिंह यादव, ललित ओझा, आलोक दुबे, ज्योति सिंह मथारू, विनय सिंह, अजय श्रीवास्तव टिंकू, जीतू साहू, बिट्टू सिंह, मोनू शर्मा, पिया बर्मन, वीणा श्री, अंजना प्रियदर्शनी, वीणा सिंह, विनीता, गायत्री, नीलम, रीता सेन, अर्चना झा, मोनिका, सोनी, संगीता सिन्हाव, नीलू सिंह, बीना सिंह, संध्या देवी, गीता देवी, रंजू देवी, राहुल सिंह, संजय कुमार सिंह, अशोक यादव, टीके मुखर्जी, सुनील यादव, विकास सिंह, अमूल्य कुमार सिंह, सुनीता मुंडा, गजेंद्र सिंह, अमन ठाकुर, अजीत सिंह टिंकू, मोहन गोस्वामी, कंचन महाराज, अविनाश कुमार, राकेश सिंह चंदेल, विक्रांत कुमार, अमित कुमार साहू, मधुकर सिंह, हर्ष कुमार, भरत मुंजाल संगे आउरोंमन सामिल होलयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड
रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका,
सलाहकार संपादक : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com